THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

जंग की तैयारी के लिए त्वरित फैसले जरूरी
राजनाथ सिंह ने कंट्रोलर्स कॉन्फ्रेंस में कहा

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि जंग की तैयारी के लिए न केवल पर्याप्त वित्तीय संसाधन जरूरी हैं, बल्कि त्वरित व पारदर्शी फैसले भी आवश्यक हैं। रक्षा लेखा विभाग द्वारा आयोजित नियंत्रकों के सम्मेलन (कंट्रोलर्स कॉन्फ्रेंस 2022) में रक्षा मंत्री ने यह बात कही। राजनाथ सिंह ने कहा कि निर्णय लेने में देरी से समय के साथ-साथ धन की भी क्षति होती है। देश की युद्ध तैयारी पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। रक्षा मंत्रालय का लेखा विभाग त्वरित व पारदर्शी फैसलों में अहम भूमिका निभाता है।

वर्ष-27 अंक : 241 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **मार्गशीर्ष कृ.7,** 2079 **मंगलवार, 15 नवंबर 2022**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

45 घंटे में पीएम मोदी 20 कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी-20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए आज इंडोनेशिया के बाली रवाना हो गए। पीएम मोदी 14 से 16 नवंबर तक बाली में रहेंगे। जी-20 शिखर सम्मेलन 15-16 नवंबर को है। करीब 45 घंटे के अपने प्रवास के दौरान पीएम मोदी 20 कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। दुनिया के दिग्गज 20 देशों के समूह जी-20 के प्रमुखों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के अलावा प्रधानमंत्री इसमें हिस्सा लेने वाले 10 देशों के प्रमुखों से द्विपक्षीय मुलाकात भी करेंगे। इसमें बहुपक्षीय व द्विपक्षीय मुद्दों पर विस्तार से चर्चा होगी।

जी-20 संगठन का अगला अध्यक्ष भारत

जी-20 संगठन का अगला अध्यक्ष भारत है और इसकी अगली बैठक सितंबर, 2023 में नई दिल्ली में ही होने वाली है। इस नजरिए से भी पीएम मोदी का दौरा अहम माना जा रहा है। विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने बताया कि शिखर सम्मेलन तीन सत्रों में होगा और पीएम मोदी इन तीनों सत्रों में दूसरे वैश्विक नेताओं के साथ हिस्सा लेंगे। यह पूछे जाने पर कि पीएम मोदी की मुलाकात किन वैश्विक नेताओं से होगी, इसके जबाव में क्वात्रा ने बताया कि इस बारे में संबंधित देशों के साथ बातचीत की जा रही है और कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

इन मुद्दों पर होगी चर्चा :

बाली शिखर सम्मेलन के दौरान, पीएम मोदी और अन्य जी-20 नेता वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा, पर्यावरण, कृषि, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन समेत कई मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। क्वात्रा ने बताया, शिखर सम्मेलन के दौरान तीन वर्किंग सेशन होंगे, जिसमें प्रधानमंत्री प्रतिभाग करेंगे। इनमें खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन और स्वास्थ्य जैसे मुद्दे शामिल हैं। वहीं इंडोनेशिया में भारतीय राजदूत मनोज कुमार भारती ने कहा, भले ही प्रधानमंत्री मोदी का इंडोनेशिया का यह दौरा बहुत छोटा हो, लेकिन रणनीतिक रूप से यह दौरा बहुत ही महत्वपूर्ण रहने वाला है।

भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील की तिकड़ी

विदेश सचिव ने बताया कि भारत की अध्यक्षता में होने वाले जी-20 सम्मेलन के लिए भारत, इंडोनेशिया और ब्राजील ने नेतृत्वकर्ता तिकड़ी का गठन किया है। उन्होंने कहा, जी-20 के इतिहास में पहली बार तीन विकासशील और उभरती वैश्विक अर्थव्यवस्थाएं एक साथ आई हैं।

85 प्रतिशत जीडीपी जी-20 में :

वर्तमान वैश्विक आर्थिक सहयोग के लिहाज से जी-20 का महत्वपूर्ण स्थान है और अर्थव्यवस्था और विकास के बड़े अंतर्राष्ट्रीय मामलों को आकार और मजबूती देने में यह अहम भूमिका निभाता है। दुनिया की 85 प्रतिशत जीडीपी जी-20 के सदस्य देशों में है, जबकि दुनिया का 75 प्रतिशत व्यापार और करीब 66 प्रतिशत आबादी यहां रहती है।

जी-20 सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक के साथ मुलाकात हो सकती है। पिछले महीने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बनने के बाद ऋषि सुनक की मोदी के साथ पहली बैठक होगी। बाली के लिए रवाना होने से पहले सुनक ने एक बयान में कहा कि व्लादिमिर पुतिन के युद्ध ने दुनियाभर में तबाही मचाई है और जीवन को नष्ट किया है।

भारतीय समुदाय को संबोधित करने के लिए उत्सुक

जी-20 शिखर सम्मेलन में शिरकत करने के लिए इंडोनेशिया के लिए रवानगी से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि मैं 15 नवंबर को एक स्वागत समारोह में बाली में भारतीय समुदाय को संबोधित करने के लिए उत्सुक हूं। उन्होंने कहा, बाली शिखर सम्मेलन के दौरान, मैं वैश्विक मुद्दों, जैसे वैश्विक विकास, खाद्य और ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण, स्वास्थ्य और डिजिटल परिवर्तन पर जी-20 नेताओं के साथ व्यापक चर्चा करूंगा।

उन्होंने बताया, इस सम्मेलन से इतर, मैं अन्य देशों के नेताओं से मिलूंगा और उनके साथ भारत के द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करूंगा। उन्होंने बताया, हमारे देश के लिए यह महत्वपूर्ण है कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो बाली शिखर सम्मेलन के समापन समारोह में भारत को जी-20 की अध्यक्षता सौंपेंगे। भारत एक दिसंबर से आधिकारिक तौर पर जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करेगा।

टीआरएस विधायकों के खरीद मामले में केरल का डॉक्टर फरार

केरल, दिल्ली, हरियाणा, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में कुछ संदिग्धों के कार्यालयों और आवासों पर छापे मारे गए।

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधायकों के खरीद मामले में आरोपी का करीबी बताया जाने वाला केरल का एक डॉक्टर फरार है। सनसनीखेज मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने केरल में डॉक्टर के आवास पर तलाशी ली, लेकिन वह नहीं मिला। सूत्रों ने बताया कि एसआईटी ने डॉक्टर की तलाश शुरू कर दी है। डॉक्टर मामले के मुख्य आरोपी रामचंद्र भारती का करीबी बताया जा रहा है। पिछले दो दिनों के दौरान एसआईटी ने जांच के तहत देश के विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की। केरल, दिल्ली, हरियाणा, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में कुछ संदिग्धों के कार्यालयों और आवासों पर छापे मारे गए।

पिछले हफ्ते पुलिस द्वारा आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर हैदराबाद में भी छापेमारी की गई थी। साइबराबाद पुलिस ने 26 नवंबर को रामचंद्र भारती और सिम्हयाजी और नंद कुमार को उस समय गिरफ्तार किया था। आरोपियों पर तेलंगाना की सत्तारूढ़ पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के चार विधायकों को 250 करोड़ रुपये नकद की पेशकश के साथ लुभाने की कोशिश करने का आरोप है। यह छापेमारी विधायकों में से एक पायलट रोहित रेड्डी की गुप्त सूचना पर की गई थी। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उन्हें 100 करोड़ रुपये और तीन अन्य को 50-50 करोड़ रुपये की पेशकश की। आरोपियों के खिलाफ मोइनाबाद पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। फिलहाल आरोपी न्यायिक हिरासत में हैं। तेलंगाना पुलिस की एसआईटी टीम ने गुरुवार और शुक्रवार को उनसे पूछताछ की। जांच अधिकारी उन लोगों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं जो विधायकों को खरीदने की कोशिश के पीछे हैं। वे यह भी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्हें 250 करोड़ रुपये देने के लिए कौन राजी हुआ था। एसआईटी का नेतृत्व हैदराबाद के पुलिस आयुक्त सी वी आनंद कर रहे हैं। छह अन्य पुलिस अधिकारी टीम के सदस्य हैं। इस बीच बंजारा हिल्स पुलिस ने नंद कुमार के खिलाफ दर्ज दो मामलों में उनके खिलाफ पीटी वारंट जारी किया। वारंट सोमवार को शहर की एक अदालत में पेश किया गया। नगर निगम के अधिकारियों ने रविवार को कथित तौर पर नंद कुमार से संबंधित अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त कर दिया था। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की टाउन प्लानिंग विंग ने जुबली हिल्स में फिल्मनगर में नंदा कुमार द्वारा संचालित होटल डेक्कन किचन में दो अनधिकृत निर्माण को तोड़ दिया।

दिल्ली आबकारी नीति मामला : ईडी ने विजय नायर अभिषेक बोइनपल्ली को गिरफ्तार किया

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को दिल्ली आबकारी नीति घोटाले की जांच के सिलसिले में आम आदमी पार्टी (आप) के मीडिया प्रचार प्रभारी विजय नायर और व्यवसायी अभिषेक बोइनपल्ली को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत गिरफ्तार किया। इससे पहले, दोनों को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था और पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। अदालत में उनकी जमानत अर्जी पर सुनवाई होगी।

सीबीआई ने बोइनपल्ली को दिल्ली की जीएनसीटीडी की आबकारी नीति बनाने और लागू करने के आरोप में गिरफ्तार किया।

हैदराबाद के एक प्रमुख व्यवसायी, बोइनपल्ली का नाम जांच के दौरान सामने आया था। उन्हें जांच में शामिल होने के लिए बुलाया गया था, लेकिन उन्होंने जांच एजेंसी के साथ सहयोग नहीं किया और कथित तौर पर इसे गुमराह करने की कोशिश की। एफआईआर में उनका नाम नहीं था। दिल्ली के जोर बाग स्थित व्यवसायी नायर सीबीआई द्वारा गिरफ्तार किए जाने वाले पहले व्यक्ति थे।

तिहाड़ जेल के सुपरिन्टेंडेंट सस्पेंड

केजरीवाल के मंत्री सत्येंद्र जैन को वीआईपी ट्रीटमेंट देने का आरोप, ठग सुकेश ने की थी शिकायत

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। तिहाड़ जेल के बैरक नंबर 7 के सुपरिन्टेंडेंट अजीत कुमार को सस्पेंड कर दिया गया है। कुमार पर आम आदमी पार्टी सरकार के मंत्री सत्येंद्र जैन को वीआईपी ट्रीटमेंट देने और जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर को धमकी देने के आरोप में कुमार पर यह कार्रवाई की गई है।

दरअसल, ठग सुकेश चंद्रशेखर ने हाल ही में दिल्ली के एलजी विनय कुमार सक्सेना को चिट्ठी लिखी थी, जिसमें जेल सुपरिन्टेंडेंट पर जैन को फेवर करने का आरोप लगाया था। सुकेश ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, सत्येंद्र जैन और कैलाश गहलोत के खिलाफ अपनी शिकायत वापस लेने के लिए धमकी मिलने की भी बात कही थी। इसके बाद एलजी ने जांच कमेटी बनाई थी। इस कमेटी की सिफारिशों के बाद ही कुमार को सस्पेंड किया गया है।

एक हफ्ते पहले डीजी बदले गए थे

एक हफ्ते पहले यानी 4 नवंबर को ही तिहाड़ जेल के डीजी भी बदले गए थे। ठग सुकेश चंद्रशेखर के संरक्षण देने के आरोप के बाद तत्कालीन जेल डीजी संदीप गोयल को हटाकर संजय बेनीवाल को जेल डीजी बनाया गया था। सुकेश ने आरोप लगाया था कि सुरक्षा के बदले गोयल ने 10 करोड़ रुपये लिए हैं, इसमें सत्येंद्र जैन भी शामिल हैं।

6 महीने से जेल में बंद हैं सत्येंद्र जैन :

दिल्ली सरकार के जेल और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को ईडी ने 30 मई को गिरफ्तार किया था। जैन तब से तिहाड़ जेल में बंद हैं। उनकी जमानत याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में सुनवाई चल रही है। पिछले दिनो मंडोली जेल में बंद ठग सुकेश चंद्रशेखर ने लेटर लिखकर जैन, जेल अधिकारियों और केजरीवाल पर कई आरोप लगाए थे।

सेबी की समीक्षा याचिका खारिज

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की एक याचिका को 2:1 के बहुमत से खारिज कर दिया। इस याचिका में 5 अगस्त के फैसले की समीक्षा की मांग की गई थी, जिसमें बाजार नियामक को रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के साथ कुछ दस्तावेज साझा करने का निर्देश दिया गया था।

एक आदेश में, पूर्व मुख्य न्यायाधीश यू.यू. ललित और न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और हिमा कोहली की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, भारत के मुख्य न्यायाधीश ने 19 अक्टूबर, 2022 के आदेश द्वारा निर्देश दिया कि समीक्षा याचिका में नोटिस जारी किया जाए। जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस हिमा कोहली ने 19 अक्टूबर, 2022 के आदेश में रिव्यू पिटीशन खारिज कर दी।

बाल दिवस पर भिड़े किरेन रिजिजू और जयराम रमेश

मंत्री ने कश्मीर पर गिनाई नेहरू की गलतियां

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती पर केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू और कांग्रेस नेता जयराम रमेश कश्मीर को लेकर आपस में भिड़ गए। रिजिजू ने 'कश्मीर की पांच नेहरूवादी भूल' टाइटल से एक लेख लिखा है। उनके इस लेख का जयराम रमेश सहित कांग्रेस नेताओं ने तीखी आलोचना की है। इस लेख पर कर्ण सिंह ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। एक ओपिनियन कॉलम में कांग्रेस नेता ने उन घटनाओं में अपने पिता की भूमिका को स्पष्ट किया जो जम्मू-कश्मीर को भारत में प्रवेश की ओर ले गईं।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश द्वारा रिजिजू को 'डिस्टोरियन' कहे जाने के बाद केंद्रीय मंत्री ने उसी वेबसाइट पर एक अन्य लेख में नए तर्कों के साथ कांग्रेस पर पलटवार किया है। उन्होंने नेहरू पर भारत की जगह परिवार को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया है। इसके बाद जयराम रमेश ने ट्विटर पर एक लेख साझा करते हुए लिखा, उत्कृष्ट लेख जो किरेन रिजिजू और उनके झूठ को ध्वस्त करता है। रिजिजू ने 24 जुलाई 1952 को लोकसभा में नेहरू के भाषण का हवाला दिया जिसमें उन्होंने जुलाई 1947 में विलय के सवाल का जिक्र किया था। रिजिजू कहते हैं कि नेहरू ने कश्मीर को एक विशेष मामला कहा था। उन्होंने यह भी कहा था कि वहां चीजों को जल्दी ठीक करने की कोशिश करना सही या उचित नहीं होगा। रिजिजू ने 21 अक्टूबर 1947 को कश्मीर के तत्कालीन प्रधानमंत्री मेहर चंद महाजन को लिखे पत्र का जिक्र किया, जिसमें नेहरू ने कहा था कि इस स्तर पर भारतीय संघ के साथ जुड़ाव की कोई घोषणा करना अवांछनीय होगा। यह पत्र आदिवासियों द्वारा समर्थित पाकिस्तानी सेना द्वारा कश्मीर पर आक्रमण करने के एक दिन बाद लिखा गया था।

मोदी के मंत्री लिखते हैं, डोगरा राजा हरि सिंह कश्मीर के बाहरी व्यक्ति नहीं थे। कश्मीर घाटी में उनके पास उतने ही अधिकार थे जितने किसी और के पास थे। रिजिजू ने लंदन में 1931 के गोलमेज सम्मेलन में हरि सिंह की घोषणा का हवाला दिया जिसमें उन्होंने कहा था कि वह पहले एक भारतीय थे और फिर एक महाराजा। उन्होंने कहा कि वही हरि सिंह 1947 में भारत में शामिल होने की गुहार लगा रहे थे, लेकिन नेहरू के एजेंडे के पूरा होने तक हर मौके पर उन्हें नाकाम कर दिया गया। अपने लेख में रिजिजू ने जून 1947 की कश्मीर यात्रा से पहले लॉर्ड माउंटबेटन को लिखे नेहरू के एक पत्र का जिक्र किया। रिजिजू ने कहा कि नेहरू को जून की शुरूआत में ही हरि सिंह की इच्छाओं के बारे में पता था, लेकिन सबसे बड़ी बाधा उनका एजेंडा था।

रिजिजू ने मेहर चंद महाजन के संस्मरण के एक अंश का हवाला दिया, जिसमें लिखा था कि महाराजा भारत में शामिल होने और राज्य के प्रशासन में आवश्यक सुधार लाने के लिए तैयार थे।

अपने कॉलम में मंत्री ने दावा किया कि जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन शासक महाराजा हरि सिंह 15 अगस्त, 1947 से पहले भी भारत में शामिल होना चाहते थे, लेकिन नेहरू ने इससे इनकार कर दिया था। रिजिजू ने दावा किया कि नेहरू एक व्यक्तिगत एजेंडे से प्रेरित थे और उन्होंने कश्मीर में एक शून्य पैदा किया जिसने पाकिस्तान को अपने मामलों में हस्तक्षेप करने की अनुमति दी जिससे आदिवासियों द्वारा समर्थित आक्रमण हुआ।

सोनिया गांधी व खडगे ने पंडित नेहरू को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। देश आज पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की जयंती मना रहा है। इस खास मौके पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे व सोनिया गांधी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। दोनों नेता नेहरू के समाधि स्थल शांति वन पहुंचे और उन्हें पुष्प अर्पित किए। कांग्रेस पार्टी ने ट्विटर पर इस मौके की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, भारत के विकास में पंडित जवाहरलाल नेहरू जी के योगदान के लिए राष्ट्र उनका स्मरण कर रहा है। इसके अलावा पार्टी की ओर से पंडित नेहरू का एक वीडियो भी ट्वीट किया गया है। इस पर लिखा गया है, बच्चे बागों में खिली उस कली की तरह होते हैं, जिनकी परवरिश बहुत प्यार और नरमी से करनी चाहिए। कुछ ऐसे थे देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित श्री जवाहरलाल नेहरू या यूं कहें बच्चों के 'चाचा नेहरू'। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पंडित नेहरूर को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक ट्वीट में लिखा, हमारे पूर्व प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।

असंतुष्टों से इस तरह से निपटेगी भाजपा

शाह की दो टूक 'बागी' न मानें तो छोड़ देना ब्रह्मास्त्र

गांधीनगर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात भारतीय जनता पार्टी में टिकट वितरण के बाद से ही असंतोष शुरू हो गया है। घोषित 166 में से 40 से अधिक सीटों पर विरोध के स्वर सुनाई देने लगे हैं। इन्हें थामने के लिए गृहमंत्री अमित शाह ने मोर्चा संभाल लिया है। विधानसभा चुनावों की रणनीति बनाने के लिए शाह अगले तीन दिन गुजरात में डटे रहेंगे। असंतुष्ट नेताओं के कारण होने वाले नुकसान और डैमेज कंट्रोल करने की रणनीति पर भी शाह ने काम शुरू कर दिया है।

गुजरात चुनाव का कामकाज देख रहे भाजपा के एक वरिष्ठ सांसद ने नाम न छापने के अनुरोध पर कहा कि रविवार शाम को अमित शाह ने प्रदेश भाजपा कार्यालय कमलम पर चार घंटे की एक उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में सीएम भूपेंद्र पटेल, केंद्रीय मंत्री मनसुख मंडाविया समेत चार जोन के महामंत्री भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने नाराजगी वाली सभी सीटों पर एक-एक कर चर्चा की। बैठक में उन्होंने गुजरात भाजपा के नेताओं से दो टूक कहा, नाराज सभी लोग पार्टी और परिवार के हैं। उन पर दबाव डालने के बदले समझा कर और प्रेम से काम लो। जो समझाने पर न माने तो उन्हें चौदहवां रत्न दिखने का दिल्ली से आदेश है। जब तक जरूरत न पड़े तब तक यह ब्रह्मास्त्र को मत छोड़ना।

संघ-भाजपा नेताओं के साथ बैठक करेंगे शाह :

गुजरात में उम्मीदवारों की सूची की घोषणा के बाद भाजपा में कुछ सीटों पर बगावत के सुर उठने लगे थे। टिकट कटने से कई मौजूदा विधायक व उनके समर्थक नाराज बताए जा रहे हैं। बढ़ते विरोध के बीच शाह गांधीनगर आ पहुंचे। मैराथन बैठक में अमित शाह ने, विरोध के स्वर को शांत करने, साथ ही किस सीट पर नाराजगी चल रही है, समेत अन्य मुद्दों पर चर्चा की। जानकारी के अनुसार, अगले तीन दिन शाह गुजरात में रहकर कैंपेन करेंगे। वे भाजपा और संघ के नेताओं के साथ भी एक बैठक करेंगे। प्रदेश की जिन सीटों पर ज्यादा असंतोष है। वहां की समीक्षा भी करेंगे।

इन क्षेत्रों में मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं बागी :

प्रदेश नेताओं की एक टीम असंतुष्ट नेताओं के साथ वन टू वन चर्चा करेगी। असंतुष्ट नेताओं को चुनाव में अलग-अलग क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपे जाने पर विचार किया जा रहा है। इसके अलावा जो लोग ज्यादा नाराज हैं, ऐसे लोगों को संगठन या सरकारी निगमों के पद में एडजस्ट करने जैसे फॉर्मूले पर भी चर्चा हो सकती है। बताया जाता है कि पार्टी अगर नाराज नेताओं को मनाने में सफल नहीं होती है, तो ये नेता मध्य गुजरात की छह, सौराष्ट्र की सात और उत्तर गुजरात की सात सीटों पर पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकते हैं।

शाह की बैठक के बाद जाम नगर उत्तर की मौजूदा विधायक हकुभा जडेजा को जामनगर की तीन सीटों का प्रभारी बनाया गया है। जाम नगर नॉर्थ सीट से भाजपा ने रीवाबा जडेजा को टिकट दिया है। हकुभा जाडेजा टिकट न मिलने से खफा थे।

35 टुकड़ों में काटा महिला का शव

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। महरौली इलाके में अपने लिव-इन पार्टनर की हत्या कर शव को 35 टुकड़ों में काटा और शहर के अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया। आरोपी की पहचान आफताब अमीन पूनावाला के रूप में हुई है। आफताब ने 18 मई को 26 वर्षीय श्रद्धा को गला घोंट कर मार डाला। सूत्रों के अनुसार, आफताब ने उसके शरीर को 35 टुकड़ों में काटा और उन्हें स्टोर करने के लिए एक नया फ्रिज खरीदा। 18 दिनों की अवधि में उसने उन शरीर के टुकड़ों को अलग-अलग जगहों पर फेंक दिया। किसी भी तरह के संदेह से बचने के लिए वह तड़के 2 बजे पॉलीबैग में शव लेकर घर से निकल जाता था। पुलिस ने कहा, मामला 8 नवंबर को सामने आया, जब लापता महिला के पिता ने महीनों से अपने बेटी से संपर्क न होने पर दिल्ली पुलिस से शिकायत की।

राष्ट्रपति पर टिप्पणी मामले में सीएम ममता ने मांगी माफी, कहा विधायक को चेतावनी दी गई

कोलकाता, 14 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर अपने मंत्री की टिप्पणी के लिए माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत टिप्पणी करना उनकी पार्टी की संस्कृति में नहीं है। विधायक को उनकी टिप्पणियों के लिए आगाह किया गया है। इसके लिए उनकी पार्टी ने माफी भी मांगी है।

भारत के राष्ट्रपति पर तृणमूल मंत्री अखिल गिरि की अभद्र टिप्पणी की थी। इसके विरोध में पश्चिम बंगाल के भाजपा विधायकों ने राजभवन तक मार्च किया। भाजपा विधायकों का नेतृत्व विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने किया।

राज्य मंत्री अखिल गिरी की राष्ट्रपति पर टिप्पणी पर पश्चिम बंगाल की सीएम ने कहा कि किसी ने गलती की है। हम इसका विरोध कर रहे हैं, हम इसका समर्थन नहीं कर रहे हैं। हर दिन बयान देने के लिए जिस भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है और जो झूठ जारी है, वह अस्वीकार्य है।

उन्होंने कहा कि बोलना एक कला है। मैं कभी-कभी 'किंभुतकीमाकर' शब्द का प्रयोग करती हूं, अंग्रेजी में इसका अर्थ अजीब होता है। शब्दकोश में यह एक शब्द है। मैंने डिक्शनरी के बाहर किसी शब्द का प्रयोग नहीं किया है। अगर मैं कभी भी कोई बुरा शब्द बोलती हूं, तो मैं उसे तुरंत वापस ले लेती हूं और निश्चित रूप से हमारे पास वह अधिकार है।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने राज्य में डेंगू के मामले को लेकर भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मामले कम हो रहे हैं। अगर किसी को बुखार आता है तो उसे डेंगू है या नहीं यह जानने के लिए जांच करानी चाहिए। 21 नवंबर को डेंगू सहित कई मुद्दों पर चर्चा के लिए एक बैठक बुलाई गई है।

'आप' के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को 'सुप्रीम' झटका, आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। देश की सबसे बड़ी अदालत ने ताहिर हुसैन के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है। आपको बता दें कि फरवरी 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में दंगे हुए थे। इसी मामले में सुनवाई करते हुए आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

चुनाव चिह्न हाथ का पंजा है तो क्या पंजा काट देना चाहिए

जी-20 लोगो विवाद पर विरोधियों पर बरसे राजनाथ सिंह

राजनाथ सिंह ने कांग्रेस पर कसा तंज

झज्जर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जी-20 का लोगो, थीम और वेबसाइट लॉन्च किया था। इसके बाद कांग्रेस समेत कई राजनीतिक दलों ने जी-20 के लोगो का विरोध किया। बता दें कि जी-20 के लोगो पर विरोध उसपर बने कमल के फूल के चलते हो रहा है।

कांग्रेस का आरोप है कि भारतीय जनता पार्टी अपनी पार्टी का चुनाव चिह्न जी-20 के लोगो में इस्तेमाल कर रही है। जी-20 दुनिया के उन 20 देशों का एक ग्रुप है जो वैश्विक अर्थव्यवस्था के कुल 85% हिस्से पर नियंत्रण रखते हैं। जी-20 के लोगो पर मचे बवाल पर अब देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी अपना बयान दिया है। राजनाथ सिंह ने कहा कि यानी किसी राजनीतिक दल का चुनाव चिन्ह अगर हाथ का पंजा है तो क्या हाथ का पंजा काट देना चाहिए? पंजा शब्द प्रयोग करना ही नहीं चाहिए? क्या किसी पार्टी का चुनाव चिन्ह साइकिल है तो साइकिल पर बैठना छोड़ देना चाहिए? राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं जो सांस्कृतिक अस्मिता के साथ जुड़ी चीजें से परहेज करना चाहते हैं। राजनाथ ने कहा कि जी-20 के लोगो में कमल का फूल देखते ही लोगों ने हंगामा खड़ा कर दिया। लोगों ने कहा कि ये तो भाजपा का चुनाव चिह्न है। राजनाथ ने कहा कि आरोप लगाने की भी एक हद होती है, सच्चाई तो यह है कि कमल का फूल 1950 से ही हमारे देश का राष्ट्रीय पुष्प है। झज्जर में सम्राट पृथ्वीराज चौहान की प्रतिमा के अनावरण समारोह में राजनाथ सिंह ने यह बात कही। ने बोला कि जब तक हमारी सरकार है भारत की सांस्कृतिक अस्मिता पर कभी कोई आंच नहीं आने देंगे। बता दें कि बीते मंगलवार को प्रधानमंत्री ने जी-20 का लोगों लॉन्च किया था।

उसपर बने कमल के फूल को लेकर लोगों ने विरोध जताया था।

एक हाथ में रोटी तो दूसरे में कमल

राजनाथ सिंह ने कहा कि कमल का फूल इस देश की सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है। राजनाथ ने कहा कि साल 1857 के संग्राम में आजादी के मतवालों ने एक हाथ में रोटी और दूसरे हाथ में कमल का फूल लेकर आजादी की लड़ाई लड़ी थी। उन्होंने कहा कि क्या कमल के फूल को हम भुला दें?

क्या राष्ट्रीय पुष्प की मान्यता रद्द कर देनी चाहिए?

राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि कमल को जी-20 का लोगो बना कर क्या हमारे प्रधानमंत्री ने कोई बड़ा अपराध किया? सिर्फ किसी पार्टी का वो चुनाव चिन्ह है इसलिए क्या कमल के फूल को हमें छोड़ देना चाहिए? उसको राष्ट्रीय पुष्प की मान्यता क्या रद्द कर देनी चाहिए?

शिंदे के साथ मिलकर लड़ेंगे आगामी चुनाव

बावनकुले का दावा- लोस की 45 व विस 200 सीटें जीतेंगे

मुंबई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र से भाजपा को बड़ी उम्मीदें हैं। इसलिए वह आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव में जीत को लेकर बड़े दावे कर रही है। महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुल का दावा है कि पार्टी शिंदे व फडणवीस के नेतृत्व में राज्य में लोकसभा की 48 में से 45 और विधानसभा की 288 में से 200 सीटें जीतेगी। बावनकुले ने कहा कि भाजपा 2024 के आम चुनाव और विधानसभा चुनाव शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के साथ मिलकर लड़ेगी। महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि हमने महाराष्ट्र में 45 लोकसभा और 200 विधानसभा सीटें जीतने की तैयारी की है। आगामी चुनाव शिंदे व फडणवीस के नेतृत्व में ही लड़े जाएंगे। बता दें, पिछले चुनाव में उद्धव ठाकरे नीति शिवसेना ने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें सीएम बनाने पर रजामंदी नहीं होने पर ठाकरे ने दशकों पुरानी दोस्ती तोड़ दी थी और कांग्रेस व राकांपा के साथ महाअघाड़ी सरकार सरकार बना ली थी। यह महाअघाड़ी सरकार करीब तीन साल चली, लेकिन जून 2022 में शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना का एक धड़ा अलग हो गया। इसके बाद शिंदे गुट ने भाजपा के साथ मिलकर सरकार बनाई है। इसमें शिंदे सीएम व पूर्व सीएम देवेंद्र फडणवीस डिप्टी सीएम हैं।

बंगाल के विरुद्ध हो रही बड़ी साजिश

'ममता सरकार' को कौन करना चाहता है बदनाम?

कोलकाता, 14 नवंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपने विरोधियों पर बहुत बड़ा आरोप लगाया है। सीएम के मुताबिक उनके राज्य के खिलाफ साजिश रची जा रही है। उनके राज्य को बदनाम करने की कोशिश हो रही है। ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि बंगाल के विरूद्ध एक साजिश रची जा रही है जिसके तहत सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस को बदनाम किया जा रहा है। भ्रष्टाचार के मामले में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की गिरफ्तारी के बीच तृणमूल सुप्रीमो ने कहा कि जिन्होंने गलतियां की हैं उन्हें गलतियां सुधारने का मौका दिया जाना चाहिए।

सीएम ममता ने विरोधियों पर बोला हमला

उन्होंने यहां एक कार्यक्रम में कहा, ''राज्य के विरूद्ध एक साजिश रची जा रही है। उसके तहत सरकार एवं तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ दुर्भावनापूर्ण अभियान चलाया जा रहा है।'' बनर्जी ने कहा, ''यदि किसी व्यक्ति ने गलती की है तो उसे उन गलतियों को सुधारने का मौका दिया जाना चाहिए। यदि कोई किसी गड़बड़ी में लिप्त है तो कानून अपना काम करेगा।

ममता के कई नेताओं पर गिर चुकी है गाज

बता दें, ममता के राज्य में कई बड़े-बड़े नेता भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार हो चुके हैं। कई नेताओं पर तलवार लटकी हुई है। ऐसे में उन्होंने बंगाल के विरूद्ध साजिश रचने का दावा किया है और अपने विरोधियों पर हमला बोला है। पश्चिम बंगाल के नेता ही नहीं बल्कि खुद मुख्यमंत्री के करीबी भी शिकंजे में कसे हुए हैं। जिसके बाद बीजेपी ने ममता सरकार के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं।

घगवाल में मिला जहाज नुमा पाक गुब्बारा, पुलिस ने कब्जे में लिया

सांबा, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के जिला सांबा के घगवाल क्षेत्र में एक जहाज नुमा पाकिस्तानी गुब्बारा बरामद हुआ है। पुलिस ने इस गुब्बारे को कब्जे में लेकर आगामी जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, घगवाल में लोगों को पाकिस्तानी गुब्बारा मिला है। इस पर 'बीएचएन' लिखा हुआ है। गुब्बारा देखकर लोग सहम गए। लोगों ने मामले की जानकारी पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने स्थानीय लोगों से पूछताछ की और पड़ताल के बाद गुब्बारे को कब्जे में ले लिया।

छत्तीसगढ़ में आरएसएस एक्टिव

बीजेपी के लिए क्यों महत्वपूर्ण है मोहन भागवत का दौरा

रायपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इस बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत राज्य का चार दिवसीय दौरा करने वाले हैं। आरएसएस ने लगातार आरोप लगाया है कि यहां बड़े पैमाने पर अनुसूचित जनजातियों के लोगों का धर्मांतरण कराया जाता है। उनकी इस यात्रा से राज्य में संघ परिवार के विस्तार को बढ़ावा मिलने की संभावना है। इसके अलावा 31% से अधिक आदिवासी आबादी वाले राज्य में अगले साल होने वाले चुनावों में बीजेपी को भी वापसी की उम्मीद दिख रही है। आपको बता दें कि हाल ही में रायपुर में का वार्षिक योजना कार्यक्रम संपन्न हुआ था। इसमें भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और राष्ट्रीय संगठन सचिव बीएल संतोष ने भी भाग लिया था। अपनी इस यात्रा के क्रम में मोहन भागवत जशपुर में पूर्व केंद्रीय मंत्री दिलीप सिंह जूदेव की प्रतिमा का भी अनावरण करेंगे। जूदेव बड़े पैमाने पर घर-वापसी कार्यक्रमों का आयोजन करके ईसाई आदिवासियों को हिंदू धर्म में वापस लाने के अपने प्रयासों के लिए जाने जाते थे। उनके बेटे प्रबल प्रताप सिंह जूदेव भी इसी तरह के प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

डोडा में पीडब्ल्यूडी विभाग की गाड़ी नाले में गिरने से 3 की मौत,1 की हालत गंभीर

श्रीनगर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के डोडा इलाके में आज सुबह करीब 10:40 मिनट पर एक सड़क हादसा हो गया है. दरअसल, राज्य के जिला रामबन में लगातार हो रही बारिश के चलते कई जगहों पर लैंडस्लाइड हुआ है. सड़क पर फिसलन की वजह से पीडब्ल्यूडी विभाग की गाड़ी एक गहरे नाले में गिर गई. हादसा अस्सर-बग्गर रोड पर हुआ है, जिसमें रोड एंड बिल्डिंग विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर और ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि एक सुपरिटेंडेंट इंजीनियर गंभीर रूप से घायल हैं. बता दें कि इस घटना के बाद श्रीनगर नेशनल हाईवे को बंद कर दिया गया है. मिली जानकारी के अनुसार, डोडा के अस्सर इलाके में पीडब्ल्यूडी विभाग की गाड़ी एक गहरे नाले में गिर गई. यह हादसा तब हुआ जब ड्राइवर गाड़ी को अस्सर-बग्गर रोड से लेकर गुजर रहा था. भारी बारिश के चलते रास्ते पर फिसलन थी और ड्राइवर गाड़ी का संतुलन खो बैठा था, जिस वजह से यह नाले में जा गिरी. स्थानीय लोगों ने पुलिस विभाग को घटना की सूचना दी, जिसके बाद एसडीआरएफ टीम और पुलिस द्वारा रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया.

'भारत जोड़ो यात्रा' से ब्रेक लेंगे राहुल गांधी

22 नवंबर को गुजरात में करेंगे चुनाव प्रचार

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 22 नवंबर को गुजरात में चुनाव प्रचार करेंगे। वह कांग्रेस पार्टी की भारत जोड़ो यात्रा से ब्रेक लेकर गुजरात का दौरा करेंगे। गुजरात में दो चरणों में 1 और 5 दिसंबर को चुनाव होने हैं। वोटों की गिनती 8 दिसंबर को होगी। हिमाचल प्रदेश में विधान सभा चुनाव प्रचार नहीं करने के कारण पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष को भाजपा की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है, जहां 12 नवंबर को विधानसभा चुनाव हुए थे। अब हिमाचल में चुनाव खत्म होने के साथ ही कांग्रेस गुजरात पर फोकस कर रही है। अगले कुछ हफ्तों में, कांग्रेस के प्रमुख पार्टी नेताओं द्वारा चुनावी राज्य में कई प्रचार रैलियां निर्धारित की गई हैं। इसके तहत पार्टी आगामी 15 दिनों में कुल 25 मेगा रैली करेगी जो 125 विधानसभा क्षेत्रों को कवर करेगा। कांग्रेस की ये रैलियां आक्रामक चुनावी रणनीति के तहत होंगी, जिसमें पार्टी के तमाम बड़े नेता शिरकत करेंगे। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, दोनों मुख्यमंत्री - अशोक गहलोत और भूपेश बघेल; कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के अलावा पार्टी के पूर्व मुख्यमंत्रियों और ओबीसी-एससी-एसटी-अल्पसंख्यक वर्ग के बड़े नेता भी आगामी दिनों में गुजरात में चुनावी रैलियां और चुनाव प्रचार करेंगे।

इस बीच, कांग्रेस ने गुजरात चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की छठी सूची जारी कर दी है। इस ताजा सूची के जारी होने के साथ ही पार्टी ने अब तक राज्य की 142 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। कांग्रेस ने 4 नवंबर को अपनी पहली सूची जारी की थी, जिसमें 43 उम्मीदवारों के नाम थे। 46 उम्मीदवारों की दूसरी सूची 10 नवंबर को घोषित की गई थी। सात उम्मीदवारों की सूची शुक्रवार को जारी की गई थी। हालांकि, एक पहले नामित उम्मीदवार के स्थान पर था। विपक्षी कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) गुजरात में भाजपा के 27 साल के शासन को खत्म करना चाह रही हैं।

बीजेपी सांसद ने बस स्टैंड की तुलना मस्जिद से की, कहा- चलाएंगे बुलडोजर

बेंगलुरु, 14 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले बुलडोजर की एंट्री हो गई है। बीजेपी सांसद प्रताप सिम्हा ने यह कहकर राज्य में नये विवाद को हवा दे दी कि मस्जिद जैसा दिखने वाले मैसूर बस स्टैंड पर बुलडोजर चलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैंने इंजीनियरों से दो-तीन दिन में ऐसा करने को कहा है। अगर ऐसा नहीं हो पाया तो वो खुद जेसीबी लेकर मौके पर पहुंचेंगे और उसे ध्वस्त कर देंगे। बीजेपी सांसद के बयान पर कर्नाटक पीसीसी चीफ ने कहा अगर ऐसा है तो उन सरकारी दफ्तरों पर भी बुलडोजर चला दो जिन पर गुंबद जैसी आकृति है। दरअसल, यह बस स्टैंड मैसूर-ऊटी रोड पर स्थित है, जिसकी आकृति मस्जिद जैसी नजर आती है। बीजेपी सांसद सिम्हा ने कहा, "मैंने इसे सोशल मीडिया पर इसे देखा। बस स्टैंड के दो गुंबद बनाए गए हैं, बीच में एक बड़ा और उसके बगल में एक छोटा। यह केवल एक मस्जिद है और कुछ नहीं। बीजेपी सांसद प्रताप सिम्हा ने कहा, "मैंने इंजीनियरों से तीन-चार दिनों में इस गुंबद को ध्वस्त करने के लिए कहा है।

क्या रविंद्र जडेजा भी होंगे भाजपा में शामिल?

भगवा कुर्ते में पहुंच दिए संकेत; पत्नी लड़ रहीं चुनाव

जामनगर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने से पहले क्रिकेटर रविंद्र जडेजा और उनकी पत्नी और भाजपा नेता रिवाबा जडेजा सोमवार को जामनगर में एक कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम के दौरान दौरान रिवाबा जहां पीले रंग की साड़ी पहने दिखीं तो वहीं उनके पति ने भगवा रंग का कुर्ता पहन रखा था। रविंद्र जडेजा के इस कुर्ते के रंग को देखकर उनके भी जल्द भाजपा में शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने रिवाबा जडेजा को जामनगर (उत्तर) सीट से चुनाव मैदान में उतारा है। इससे पहले रविंद्र जडेजा ने रविवार को भी जामनगर में अपनी पत्नी रिवाबा जडेजा के लिए प्रचार करते हुए के लोगों से रिवाबा को वोट देने की अपील की थी। जडेजा ने एक वीडियो ट्वीट कर जामनगर के लोगों और क्रिकेट प्रशंसकों से उनकी पत्नी को वोट देने की अपील की थी। बता दें कि, सत्तारूढ़ दल भाजपा ने एक आश्चर्यजनक कदम उठाते हुए जामनगर उत्तर से भारतीय क्रिकेटर और जामनगर के मूल निवासी रविद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा को मैदान में उतारा है।

'इस देश में गांधी को गोली मिली है'

आप गाली 'विक्टिम कार्ड' से कब तक वोट मांगेंगे?': पीएम मोदी पर बरसे कन्हैया

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर अंदाज में पूछा कि उन्हें अपने शासनकाल में किए गए कामों के आधार पर वोट मांगने के बजाय मतदाताओं की सहानुभूति लेने के लिए 'विक्टिम कार्ड' फेंकने की जरूरत क्यों आन पड़ी है। कन्हैया ने प्रधानमंत्री की उस शिकायत का हवाला दिया कि उन्हें हर दिन विपक्ष की गाली झेलनी पड़ती है। कन्हैया कुमार ने कहा, क्या इस देश में गांधी को गोली मिली है। फिर प्रधानमंत्री ऐसा विलाप क्यों कर रहे हैं। एक दिन पहले ही शनिवार को पीएम मोदी ने तेलंगाना की एक सभा में कहा था कि उन्हें रोज विपक्ष से दो-तीन किलो गालियां मिलती हैं। लेकिन भगवान ने उन्हें उस गाली को सकारात्मक ऊर्जा में बदलने की शक्ति दी है। कांग्रेस नेता ने कहा, "यह एक बोगस प्रवचन है; मोदी लोगों के जनादेश का सम्मान करने के बजाय विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष गाली दे तो क्या फर्क पड़ता है? जनता ने उन्हें वोट दिया है।

एक बार नहीं, दो बार। उन्हें लोगों को यह बताना चाहिए कि उन्होंने उनसे किए गए वादों को पूरा क्यों नहीं किया। कांग्रेस पार्टी पीएम मोदी के इस दावे को विधानसभा चुनावों के संदर्भ में सहानुभूति हासिल करने की एक हताश कोशिश के तौर पर देख रही है। पीएम मोदी की 'गाली' वाले कमेंट के घंटों बाद तक हिमाचल प्रदेश में मतदान जारी रहा, जहां उनकी पार्टी मजबूत सत्ता-विरोधी लहर और बागियों का विरोध झेल रही थी। 2017 के गुजरात चुनाव के दौरान भी पीएम मोदी ने विक्टिम कार्ड फंका था, जब कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने उन्हें कथित तौर पर नीच कहा था। पीएम मोदी और बीजेपी ने इसे पूरे गुजरात का अपमान बताया था और चुनावों के आखिरी चरण में कांग्रेस के खिलाफ हवा बनाने में इसका इस्तेमाल किया था।

गुजरात में अगले महीने यानी दिसंबर में दो चरणों (1 दिसंबर और 5 दिसंबर) में वोट डाले जाएंगे। कांग्रेस की सोशल मीडिया हेड सुप्रिया श्रीनेत ने ट्वीट किया, 'आखिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की क्या मजबूरी है कि उन्हें गुजरात चुनाव के दौरान बार-बार विक्टिम कार्ड खेलना पड़ रहा है? उन्हें तो इस 'अमृत काल' में सुशासन के लिए साहसपूर्वक वोट मांगने में सक्षम होना चाहिए था।

सूरत में ओवैसी को मुस्लिम युवकों ने दिखाए काले झंडे

लगाए मोदी-मोदी के नारे, कहा- वापस जाओ

सूरत, 14 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा चुनाव को लेकर असदुद्दीन ओवैसी फुल एक्शन में हैं। धुआंधार रैलियां कर रहे हैं। मुस्लिम बहुल इलाकों में जाकर प्रधानमंत्री मोदी को टारगेट कर रहे हैं। कल रात वो सूरत ईस्ट विधानसभा में अपने उम्मीदवार के लिए चुनाव प्रचार करने गए थे। इस दौरान गुजरात की सियासी लड़ाई में एक चौंकाने वाली तस्वीर आई है। ये तस्वीर ओवैसी के चुनावी मंसूबों पर पानी फेरने वाली है। दरअसल, मंच पर जैसी ही ओवैसी ने भाषण शुरू किया वैसे ही मुस्लिम युवकों ने विरोध में नारे लगाने शुरू कर दिए।

मुस्लिम युवक मोदी-मोदी के नारे लगाने लगे

सूरत की रैली में ओवैसी को मुस्लिम युवकों ने काले झंडे दिखाए और ओवैसी वापस जाओ के नारे लगाए। सूरत की रैली में ओवैसी जैसे ही मंच पर भाषण देने के लिए खड़े हुए वहां मौजूद मुस्लिम युवक मोदी-मोदी के नारे लगाने लगे। मुस्लिम युवकों ने पहले मोदी के नाम के नारे लगाए और फिर ओवैसी वापस जाओ के नारे लगाने लगे। ओवैसी जहां भी रैली करने जाते हैं अपने समर्थकों का हुजूम लेकर जाते हैं। समर्थक ओवैसी की तकरीर पर नारे लगाते हैं, लेकिन सूरत में उल्टा हो गया। रैली वाली जगह पर बड़ी तादाद में स्थानीय युवक मौजूद थे। उन्होंने मोदी के समर्थन और ओवैसी के विरोध में नारेबाजी शुरू कर दी और मंच पर खड़े ओवैसी ये सब देखते रह गए।

रैली में क्या बोले एआईएमआईएम चीफ ओवैसी?

अपने हर रैली में मुस्लिम कार्ड खेलने वाले ओवैसी ने इस दौरान भाषण में दलित कार्ड खेलना शुरू कर दिया। उन्होंने अपने भाषण में कहा कि प्रधानमंत्री दलित, आदिवासी और ओबीसी के विरोधी हैं, वो वंचितों का हक छीन कर ऊंची जाति के लोगों को दे रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं हमारे दलित भाइयों, हमारे वंचित भाइयों, आदिवासी भाइयों और ओबीसी भाइयों को ये बताना चाहूंगा कि ये कानून भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने बनाया। उन्होंने आगे कहा, 2019 से पहले जब वह कानून बन रहा था, जिसको कहा गया कि 10 प्रतिशत आरक्षण आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को मिलेगा। मैंने संसद में खड़े होकर उस कानून का विरोध किया और उस वक्त भी कहा था कि ये भारत के संविधान से धोखा है।

दोस्तों ने मिलकर युवक को उतारा मौत के घाट

भोपाल, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उमरिया में कई हफ्तों से लापता एक युवक का शव बरामद हुआ है। रविवार को जंगल के जमीन में दफन शव को बाहर निकाला गया। शव की पहचान 29 वर्षीय विशाल के रूप में की गई है। इस मामले में पुलिस ने विक्की चौधरी, उमेश कुशवाहा और सेफ हुसैन को हिरासत में लिया है। बताया जा रहा है कि यह तीनों ही मृतक के दोस्त हैं। लेकिन पुलिस ने इस मामले में कोई खुलासा नहीं किया है। बताया जा रहा है कि मृतक अपना मोबाइल फोन एक दोस्त को उसकी प्रेमिका से बात करने के लिए देता था। जिसके लिए वह पैसों की मांग कर रहा था। जानकारी के अनुसार युवक 18 अक्टूबर से लापता था, जिसकी गुमशुदगी की शिकायत थाने में की थी।

सेना व उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ खत्म

जवानों ने पूरे इलाके को घेरा, तलाशी अभियान जारी

गुवाहाटी, 14 नवंबर (एजेंसियां)। असम के तिनसुकिया जिले में सेना व उग्रवादियों के बीच मुठभेड़ की खबर है। जानकारी के मुताबिक, आज सुबह उग्रवादियों ने पेंगेरी-डिगबोई रोड़(वनांचल) पर सेना की टुकड़ी पर हमला कर दिया। यह हमला सुबह करीब नौ बजकर 20 मिनट पर किया गया। सेना पीआरओ की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, उग्रवादियों के हमले के बाद सेना के जवानों की ओर से भी जवाबी फायरिंग की गई,

जिसके बाद उग्रवादी आसपास के जंगलों में छिप गए। हालांकि, उग्रवादियों की तलाश के लिए सेना ने पूरे इलाके को घेर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि मुठभेड़ में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। हमले के बाद सेना ने पूरे इलाके को घेरकर तलाशी ऑपरेशन शुरू कर दिया है। गोलीबारी की आवास सुनकर आसपास के गांव के लोगों में सहम गए हैं।

सेना सूत्रों के मिली जानकारी के अनुसार, पूरे रास्ते को बंद कर दिया गया है। किसी को भी डिगबोई से पेंगेरी की ओर जाने नहीं दिया जा रहा है। इसी रास्ते से लोग अरुणाचल प्रदेश भी जाते हैं। अधकारियों के मुताबिक, तलाशी अभियान अभी भी जारी है। बता दें कि असम में खास तौर पर तिनसुकिया जिले में उग्रवादी संगठन उल्फा काफी सक्रिय है।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 15 नवंबर, 2022 3

सु वि चा र

अगर ठीक मौके पर साधनों का ध्यान रखकर, काम शुरु करो और समुचित साधनों को उपयोग में लाओं तो कौन-सी ऐसी बात है जो असम्भव हो।

मुनुगोडू को आदर्श विस क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाएगा : के. प्रभाकर

नवनिर्वाचित विधायक ने चंदूर तक निकाली विजय रैली

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोड़े के विधायक कूसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी ने सोमवार को स्पष्ट किया कि उनका मुख्य ध्यान राज्य में मुनुगोड़े को एक मॉडल विधानसभा क्षेत्र के रूप में विकसित करना होगा, इसलिए भाजपा नेता कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के राजनीतिक ड्रामे पर प्रतिक्रिया करने की कोई आवश्यकता नहीं है। प्रभाकर रेड्डी ने चौटुप्पल से संस्थान नारायणपुर और मारिगुआ होते हुए चंदूर तक निकाली गई एक विजय रैली में भाग लिया। चंदूर में जनसभा को संबोधित करते हुए, प्रभाकर रेड्डी ने कहा कि भाजपा नेता अभी भी विधानसभा क्षेत्र में टीआरएस कार्यकर्ताओं और उनकी पार्टी के सदस्यों के बीच संघर्ष पैदा करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने टीआरएस सदस्यों से गांवों में संयम और शांति बनाए रखने को कहा। उन्होंने कहा कि उपचुनाव के दौरान मुनुगोड़े के लोगों से किए गए वादे के अनुसार विधानसभा क्षेत्र के विकास पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि नगर प्रशासन मंत्री के तारका रामा राव ने मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र को अपनाने का वादा किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र में अगले एक साल में विकास कार्यों और स्वास्थ्य देखभाल सुविधाओं के संबंध में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा।

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ राजगोपाल रेड्डी द्वारा की गई टिप्पणियों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए, उन्होंने चेतावनी दी कि टीआरएस कार्यकर्ता राजगोपाल रेड्डी को सबक सिखाएंगे, अगर वह अपना रास्ता सुधारने में विफल रहे। उन्होंने उपचुनाव में एक बार फिर से विधायक चुने जाने के लिए मुनुगोड़े के लोगों को धन्यवाद दिया।

राजगोपाल रेड्डी ने प्रगति भवन को घेरने की धमकी दी

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेता कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने एक लाख लोगों के साथ प्रगति भवन को घेरने की धमकी दी है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि सरकार ने एकीकृत भेड़ विकास योजना के लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा राशि को फ्रीज कर दिया है। मुनुगोड़े में 'पोरु बटा' धरने में भाग लेते हुए, राजगोपाल रेड्डी ने आरोप लगाया कि सरकार ने मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र के 7,600 चरवाहों के बैंक खातों में 1.14 लाख रुपये सिर्फ उपचुनाव में लाभ के लिए पहले जमा किए थे। लाभार्थियों ने भेड़ इकाई की कुल लागत का 25 प्रतिशत हिस्सा भी जमा कराया था। अब पैसे जमा करने के लिए सरकार की आलोचना करते हुए, उन्होंने आरोप लगाया कि टीआरएस सरकार ने एक पायलट परियोजना के रूप में एकीकृत भेड़ विकास योजना के लिए मुनुगोड़े के लिए "प्रत्यक्ष लाभार्थी हस्तांतरण" को अपनाया है। उन्होंने सवाल किया कि राज्य सरकार ने भेड़ वितरण योजना के दूसरे चरण के लिए पूरे राज्य में इसे लागू क्यों नहीं किया। उन्होंने चेतावनी दी कि 7,600 लाभार्थी, जिनके बैंक खाते फ्रीज कर दिए गए हैं, जल्द ही जिला कलेक्ट्रेट पर धरना देंगे। उन्होंने धमकी दी कि अगर 10 दिनों के भीतर धन खातों को जारी नहीं किया गया, तो वे प्रगति भवन की घेराबंदी का आयोजन करेंगे। यदि मुख्यमंत्री उपचुनाव के दौरान मुनुगोड़े के लोगों से किए गए अपने वादों को लागू करने में विफल रहे, तो मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि विधानसभा क्षेत्र में टीआरएस के झंडे नहीं दिखाई दें और मंत्रियों और मुनुगोड़े विधायक प्रभाकर रेड्डी सहित किसी भी टीआरएस नेता को हिलने नहीं देंगे।

पुलिस ने प्रदर्शन कर रहे कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को हिरासत में लिया

नलगोंडा, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य जंक्शन पर प्रदर्शन कर रहे भाजपा नेता कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया और उन्हें मुनुगोडे पुलिस स्टेशन में स्थानांतरित कर दिया। गौरतलब है कि कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के प्रदर्शन से दो घंटे से अधिक समय तक यातायात बाधित रहा। मुनुगोड़े के मुख्य जंक्शन पर राजगोपाल रेड्डी और 100 अनुयायी जैसे ही धरने पर बैठे, वाहन चारों मार्गों पर दो किलोमीटर से अधिक लंबे समय तक जाम रहे। पुलिस अधिकारियों ने रेड्डी से विरोध प्रदर्शन वापस लेने का अनुरोध किया, लेकिन उन्होंने उनसे यह कहते हुए बहस की कि वह तब तक धरना जारी रखेंगे जब तक कि सरकार भेड़ वितरण योजना के लिए बैंकों में राशि जमा करने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया नहीं देती। फिर, पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया और उसे मुनुगोड़े थाने में स्थानांतरित कर दिया। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने राजगोपाल की गिरफ्तारी के विरोध में थाने के सामने प्रदर्शन किया। मुनुगोड़े के विधायक कूसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी की विजय रैली प्रदर्शन स्थल के पास स्थित अंबेडकर केंद्र पहुंचने पर मुनुगोड़े में हल्का तनाव व्याप्त हो गया। एक मंच पर टीआरएस और भाजपा कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी और जवाबी नारेबाजी की।

बिजली उत्पादन व आपूर्ति में तेलंगाना अग्रणी : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी जगदीश रेड्डी ने कहा कि केंद्र की बाधाओं के बावजूद तेलंगाना देश में बिजली उत्पादन और आपूर्ति में अग्रणी है। सोमवार को यहां दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी (एसपीडीसीएल) में काम करने के लिए चुने गए लगभग 69 सहायक अभियंताओं और 178 उप-अभियंताओं को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए, मंत्री ने कहा कि हालांकि देश के कई राज्य बिजली कटौती का सामना कर रहे हैं, तेलंगाना अपने नागरिकों को पूरे वर्ष 24X7 निर्बाध बिजली प्रदान करने का प्रबंधन कर रहा है। गुजरात में भी बिजली कटौती होती है लेकिन तेलंगाना में बिजली कटौती बिल्कुल नहीं होती है। पूरा श्रेय हमारे बिजली विभाग के इंजीनियरों को जाता है।

उन्होंने बताया कि टीएसजेनको प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) 73.84 रहा, जो देश में सबसे ज्यादा है। जगदीश रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देशन में, टीएस जेनको ने भद्राद्री-कोठागुडेम जिले में मनुगुरु के पास 1,080 मेगावाट की भद्राद्री थर्मल पावर स्टेशन परियोजना का निष्पादन रिकॉर्ड समय में और जल्द ही 5x800 मेगावाट यादाद्री थर्मल पावर को पूरा कर लिया है। उन्होंने आगे कहा कि 400 केवी गैस इंसुलेटेड सबस्टेशन, रायदुर्गम में देश का पहला, टीएस ट्रांसको द्वारा 1,400 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाया गया था। मंत्री ने बताया कि यह परियोजना आईटी कॉरिडोर और शहर के आसपास के क्षेत्रों को निर्बाध गुणवत्ता वाली बिजली प्रदान करेगी।

गोलापाडु चैनल के आधुनिकीकरण पर खर्च किए 100 करोड़ रुपये : पुव्वाड़ा

खम्मम, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पुववाड़ा अजय कुमार ने बताया कि शहर में गोलापाडु चैनल के आधुनिकीकरण के तहत भूमिगत जल निकासी, पार्कों और सौंदर्यीकरण कार्यों पर 100 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। उन्होंने हरित योद्धा वनजीवी रमैया के साथ आधुनिकीकरण कार्यों के तहत सोमवार को खम्मम नगर निगम के 30वें मंडल में नव स्थापित वनजीवी रमैया पार्क का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री ने कहा कि पूर्व में गोलापाडु चैनल के लोग मच्छरों और अस्वच्छ वातावरण के साथ दयनीय जीवन व्यतीत करते थे, लेकिन अब स्थिति बदल गई है और क्षेत्र सुंदर और स्वच्छ हो गया है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने रिहायशी कॉलोनियों में पार्क, पार्कों में वॉकिंग ट्रैक, बच्चों के खेलने के उपकरण और ओपन जिम स्थापित कर सुखद वातावरण वाले लोगों के स्वस्थ जीवन के लिए कदम उठाए हैं। अजय कुमार ने अधिकारियों और कॉलेज के छात्रों के साथ हरिता हराम कार्यक्रम के तहत पौधारोपण किया। मंत्री और मुख्यमंत्री कार्यालय में ओएसडी (हरिता हरम) प्रियंका वर्गीस ने वनजीवी, पद्म श्री पुरस्कार विजेता दरिपल्ली रमैया और उनकी पत्नी को नए कपड़े दिए और सम्मानित किया। बाद में दिन में मंत्री ने एकीकृत जिला कार्यालय भवन परिसर के निर्माण कार्य का निरीक्षण किया और अधिकारियों को जल्द से जल्द काम पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार ने सभी जिला अधिकारियों के कार्यालय एक ही स्थान पर स्थापित करने के लिए कदम उठाए हैं, ताकि लोग एक ही स्थान पर सरकारी सेवाओं का शीघ्र लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि नए भवन का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे ऐसे पौधे लगाएं जो मौसम और परिस्थितियों का सामना कर सकें और इमारत के चारों ओर हरियाली विकसित कर सकें। इससे पहले, अजय कुमार ने खम्मम ग्रामीण मंडल के पेद्दा थंडा में तेलंगाना राज्य सहकारी विपणन संघ द्वारा चलाए जा रहे एक नए स्थापित पेट्रोल स्टेशन का उद्घाटन किया। मार्कफेड किसानों के लाभ के लिए काम कर रहा है; उन्होंने कहा और महासंघ की नई पहल की सराहना की। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष लिंगाला कमल राजू, सूडा अध्यक्ष बच्चू विजय कुमार, मार्कफेड अध्यक्ष गंगा रेड्डी जिला कलेक्टर वीपी गौतम, नगर आयुक्त आदर्श सुरभि, डीएफओ सिद्धार्थ विक्रम सिंह, मार्केट कमेटी अध्यक्ष डी लक्ष्मी प्रसन्ना आदि मौजूद थे।

अमृत भारत रथ परशुराम कुंड आमंत्रण यात्रा के बैनर व करपत्र विमोचित

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विप्र फाउंडेशन जोन-16 तेलंगाना की बैठक का आयोजन पारिक मंदिर भवन में किया गया। संस्था के प्रचार मंत्री लक्ष्मीकांत व्यास ने बताया कि आज की बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष शिव सागर त्रिवेदी ने की एवं मंच का संचालन संस्था के महामंत्री महेश अवस्थी ने किया। बैठक में अमृत भारत रथ परशुराम कुंड आमंत्रण यात्रा के कर पत्र एवं बैनर का विमोचन किया गया एवं यात्रा की तेयारिया की समीक्षा की गई। यात्रा के सयोंजक प्रदीप खंडेलवाल, वेणुगोपाल खंडेलवाल, संदीप जायलवाल मुकेश संडील्य ने तेयारी की जानकरी सभा को दी। अमृत भारत रथ परशुराम कुंड आमंत्रण यात्रा का प्रारम्भ 9 नवम्बर को काचीकाम कोठी पीठ केरला से प्रारम्भ होकर तमिलनाडु कर्नाटक होते हुए कल 15 नवंबर को तेलंगाना के हैदराबाद शहर में प्रवेश करेगी। 16 नवंबर को प्रात : 8 बजे से श्री राम नाथ आश्रम (बाबाजी का आश्रम) कोलसावाडी से प्रारम्भ होकर परशुराम मंदिर, भू लक्ष्मी मंदिर, खेमदास मठ चूड़ी बाज़ार, नगर खाना, सिद्धि विनायक गणेश मंदिर, महेश्वरी भवन, खयाली की बगीची, बेगम बाज़ार छतरी, बर्तन बाज़ार, फीलखाना, महालक्ष्मी मंदिर, श्रृंग ऋषि भवन होते हुए परिक भवन अल्प विराम कर साय 4 बजे सिकंदराबाद महाकाली मंदिर, राम गोपाल पेट हनुमान मंदिर होते हुए रात्रि 8 बजे तक शहर के विभिन्न स्थानों पर जाएगी। 17 नवंबर को कामारेड्डी, निज़ामबाद होते हुए नांदेड महाराष्ट्र में प्रवेश करेगी। बैठक में शिव सागर त्रिवेदी, रामदेव नागला, श्रीलाल पारीक, महेश अवस्थी, आशीष जोशी, नन्द किशोर काकड़ा, गोविन्द मडी, नित्य पारिक, विमल खंडेलवाल , वेणुगोपाल खंडेलवाल, संदीप जायल वाल, लक्ष्मीकांत व्यास आदि उपस्थित रहे।

माधव आटिज्म फाउंडेशन द्वारा हर्षोल्लास से मना बाल दिवस

हैदराबाद, 14 नवंबर(स्वतंत्र वार्ता)। महानगर में बाल दिवस महोत्सव आयोजित किया गया। इस संदर्भ में, माधव आटिज्म फाउंडेशन के नेतृत्व में बाल दिवस महोत्सव आयोजित किया गया। स्टार ऑन स्टेज के तहत उक्त महोत्सव का आयोजन माधव आटिज्म फाउंडेशन की अध्यक्षा डॉ. सुमन सराफ की अध्यक्षता में किया गया तथा यह महोत्सव जोकि स्थान सत्त्वा नेकलेस माल, कवाडीगुडा मेन रोड, हैदराबाद पर सुबह दस बजे से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में स्पेशल किड्स द्वारा फैशन एवं डान्स शो का आयोजित किया गया।

जोकि बहुत ही उत्कृष्ट व मनोरंजक रहा। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना टेक्नालाजी सर्विसेज लि. चेयरमैन पी. जगनमोहन राव उपस्थित हुए तथा सम्माननीय अतिथियों के रूप में आटिज्म आश्रम ट्रस्टी अनिल कुंद्रा, हाय बिझ टीवी एमडी राजगोपाल मडीशेट्टी एवं कंसल्टंट पेडियाट्रिक न्यूरोलाजिस्ट रेनबो चिल्ड्रन हास्पीटल डा. अभिषेक रविंद्र जैन ने भाग लिया। इसमें एंकर मीना कुमारी ने अपनी खास भूमिका निभायी तथा जिसमें अंतर्राष्ट्रीय जादूगर एस. वेणु ने अपनी जादूगरी करामात से सभी बच्चों सहित प्रेक्षकों का मन मोह लिया।

राज्य सरकार की कल्याण योजनाएं पर उंगली उठाना ठीक नहीं : मंत्री बोत्सा

अमरावती, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री बोत्सा ने कहा कि, जन सेना प्रमुख पवन कल्याण द्वारा अनाप शनाप बात करना कहां की समझदारी है। इस संदर्भ में, मंत्री बोत्सा ने ताडेपल्ली में आयोजित मीडिया बैठक में पत्रकारों को बताया कि, जन सेना प्रमुख पवन कल्याण जो राज्य की कल्याण योजनाएं जैसे विजयनगरम में सरकारी मकानों के निर्माण में भ्रष्टाचार हुवा है तथा राज्य के कुछ क्षेत्रों में जगनन्ना कालोनी निर्माण में भी घपला हुवा है, कहना जोकि सरकार पर निराधार आरोप लगाना मात्र है। मंत्री ने कहा कि, पवन कल्याण को चुनौती दी कि उक्त आरोप को साबित करें। अन्यथा निराधार आरोप करने पर सरकार से माफी मांगे। इस मामले में अधिकारियों ने भाग लिया।

छात्रा अनहिता ने प्लास्टिक कचरों से बनाया टेबल, सरकारी स्कूल को सौंपा

छात्रों को किया पर्यावरण के संबंध में जागरूक

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ओक्रिज इंटरनेशनल स्कूल की छात्रा अनहिता पटनी ने पर्यावरण के लिए हानिकारक प्लास्टिक कचरे को रीसायकल करने और सरकारी स्कूलों को बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए एक अभिनव विचार पेश किया है। न केवल विचार किया बल्कि इसे अमल में लाया और सरकारी स्कूल के छात्रों को प्लास्टिक कचरे से बने स्कूल टेबल सौंपे। इस विचार को अमली जामा पहनाने के लिए इंफ्राग्रीन नाम की एक स्वयंसेवी संस्था बनाई गई, जिसके जरिए पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले प्लास्टिक को इकट्ठा कर टेबल बनाया गया। बाल दिवस के अवसर पर खाजागुड़ा सरकारी स्कूल में सोमवार को प्लास्टिक कचरे से बनी मेजें स्कूल को सौंपी गईं और विद्यार्थियों को प्लास्टिक कचरे से पर्यावरण को होने वाले नुकसान के बारे में बताया गया। अनहिता पटनी ओक्रिज इंटरनेशनल स्कूल, गच्चीबावली में कक्षा 10 एमवाईपी की पढ़ाई करती हैं। अपने निजी प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में, अनाहिता पाटनी ने प्लास्टिक कचरे से सरकारी स्कूलों के लिए उपयोगी चीजों को बनाने के लिए एक अभिनव विचार पेश किया।

इसी के तहत इंफ्राग्रीन नाम की एक स्वयंसेवी संस्था की स्थापना की गई है, जिसके माध्यम से पर्यावरण में जमा हुए दान और कचरे को इकट्ठा किया गया है। एकत्रित प्लास्टिक कचरे को पुनर्नवीनीकरण किया गया और स्कूल की मेजें बनाई गईं। इस तरह कुल 900 किलो प्लास्टिक कचरा एकत्र कर 24 स्कूल टेबल में रीसाइकल किया गया। बनाया गया बाल दिवस के मौके पर सोमवार को इन्हें खाजागुड़ा सरकारी स्कूल में सुपुर्द किया गया। साथ ही अनाहिता ने विद्यार्थियों को प्लास्टिक कचरे से पर्यावरण को होने वाले नुकसान के बारे में बताया। इस अवसर पर अनाहिता पाटनी ने कहा कि प्लास्टिक कचरा पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचा रहा है और इसमें हमारी आने वाली पीढ़ियों को लाभ पहुंचाने की क्षमता है। अनाहिता ने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक को कई तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है। उन्हीं विचारों के साथ उन्होंने इंफ्राग्रीन की स्थापना करने और प्लास्टिक कचरे को रीसायकिल कर सामान बनाने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि कई उद्योगों, घरों और कुछ समुद्र तल से लगभग 900 किलोग्राम प्लास्टिक कचरा एकत्र किया गया है। उन्होंने कहा कि उनके माध्यम से स्कूल टेबल बनाकर सरकारी स्कूलों को देने का निर्णय लिया गया, जहां उचित बुनियादी ढांचा नहीं है। कार्यक्रम में ओक्रिज स्कूल खाजागुड़ा गवर्नमेंट स्कूल के स्टाफ ने भाग लिया।

डिंपल ने भरा पर्चा, बोलीं-नेताजी का आशीर्वाद है साथ

अखिलेश ने मुलायम के नाम पर की अपील

मैनपुरी, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मैनपुरी लोकसभा सीट पर 5 दिसंबर 2022 को होने वाले उपचुनाव के लिए डिंपल यादव ने नामांकन कर दिया है। नामांकन दाखिल करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि यह चुनाव ऐसे में होने जा रहा है जब नेताजी (मुलायम सिंह यादव) हमारे बीच नहीं हैं। उन्होंने मैनपुरी की जनता से नेताजी के नाम पर ऐतिहासिक जीत दिलाने की अपील की। वहीं डिंपल यादव ने कहा कि नेताजी का आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ है। डिंपल के नामांकन में शिवपाल सिंह यादव के शामिल को टालते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि पूरा परिवार साथ है।

नामांकन से पहले डिंपल और अखिलेश ने सैफई में मुलायम सिंह यादव के समाधि स्थल पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी और आशीर्वाद लिया। वहीं कलेक्ट्रेट में डिंपल यादव ने चाचा रामगोपाल यादव के पैर छूकर आशीर्वाद लिए। नामांकन के बाद प्रेम कांफ्रेंस में अखिलेश यादव ने कहा कि मैनपुरी की जनता से नेताजी का सीधा-सीधा लगाव रहा है। नेताजी की शुरुआत और राजनीति के क्षेत्र में संघर्ष यहीं मैनपुरी में यहां की जनता के साथ रहा। आज जब नेताजी हमारे बीच में नहीं हैं मैं मैनपुरी की जनता से यही अपील करना चाहता हूं कि नेताजी के बताए हुए रास्ते पर हम सब चलें। जिस राजनीतिक, सामाजिक सम्मान के साथ नेताजी ने आर्थिक लड़ाई लड़ी है उसे आगे बढ़ाने का काम समाजवादी पार्टी करेगी। डिंपल यादव यहां से प्रत्याशी हैं और मुझे पूरा भरोसा है कि यहां की जनता एक बार फिर नेताजी के नाम पर उन्हें ऐतिहासिक वोटों से जिताएगी।

इस मौके पर डिंपल यादव ने कहा कि मैनपुरी ने नेताजी को पहचान दी और नेताजी ने मैनपुरी को पहचान दी। नेताजी का आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहा है। मुझे उम्मीद है कि मैनपुरी की जनता का आशीर्वाद भी समाजवादी पार्टी के साथ रहेगा, आने वाले दिनों में।

प्रेस कांफ्रेंस में अखिलेश यादव ने शिवपाल सिंह यादव के नामांकन में मौजूद न रहने के सवाल को कई बार टालने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि नेताजी के निधन से दुखी होने के चलते केवल प्रस्तावकों और बहुत कम समर्थकों के साथ नामांकन किया है। उन्होंने दावा किया कि पूरा परिवार साथ है और आने वाले दिनों में सब मिलकर चुनाव प्रचार करेंगे। बता दें कि आज शिवपाल सिंह यादव लखनऊ में अपनी पार्टी के कार्यालय पर मौजूद रहे। वह डिंपल के नामांकन के लिए मैनपुरी नहीं गए।

अखिलेश यादव ने प्रेस कांफ्रेंस में तेजप्रताप के टिकट के सवाल को भी टाल दिया। उन्होंने सवाल पूछने वाले पत्रकार से मुस्कुराते हुए कहा, 'आप मैनपुरी के हैं।' उन्होंने कहा कि तेजप्रताप बगल में बैठे हैं, आपको उन्हीं से पूछना चाहिए। इस पर अखिलेश के साथ-साथ तेजप्रताप भी मुस्कुरा दिए।

अखिलेश यादव ने पूर्व में आजमगढ़ और रामपुर संसदीय सीट पर उपचुनाव में सपा को मिली हार पर हुए सवाल पर बोलते हुए कहा कि जिस ढंग से प्रशासन के माध्यम से लोगों को नहीं डालने दिया गया, वो सबने देखा।

होटल लेवाना सुइट्स पर बुलडोजर चलेगा

नौ दिसंबर को किया जाएगा ध्वस्त, नोटिस जारी

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। एलडीए ने नजूल की जमीन पर बने यजदान अपार्टमेंट को सोमवार से जमींदोज करने की कार्रवाई के साथ ही अग्निकांड में चार मौतों के दोषी चर्चित लेवाना होटल पर भी कार्रवाई करने की नोटिस जारी कर दी है। एलडीए हजरतगंज के मदन मोहन मालवीय मार्ग स्थित लेवाना सुइट्स होटल पर बुलडोजर चलाएगा। इसके लिए होटल मालिक को नोटिस जारी किया जा चुका है। ध्वस्तीकरण की कार्रवाई 9 दिसंबर को की जाएगी।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि एलडीए के द्वारा यह नोटिस सोमवार को जारी की गई है। इस नोटिस में होटल मालिकों को हफ्ते भर में खुद ध्वस्त करने का अल्टीमेटम दिया गया है। अन्यथा नौ दिसंबर को एलडीए लेवाना सुइट्स को ध्वस्त करेगा। लेवाना सुइट्स मालिक को मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब की अपील में जाने का रास्ता खुला है। इस अपील में सुनवाई आगे बढ़ेगी तो एलडीए नौ दिसंबर को लेवाना सुइट्स पर बुलडोजर नहीं चला पाएगा।

इरफान सोलंकी की गाड़ी विकास दुबे की तरह पलटाने की थी तैयारी

सपा प्रमुख अखिलेश यादव के भेजे डेलीगेशन का यूपी सरकार पर बड़ा आरोप

कानपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। कानपुर के सीसामऊ से समाजवादी पार्टी के चर्चित विधायक इरफान सोलंकी इस बार यूपी पुलिस के शिकंजे में हैं। इरफान और उनके भाई पर पड़ोसी महिला ने घर जलाने का आरोप लगाया है। इसी मामले को लेकर समाजवादी पार्टी ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सपा नेता अमिताभ बाजपेई ने कहा कि इरफान सोलंकी की गाड़ी को विकाल दुबे की पलटाने की तैयारी थी।

शनिवार को समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव द्वारा भेजे गए डेलीगेशन ने पुलिस कमिश्नर से मुलाकात की। डेलीगेशन में उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार और पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए। साथ ही कहा कि सपा विधायक के घर दबिश देने गई पुलिस नशे में थी। इन पुलिस वालों की जांच होनी चाहिए।

सपा प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस कमिश्नर से मांग की है कि नशे की हालत में इरफान सोलंकी के घर दबिश देने गए पुलिस कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। सपा विधायक इरफान सोलंकी के सरेंडर करने के सवाल पर कहा कि यहां खड़ी गाड़ी पलट जाती है। उस दिन भी गाड़ी पलट सकती थी। विधायक के साथ कोई अप्रिय घटना हो सकती थी। उन्होंने अपनी जान बचाई है। इसमें कोई गलत काम नहीं किया है। सपा प्रतिनिधि मंडल में शामिल मनोज पांडेय ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज देखकर साफ पता चल रहा है कि घटना से विधायक इरफान सोलंकी के परिवार का कोई वास्ता नहीं है। पुलिस फर्जी मुकदमा लगाकर उनको परेशान कर रही है। पांडे ने पुलिस के घर में घुसने और तलाशी लेने पर भी सवाल उठाए।

'सरकार के मंत्री कोर्ट से फाइल लेकर भाग जाते'

सपा नेताओं ने यूपी की भाजपा सरकार पर हमला बोला और कहा कि सरकार के मंत्री कोर्ट से फाइल लेकर भाग जाते हैं। उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती है। जबकि, सपा विधायक पर एक महिला आरोप लगाती है। जिसके बाद पुलिस तत्काल एफआईआर दर्ज कर उनके घर दबिश देने पहुंच जाती है।

समाजवादी पार्टी का आरोप है कि इरफान सोलंकी के घर 25 गाड़ियां लेकर पुलिस पहुंची थी। साथ ही गेट फांदकर कमरों में घुसी और उनके परिजनों से अभद्र व्यवहार किया गया। साथ ही गाड़ियां और ड्राइवर को अपने साथ लेकर चली गई। बता दें, सपा विधायक इरफान सोलंकी और उनके भाई रिजवान सोलंकी पर पड़ोस की रहने वाली एक महिला ने घर जलाने की एफआईआर दर्ज कराई है।

बिहार में अमेरिका की तरह 2024 तक बनेंगी सड़क, नितिन गडकरी का बड़ा ऐलान

सासाराम, 14 नवंबर (एजेंसियां)। रोहतास के नौहट्टा प्रखंड में सोन नदी पर बनने वाले पंडुका पुल का शिलान्यास सड़क एंव परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने रिमोट सिस्टम से किया। यह पुल चार राज्यों को जोड़ने वाला पुल होगा, जो 200 करोड़ से ज्यादा की लागत से बनेगा। इस दौरान नितिन गडकरी ने कहा कि पुल से निर्माण होने से बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़ और यूपी की सीमा की दूरी काफी कम हो जाएगी। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार देश या समाज में दूरियां बढ़ाने नहीं बल्कि दूरियों को कम करने का कार्य करती है।

साथ ही 2024 तक बिहार में अमेरिकी की तरह सड़क बनेगी। इस मौके पर गडकरी ने उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से कहा कि जो योजना हो, दिल्ली लेकर आइए, सभी योजना को पूरा करके दिखाऊंगा।

कन्हैया कुमार कांग्रेस में दूसरे सबसे लोकप्रिय नेता

बोले जयराम रमेश–उत्तर से दक्षिण तक है डिमांड

पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी में कन्हैया कुमार का कद बढ़ता जा रहा है। सीपीआई छोड़ कर कांग्रेस में शामिल हुए कन्हैया कुमार आज कांग्रेस में गांधी परिवार के बाद दूसरे सबसे लोकप्रिय नेता बन गये हैं। यह दावा किसी और का नहीं कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश का है। भारत जोड़ो यात्रा को लेकर यात्रा के प्रभारी दिग्विजय सिंह के साथ रविवार को पटना पहुंचे कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में कन्हैया कुमार दूसरे सभी कांग्रेसी नेताओं की तुलना में ज्यादा लोकप्रिय हैं।

भारत जोड़ो यात्रा के 120 यात्रियों में पांच बिहार के

जयराम रमेश ने कहा कि राहुल गांधी के साथ कुल 120 लोग कन्याकुमारी से कश्मीर तक की यात्रा में निकले हैं। इनमें बिहार के पांच लोग शामिल हैं। इन पांच लोगों में कन्हैया कुमार के अलावा श्रीकृष्ण हरि, उमैर खान, अमित कुमार टुन्ना और अशोक कुमार गुप्ता शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी में राहुल गांधी के बाद कन्हैया सबसे ज्यादा पॉपुलर यानि लोकप्रिय नेता है। उत्तर से दक्षिण तक कन्हैया कुमार की भारी डिमांड है। कन्हैया कुमार राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में साथ चल रहे हैं। ये यात्रा जहां भी पहुंच रही है, वहां राहुल गांधी के बाद तमाम लोग कन्हैया कुमार की ही डिमांड कर रहे हैं।

राहुल गांधी नहीं आयेंगे बिहार

पूर्व केंद्रीय मंत्री जयराम रमेश ने कहा कि बिहार में कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत 28 दिसंबर को बांका से होगी।17 जिलों से गुजरती हुई करीब 1200 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद यात्रा का समापन बोधगया में होगा। बाकी 21 जिलों से भी यात्रा निकलेगी जो बांका से बोधगया वाली यात्रा में कहीं-न-कहीं मिल जायेगी। कन्याकुमारी से कश्मीर के रूट में बिहार नहीं पड़ने के कारण राहुल गांधी बिहार की यात्रा में शामिल नहीं होंगे। यात्रा में शामिल होने के लिए कांग्रेस ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से भी आग्रह किया है।

भारत जोड़ो यात्रा चुनावी नहीं

रमेश ने कहा कि 67 दिन पहले कन्याकुमारी से शुरु हुई इस यात्रा से राहुल गांधी को जबर्दस्त जनसमर्थन मिल रहा है। हर तबके के लोगों उनकी बातों को गौर से सुन रहे हैं और उस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

यह यात्रा चुनाव जीतने की यात्रा नहीं है, बल्कि कांग्रेस संगठन को मजबूत करने,देश में सद्भाव और भाइचारा लाने की यात्रा है।उन्होंने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत, योग गुरु बाबा रामदेव,दत्तात्रेय होसबोले और भाजपा के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन जैसे लोग भी राहुल गांधी की इस यात्रा की तारीफ करने लगे हैं।

माफिया मुख्तार की कंपनी विकास कंट्रक्शन को कुर्क कर सकती है ईडी

प्रयागराज, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बाहुबली माफिया मुख्तार अंसारी की कंपनी विकास कंट्रक्शन को प्रवर्तन निदेशालय कुर्क कर सकता है। इस कंपनी से करोड़ों रुपये का लेनदेन मुख्तार अंसारी के विधायक बेटे अब्बास अंसारी और उसकी पत्नी के खातों में हुआ है। साथ ही मुख्तार के साले सरजील के खातों से भी लेनदेन का पता चला है। ईडी के पास कंपनी को कुर्क करने के लिए पर्याप्त साक्ष्य मिल चुके हैं। किसी भी समय ईडी विकास कंट्रक्शन को अटैच कर सकती है। प्रवर्तन निदेशालय प्रयागराज की टीम कई दिनों से माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे विधायक अब्बास अंसारी से पूछताछ कर रही है। उसकी गिरफ्तारी के बाद कोर्ट से रिमांड ले लिया गया है। कस्टडी रिमांड की अवधि 13 नवंबर को पूरा होने के बाद ईडी की अर्जी पर न्यायालय ने अब्बास की कस्टडी रिमांड को 18 नवंबर तक बढ़ा दिया है। इसके अलावा मुख्तार के साले सरजील को भी गिरफ्तार कर ईडी ने उसकी कस्टडी रिमांड ले ली है। अब्बास और उसके मामा सरजील से कई दिनों की पूछताछ के बाद ईडी को महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं।

सूत्रों के अनुसार ईडी को पता चला है कि विकास कंट्रक्शन मुख्तार अंसारी की मुखौटा कंपनी है। इसके नाम पर मुख्तार के परिजन और उसके करीबी आपराधिक गतिविधियों से अर्जित होने वाले धन को सफेद करने के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। कई दिनों से पूछताछ के बाद भी अबबास और सरजील ईडी के कई सवालों का जवाब नहीं दे सके हैं। जिससे यह शक जाहिर हो गया है कि विकास कंस्ट्रक्शन मात्र काले धन को सफेद करने का एक माध्यम है।

प्रवर्तन निदेशालय ने विकास कंस्ट्रक्शन और मुख्तार से जुड़े कई और करीबियों को पूछताछ के लिए समन भेजा है। इसमें से कई के विदेश भाग जाने की भी आशंका जताई जा रही है। ईडी ने गुपचुप तरीके से मुख्तार के करीबियों की प्रॉपर्टी और बैंक खातों को सत्यापन कराया है, जिसमें यह बात सामने आई है कि मुख्तार के करीबियों की प्रापट्री और रकम मुख्तार की है ही। वह अधिकारियों को भटकान के लिए करीबियों और रिश्तेदारों के नाम से प्रापट्री को खड़ा किया है। अब इन प्रॉपर्टी और रकम पर भी ईडी की नजर है।

माफिया मुख्तार अंसारी का ससुर जमशेद रजा भी ईडी के रडार पर है। ईडी ने उसकी कंपनी आगाज को भी निशाने पर ले लिया है उसकी छानबीन शुरू कर दी है। आगाज कंपनी के पार्टनरों को भी पूछताछ के लिए बुलाने की तैयारी चल रही है।

इसमें से कुछ के बीमार होने और कुछ के विदेश दौरे पर होने की बात सामने आई है।

लोजपा के दोनों धड़ों का विलय होगा?

पारस बोले- परिस्थिति पर निर्भर करेगा, चिराग का एनडीए में स्वागत है

पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान को लेकर उनके चाचा और केंद्रीय मंत्री पशुपति पारस ने बड़ा बयान दिया है। लोक जनशक्ति पार्टी के दूसरे गुट राष्ट्रीय लोजपा के अध्यक्ष पशुपति पारस ने कहा कि अगर चिराग बीजेपी नीत एनडीए में आते हैं, तो वे उनका स्वागत करेंगे। उन्होंने रालोजपा और लोजपा (रामविलास) के विलय पर भी अपने विचार रखे। माना जा रहा है कि चिराग पासवान और उनके चाचा पशुपति पारस के बीच सियासी जंग के बाद अब छंटने लगे हैं। लोजपा के दोनों गुटों के विलय के साथ चिराग एनडीए में वापसी कर सकते हैं।

केंद्रीय पशुपति पारस ने सोमवार को कहा कि 28 नवंबर को पटना के रवींद्र भवन में लोजपा का 23वां स्थापना दिवस कार्यक्रम मनाया जाएगा। इस दौरान उनसे पत्रकारों ने चिराग पासवान के एनडीए में आने पर सवाल किया। इस पर पशुपति पारस ने कहा कि वे चिराग का एनडीए में स्वागत करेंगे। वहीं, लोजपा के दोनों गुट रालोजपा और लोजपा (रामविलास) के विलय पर कहा कि यह परिस्थितियों पर निर्भर करता है। पशुपति पारस के इस बयान के बाद बिहार के सियासी महकमे में चर्चा का दौर शुरू हो गया है। बीते कुछ महीनों से चिराग पासवान का बीजेपी प्रेम खूब छलक रहा है। पिछले दिनों गोपालगंज और मोकामा उपचुनाव में चिराग ने बीजेपी का प्रचार किया था। आगामी कुढ़नी उपचुनाव में भी वे बीजेपी कैंडिडेट के समर्थन का ऐलान कर चुके हैं। हालांकि, वे अपने चाचा पशुपति पारस की वजह से अब तक एनडीए से अलग रह रहे हैं।

अब कयास लगाए जा रहे हैं कि आगामी लोकसभा चुनाव से पहले चिराग अपनी पार्टी लोजपा (रामविलास) को एनडीए में शामिल कर सकते हैं।

मुलायम की आंधी में उड़ गए थे भाजपा के उपदेश

कांग्रेस की जब्त हुई थी जमानत

मैनपुरी, 14 नवंबर (एजेंसियां)। 1996 में लोकसभा चुनाव हुए तो राम लहर का मुद्दा छाया हुआ था। इस चुनाव में अन्य मुद्दों पर कोई राजनीति नहीं हो रही थी। 1991 में उदय प्रताप को चुनाव लड़ाने वाले मुलायम सिंह यादव ने 1996 के चुनाव में खुद मैनपुरी चुनाव लड़ने का फैसला किया। मुलायम को हराने के लिए भाजपा ने उपदेश सिंह चौहान को उम्मीदवार बनाया था। मुलायम और उपदेश सिंह में कांटे की लड़ाई हुई। जिले के राजनैतिक जानकार नजदीकी हारजीत का गणित लगा रहे थे और हुआ भी यही। मुलायम की आंधी में भाजपा उम्मीदवार उपदेश पूरी तरह से उड़ गए। उपदेश 51958 मतों से चुनाव हारे। इस चुनाव में बसपा ने भी अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई थी।

1991 के चुनाव के बाद जिले की राजनीति मुलायम की पार्टी और भाजपा के बीच घूमने लगी। 1996 में हुए 11वीं लोकसभा के चुनाव में सपा सुप्रीमो ने सिटिंग सांसद उदय प्रताप को प्रत्याशी नहीं बनाया और स्वयं मैनपुरी से लोकसभा उम्मीदवार बने। नामांकन के बाद जिले की राजनीति में सपा और भाजपा के बीच कांटे की लड़ाई शुरू हो गई। दोनों ही दलों के लोग एक दूसरे को पराजित करने के लिए गांव-गांव घूम रहे थे। कई बार माहौल में तल्खी भी आई लेकिन अंत में मैनपुरी की जनता ने लगातार तीसरी बार मुलायम की पार्टी को ही समर्थन दिया। चूंकि इस बार सपा मुखिया मुलायम सिंह खुद उम्मीदवार थे इसलिए उन्हें जिले की जनता ने चुनकर दिल्ली भेज दिया। इस चुनाव में बसपा के भगवतदास शाक्य ने आश्चर्यजनक रूप से 1 लाख 20 हजार से अधिक वोट पाकर जिले के राजनैतिक पंडितों को चौंकाने का काम किया।

96 के चुनाव में 59 फीसदी लोगों ने किया मतदान मैनपुरी। 1996 के चुनाव में 59.49 फीसदी लोग वोट डालने पहुंचे जो पिछले दो चुनावों की तुलना में 9 फीसदी अधिक मतदान था। सपा सुप्रीमो मुलायम सिंह यादव को 42.77 फीसदी जनता ने अपना समर्थन दिया। वहीं भाजपा के उपदेश सिंह चौहान के पक्ष में 34.64 फीसदी वोट पडे.। 89 के चुनाव में जहां मुलायम के उम्मीदवार को 53 फीसदी वोट मिले थे वहीं 91 में ये प्रतिशत 29.04 पर रह गया। लेकिन मुलायम को 42 फीसदी वोट मिले। इस तरह सपा के पक्ष में वोटों का प्रतिशत 13 प्रतिशत बढ़ गया। 996 के चुनावों में जहां तक वोटों का सवाल है तो मुलायम सिंह यादव को 2 लाख 73 हजार 303, उपदेश सिंह चौहान को 2 लाख 21 हजार 345, बसपा के भगवतदास शाक्य को 1 लाख 20 हजार 784 और कांग्रेस के केसी यादव को 14,993 ही वोट मिल सके। कांग्रेस उम्मीदवार केसी यादव की इस चुनाव में जमानत जब्त हो गयी। जबकि 91 के चुनाव में केसी को 73159 वोट जिले की जनता ने दिए थे।

कब्रिस्तान की वजह से एनएच 31 पर अतिक्रमण

गिरिराज सिंह ने नीतीश सरकार को दी आंदोलन की चेतावनी

बेगूसराय, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय पहुंचे केंद्रीय मंत्री और स्थानीय सांसद गिरिराज सिंह ने महागठबंधन की सरकार पर जमकर हमला बोला, नीतीश कुमार का नाम लिए बिना उन्होने कहा कि जब से बिहार में महागठबंधन की सरकार बनी है, तब से अपराध का ग्राफ बढ़ गया है। अगर क्राइम रेट पर लगाम नहीं लगी तो आने वाली पीढ़ी नीतीश के इस कार्यकाल को जंगलराज के तौर पर याद रखेगी, बिहार में ना तो शराबंदी पर लगाम है और ना क्राइम पर, इंडस्ट्रियल हब कहा जाने वाला बेगूसराय का विकास थमा तो बिहार का विकास थम जाएगा। एआईएमआईएम चीफ असदुद्दीन औवेसी पर हमला बोलते हुए गिरिराज ने कहा कि औवेसी जहर उगलना बंद करें, जिन्ना के रास्ते पर ना चलकर देश के रास्ते पर चलें। हाईवे पर होने वाले हादसों की मुख्य वजह अवैध अतिक्रमण हैं।

कातिल को थी बेहद नफरत, सिर-गर्दन पर किए थे वार

कानपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। कानपुर में बिधनू के खड़ेश्वर गांव में परचून दुकानदार कुबेर सिंह की हत्या के लिए सिर व गर्दन पर तब तक वार किए गए जब उनकी सांसें थम नहीं गईं। ताकि जिंदा रहने की कोई गुंजाइश न रहे। शरीर भर में जख्म ही जख्म मिले हैं। नफरत में हत्या करने की आशंका है। पुलिस की जांच में एक बांदा कनेक्शन सामने आया है। रंजिश व लेनदेन की बात सामने आ रही है। देर रात पुलिस की टीम ने वहां दबिश देकर संदिग्धों को हिरासत में लिया है। तफ्तीश जारी है। घटनास्थल पर खून ही खून बिखरा पड़ा था। जब फोरेंसिक टीम ने शव को बाहर निकाला तो वह भी स्तब्ध रह गई। सिर पूरी तरह से कूंचा गया था। फोरेंसिक एक्सपर्ट के मुताबिक जिस तरह से कुबेर की हत्या की गई, उसमें एक से अधिक लोगों की शामिल होने की संभावना है। कोई अकेला इस तरह से वारदात को अंजाम नहीं दे सकता। जिस भारी हथियार से कुबेर पर हमला किया गया, वह भी बरामद नहीं हो सका है।

खंभे का बल्ब तोड़ा, मीटर से बिजली काटी

साजिश के तहत वारदात को अंजाम दिया गया। कुबेर के घर के बाहर लगे बिजली के खंभे में एक बल्ब लगा था। जिससे उनके घर व आसपास रोशनी रहती थी। हत्यारों ने यह बल्ब तोड़ दिया था। वहीं घर के भीतर जब जांच हुई तब दिखा कि मीटर से बिजली के तार कटे हुए हैं। जिससे घर की बिजली सप्लाई बंद हो गई थी। उसके बाद वारदात को अंजाम दिया गया।

पुलिस की शुरुआती जांच में पता चला कि बांदा निवासी किसी पहलवान का कुबेर से परिचय था। उनसे दो-तीन लाख रुपये का लेनदेन भी चल रहा था। जानकारी के मुताबिक पहलवान की महिला रिश्तेदार कुबेर के घर आती थी। कई-कई दिन रुकती थी। इस बिंदु पर पुलिस तफ्तीश कर रही है। कुबेर की-पैड वाला मोबाइल इस्तेमाल करते थे। वह घटनास्थल पर ही फोरेंसिक टीम ने बरामद किया है। फोरेंसिक टीम ने दरवाजों, तालों और डीप फ्रीजर से फिंगर प्रिंट इकट्ठा किए।

जेल के कैदियों ने खराब खाने की गुणवत्ता को लेकर किया प्रदर्शन, मांगी रिपोर्ट

पटना, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बिहार में कैदियों को खराब खाना परोसे जाने का मामला सामने आया है। यहां पटना की राजधानी फुलवारीशरीफ जेल के कैदियों ने कथित तौर पर खराब गुणवत्ता वाले भोजन को लेकर प्रदर्शन किया जिसके बाद पटना जिला प्रशासन ने जेल अधीक्षक से रिपोर्ट मांगी है। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी दी कि जेल के कुछ कैदियों ने शनिवार को विरोध प्रदर्शन किया और अधिक कैदियों ने इसमें शामिल हो गए, जिसके बाद जेल अधिकारियों को स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए लाठीचार्ज करना पड़ा। जेल प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दावा किया कि इस घटना में कोई कैदी घायल नहीं हुआ। घटना के एक दिन बाद पटना जिला प्रशासन ने रविवार को जेल अधीक्षक से घटना की विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। पटना के जिलाधिकारी चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि मैंने कल की घटना के संबंध में जेल अधीक्षक से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। जेलर को भी कैदियों की शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान करने का निर्देश दिया गया है। खाने की गुणवत्ता के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि जेल अधीक्षक को अपनी रिपोर्ट देने दीजिए।

गौतम अदाणी कराएंगे चार साल की मासूम मनुश्री का इलाज

बोले- जल्द स्कूल लौटकर दोस्तों के साथ खेलेगी

लखनऊ, 14 नवंबर (एजेंसियां)। देश के सबसे अमीर उद्योगपति गौतम अदाणी लखनऊ के सरोजनीनगर में रहने वाली चार साल की मासूम मनुश्री के इलाज का खर्च उठाएंगे। इसकी जानकारी उन्होंने ट्वीट कर दी। अदाणी ने ट्वीट कर कहा कि मनुश्री जल्द ही ठीक हो जाएगी। मैंने अदाणी फाउंडेशन को उनके परिवार से संपर्क करने और हर संभव मदद कराने के लिए कहा है। वो जल्द ही स्कूल लौटेगी और अपने दोस्तों के साथ खेलेगी। लखनऊ के सरोजनीनगर की रहने वाली मनुश्री के दिल में छेद है। उसका ऑपरेशन लखनऊ के संजय गांधी पोस्टग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल साइंसेज अस्पताल में होना है जिसका खर्च करीब 1.25 लाख रुपये आएगा। मनुश्री गरीब परिवार से है इसलिए उसके परिजन ये खर्च नहीं उठा सकते हैं। बचपन से ही उसके दिल में छेद है जो कि समय के साथ बड़ा हो गया है। सोशल मीडिया में आई खबरों के बाद उद्योगपति अदाणी आगे आए हैं और इलाज के लिए पूरी मदद का भरोसा दिलाया है।

कमलनाथ का आरोप- हर जिले में किसान प्रदर्शन कर रहे

फिर भी शिवराज कह रहे हैं खाद की कोई कमी नहीं

छिंदवाड़ा, 14 नवंबर (एजेंसियां)। खाद की कमी के चलते किसानों की परेशानी पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेश सरकार पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि हर जिले से खाद की कमी को लेकर शिकायतें आ रही हैं। किसान आंदोलन कर रहे हैं। फिर भी शिवराज सिंह कहते हैं कि कोई कमी नहीं है। प्रदेश का किसान परेशान है। किसान कभी खाद के लिए सोसाइटियों के सामने कतार लगाए खड़े होकर संघर्ष करता है तो कभी प्राकृतिक आपदा से नष्ट हुई फसलों का मुआवजा पाने के लिए सरकारी दफ्तरों के चक्कर काट रहा है। इसके बाद भी उसकी जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा कि पिछले 18 वर्षों से शिवराज

सिंह चौहान कृषि को लाभ का धंधा बना रहे हैं तो आय भी दोगुनी करने की बात करते आ रहे हैं, किन्तु हकीकत सभी के सामने है कि किसान किस हद तक परेशान है। चार दिनी प्रवास पर रविवार दोपहर छिंदवाड़ा पहुंचे कमलनाथ ने एयर स्ट्रिप पर मीडिया से चर्चा में यह बात कही।

निष्पक्ष काम करें पुलिस अधिकारी

कमलनाथ ने कहा कि उन्होंने प्रदेश के तमाम जिलों के पुलिस अधीक्षक को पत्र लिखे हैं कि पुलिस भाजपा के एजेंट के रूप में काम न करें। निष्पक्ष रहे क्योंकि आगामी वर्ष में विधानसभा के चुनाव होने हैं। पत्र के माध्यम से भेदभाव व पक्षपात की कार्रवाई पर विराम लगाने और निष्पक्ष व निडर होकर अपने कर्तव्यों की पूर्ति करने की बात कही है।

भारत जोड़ो यात्रा को लेकर शिवराज से की चर्चा

भारत जोड़ो यात्रा को लेकर उन्होंने कहा कि प्रदेश में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम हैं, भारत जोड़ो यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से चर्चा की है। उन्होंने पुख्ता व व्यापक सुरक्षा इंतजामों को लेकर आश्वत किया है। कमलनाथ ने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा को आमजन का पूर्ण आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है, लोग निरंतर यात्रा से जुड़ रहे हैं। पूर्व सीएम के साथ ही सांसद नकुलनाथ भी पहुंचे। दोनों नेता राजनीतिक और सरकारी आयोजनों में हिस्सा लेंगे।

मुंबई में दो-दो जगह एक साथ लगी आग

मुंबई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मंबई में आज लगभग एक ही समय पर दो जगह आग लग लगई। जहां एक ओर मुंबई के भायखला इलाके में भीषण आग लगने की खबर है तो वहीं मुंबई के अंधेरी एमआईडीसी में भी आग लग गई। भायखला में आग की जानकारी मिलते ही मौके पर फायर ब्रिगेड की 6 गाड़िया पहुंच गई हैं। अंधेरी एमआईडीसी में भी मौके पर दमकल की 5 गाड़ियां रवाना की गई हैं। दोनों ही इलाकों में आग पर काबू करने में दमकल की टीम जुट गई हैं। दोनो ही आग की घटनाओं में फिलहाल किसी के घायल होने की खबर नहीं है। मंबई के भायखला वेस्ट के तबेला-2 इंडस्ट्रियल ग्राउंड में बने एक भंगार के गोडाउन में आग लगी है। सुबह 11 बजे से लगी आग पर काबू पाने की कोशिश जारी है।

दमोह के ईसाई मिशनरी बालगृह में धर्म परिवर्तन का आरोप, 10 पर मामला दर्ज

भोपाल, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के दमोह जिले में धर्मांतरण का एक बड़ा मामला सामने आया है। रविवार को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियांक कानून दमोह पहुंचे और कई स्थानों का उन्होंने निरीक्षण किया। इस दौरान इस बात का खुलासा हुआ। धर्मांतरण मामला संवेदनशील होने पर बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष थाना पहुंचे और 10 लोगों पर मामला दर्ज कराया गया। बताया जा रहा है कि तीन स्थानों पर धर्मांतरण से जुड़े मामले सामने आए हैं। एक स्थान में तो प्रियांक कानूनगो और उनके अधिकारियों को प्रवेश करने से ही रोकने का पूरा प्रयास किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर पुलिस ने मोर्चा संभाला। इस जांच के दौरान जहां डिंडोरी से लाए गए एक बालक को पादरी बनाने के लिए प्रशिक्षण देने की जानकारी प्राप्त हुई। वहीं 45 से अधिक बच्चे ऐसे मिले, जिनका कोई पंजीयन नहीं था। यह सभी हिंदू धर्म के थे और साथ ही एक मुस्लिम धर्म का भी था। संस्था का भी कोई पंजीयन नहीं था और तीनों जगह भारी अनियमितता पाई गई। जिला मुख्यालय पर जिम्मेदारी अधिकारियों की लापरवाही उजागर होने पर प्रियांक कानूनगो ने उनकी जमकर फटकार भी लगाई। लापरवाही देखने के बाद राष्ट्रीय बाल आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो और मध्य प्रदेश बाल आयोग के सदस्य ओंकार सिंह मिशन की रिपोर्ट और सबूत लेकर सीधे दमोह देहात थाने पहुंचे और यहां पर मिशन के प्रमुख चाइल्ड होम संचालन कमेटी के प्रमुख डॉ. अजय लाल सहित 9 लोगों पर एफआईआर दर्ज कराई है। इसके बाद दमोह देहात थाना ने इस मामले को लेकर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियांक कानूनगो की शिकायत पर धारा 3,5,42,74 और 370 के तहत प्रकरण दर्ज कराया गया है। इस मामले को लेकर हड़कंप मचा हुआ है पुलिस ने प्रकरण की जांच प्रारंभ कर दी है।

उच्च न्यायालयों को शीर्ष अदालत ने भेजा नोटिस

ग्राम न्यायालय की स्थापना वाली मांग पर जवाब तलब

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। सभी राज्यों में ग्राम न्यायालय की स्थापना को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालयों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने इस मामले में उच्च न्यायालयों को पार्टी बनाते हुए उनसे जवाब तलब किया है। दरअसल, 2019 में सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर उसकी देखरेख में ग्राम न्यायालय की स्थापना को लेकर केंद्र व राज्य सरकारों को निर्देश देने की मांग की गई थी। इस मामले में सोमवार को सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति एसए नजीर और न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम की पीठ ने कहा, उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्राट जनरल को पक्षकार बनाया जाना चाहिए, क्योंकि सभी हाईकोर्ट पर्यवेक्षी प्राधिकरण हैं। अब मामले की अगली सुनवाई पांच दिसंबर को होगी। वहीं, याचिकाकर्ता एनजीओ नेशनल फेडरेशन ऑफ सोसाइटीज फॉर फास्ट जस्टिस की ओर से पेश वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण ने कहा, 2020 में शीर्ष अदालत के निर्देश के बावजूद कई राज्यों ने अभी तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की है। उन्होंने कहा, ग्राम न्यायालय ऐसे होने चाहिए, जहां फरियादी बिना वकील भी अपनी शिकायत कर सकें। उन्होंने कहा, शीर्ष अदालत ने 2020 में राज्यों को निर्देश दिया था कि वे चार सप्ताह के भीतर ग्राम न्यायालयों की स्थापना के लिए अधिसूचना जारी करें और उच्च न्यायालयों को इस मुद्दे पर राज्य सरकारों के साथ परामर्श की प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए कहा था। 2008 में संसद में पारित हुए अधिनियम के तहत नागरिकों को न्याय दिलाने के लिए जमीनी स्तर पर ग्राम न्यायालयों की स्थापना का प्रावधान किया गया था।

पठानकोट में 155 किलो ड्रग्स जब्त

ट्रक में छिपाकर ले जा रहे थे; दो लोग गिरफ्तार

पठानकोट, 14 नवंबर (एजेंसियां)। पंजाब के पठानकोट में पुलिस ने 155 किलो ड्रग्स को जब्त किया है। पुलिस अधीक्षक(एसपी) हरपाल सिंह ने बताया कि पुलिस ने एक संदिग्ध ट्रक रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान ट्रक में ड्रग्स बरामद किया गया, जिसके बाद उसे जब्त कर लिया गया। एसपी हरपाल ने बताया कि मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि मामला एनडीपीएस के तहत दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रक मध्य प्रदेश से आ रहा था।

ड्रग्स के बढ़ते कारोबार पर एनसीबी की कार्रवाई

हाल में ड्रग्स के बढ़ते कारोबार

पर मुंबई की नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई की थी। एनसीबी ने यहां भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद की थी। नारकोटिक कंट्रोल ब्यूरो ने छापे के दौरान 60 किलो एमडी ड्रग्स जब्त की। बरामद की गई ड्रग्स में से 10 किलो गुजरात के जामनगर से और 50 किलो मुंबई से सीज़ की गई थी।

60 किलो ड्रग्स की गई बरामद

मामले के बारे में जानकारी देते हुए एनसीबी के डिप्टी डीजी एस के सिंह ने बताया था कि, एक कार्रवाई के दौरान गुजरात के जामनगर में 10 किलो एमडी बरामद किया गई। वहीं 50 किलो एमडी ड्रग मुम्बई में बरामद किया गया है। इस मामले में 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया था कि जिस सिंडिकेट से यह ड्रग्स बरामद की गई है, उसका सरगना पहले भी गिरफ्तार किया जा चुका है।

ड्रग्स की कीमत इंटरनेशनल मार्केट में 120 करोड़ आंकी

डिप्टी डीजी एस के सिंह ने बताया था कि, मुंबई और जामनगर में जो ड्रग्स बरामद हुई है वह ड्रग्स एक ही गिरोह की है। उन्होंने बताया था कि एमडी ड्रग्स म्याऊ-म्याऊ के नाम से भी जाना जाता है। बता दें कि इस मामले में एनसीबी ने कुल 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। जिसमें से 1 को गुजरात से और 5 को मुंबई से पकड़ा गया। एनसीबी ने गुजरात यूनिट के साथ मिलकर यह जॉइंट ऑपरेशन किया था। ड्रग्स की कीमत अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में 120 करोड़ बताई जा रही थी।

लोक अदालत

सीहोर जिला उपभोक्ता फोरम कोर्ट ने एक दिन में सबसे अधिक 110 मामलों का किया निस्तारण

सीहोर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के सीहोर जिला उपभोक्ता फोरम कोर्ट ने राज्य उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग को गौरवान्वित किया है। मध्यप्रदेश के सभी जिला उपभोक्ता फोरम कोर्ट में लगाई गई वृहद लोक अदालतों के दौरान सीहोर जिला उपभोक्ता फोरम कोर्ट ने सबसे अधिक कुल 2 करोड़ 53 लाख 72 हजार रुपये से संबंधित 110 परिवाद और 7 इजरा प्रकरणों का निराकरण कर दिया। काफी कम समय में 110 प्रकरणों का निराकरण करने पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं ने भी सीहोर जिला उपभोक्ता फोरम के कार्य की सराहना की। जिला उपभोक्ता फोरम कोर्ट परिसर में वृहद लोक अदालत का आयोजन किया गया। वृहद लोक अदालत में कुल 2 करोड़ 53 लाख 72 हजार रूपये से संबंधित 110 परिवाद और 7 ईजरा प्रकरणों का निराकरण किया गया। इन प्रकरणों में बैंक, बीमा, क्रेता विक्रेता, कंपनी से संबंधित मामले शामिल थे। उपभोक्ता फोरम न्यायाधीश पूजा खनूजा ने बताया कि नागरिक किसी भी सामान को खरीदते समय पक्का बिल जरूर हासिल करें। बीमा योजनाओं का लाभ लेते समय भी कंपनी के दस्तावेजों का अध्ययन ध्यानपूर्वक करें, जिससे ग्राहक किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी के शिकार नही होंगे। उपभोक्ता फोरम सीहोर के सदस्य न्यायाधीश पूजा खनूजा और न्यायाधीश सोमेंद्र सक्सेना ने सभी प्रकरणों से संबंधित पक्षों को सुना और दस्तावेजों का निरीक्षण किया।

'फ्रिज' में फन फैलाए बैठा था खतरनाक 'कोबरा'

देखते ही घरवालों के उड़े होश, पास-पड़ोस में मची अफरा-तफरी!

बैंगलुरू 14 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के टूमकारू से चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जहां एक खतरनाक सांप के पीछले हिस्से में बैठकर आराम फरमाते देखा गया। किचन में पहुंचे घर के जब एक सदस्य की उसपर नजर गई और उसने ये बात घर के अन्य लोगों को बताई तो घर में अफरा-तफरी मच गई। महिलाएं और बच्चे घर छोड़कर बाहर भागने लगे। आनन-फानन में वन अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई। खबर मिलते ही तुरंत मौके पर अधिकारी पहुंचे तब जाकर माहौल थोड़ा शांत हुआ।

घर वालों में मची चीख-पुकार

मामला कर्नाटक के एक गांव का है। जहां के एक घर की किचन में कोबरा घुस गया और फ्रिज के पिछले वाले हिस्से के पास जाकर बैठ गया। बताया जा रहा है कि परिवार को अपने रेफ्रिजरेटर में एक खतरनाक कोबरा दिखा जिसे देखकर डर के मारे उनके होश उड़ गए। घर के किचन में कोबरा दिखने के बाद परिवार में डर का महौल था। चीख-पुकार इतनी तेज मची की मोहल्ले वाले भी मौके पर पहुंच गए।

वन अधिकारियों ने ऐसे निकाला बाहर

सूचना मिलने के बाद घटना स्थल पर पहुंचे वन अधिकारियों ने सांप को बड़ी ही सावधानी से बाहर निकाला। एक लंबी छड़ी की मदद से फ्रिज के पिछले हिस्से को थपथपाया गया। कोबरा ने सर्कुलर कंप्रेसर के नीचे अपना रास्ता बनाया था। जिसे बड़ी सावधानी से सांप पकड़ने वाले शख्स ने बाहर निकाला और एक जार में बंद कर दिया, तब जाकर घर वालों ने राहत की सांस ली।

शायर राजेंद्र नाथ रहबर का निधन

तेरी खुशबू में बसे खत मैं जलाता कैसे.. से पाई थी प्रसिद्धी

पठानकोट, 14 नवंबर (एजेंसियां)। उर्दू साहित्यकार, कवि और बॉलीवुड गीतकार राजेंद्र नाथ रहबर का रविवार देर रात निधन हो गया। शिरोमणि साहित्यकार पुरस्कार, सप्त ऋषि सम्मान स्पिक मैके, डॉ. सी नारायण रेड्डी साहित्य पुरस्कार, लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार विजेता रहबर ने बीती देर शाम दिल्ली में अंतिम सांस ली। वह पिछले एक महीने से बीमार थे। पठानकोट में शायरी की पौध लगाने वाले रहबर के निधन की खबर से शहर में शोक की लहर दौड़ गई। राजेंद्र नाथ रहबर के लिखे गीत, नज्म और गजलों को कई बॉलीवुड फिल्मों में गाया जा चुका है। गजल गायक जगजीत सिंह, अनुराधा पौडवाल, रूप कुमार राठौर, गजल श्रीनिवास और संजय वत्सली ने उनके लिखे शब्दों को आवाज दी। रहबर की लिखी नज्म 'तेरे खुशबू में बसे खत मैं जलाता कैसे..' को दुनियाभर में सराहना मिली। तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी इस नज्म पर पत्र लिखकर 'रहबर' की सराहना की थी। इसके अलावा, 'आइना सामने रखोगे तो याद आऊंगा' से भी 'रहबर' को काफी लोकप्रियता मिली थी।

ऑडिट विभाग में नौकरी और वकालत कर चुके थे रहबर

राजिंदर नाथ रहबर का जन्म शकरगढ़ पंजाब (अब पाकिस्तान) में हुआ था। विभाजन के बाद पठानकोट में शकरगढ़ में प्राथमिक स्कूली शिक्षा के बाद उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय में अध्ययन किया। उन्होंने खालसा कॉलेज से स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की और पंजाब विश्वविद्यालय से एलएलबी किया। राजेंद्र नाथ रहबर ने बचपन में ही कविता लिखना शुरू कर दिया था। वह एक सक्रिय उर्दू कवि और लेखक रहे हैं। उन्होंने गजल और नज्म जैसी उर्दू साहित्य की कई विधाएं लिखी हैं। राजिंद्र नाथ रहबर ने चार दशकों में 2000 से अधिक शो और कवि सम्मेलनों में प्रदर्शन किया है। उन्होंने कई देशों में अपनी कविताओं का प्रदर्शन किया। दुनिया भर में उनके 300 से अधिक शिष्य हैं।

अनेकों सम्मान और पुरस्कार जीत चुके रहबर

91वर्षीय राजेंद्र नाथ रहबर अपने 40 साल के करियर में कई सम्मान और पुरस्कार जीत चुके थे। उन्हें सप्त ऋषि सम्मान स्पिक मैके, रोमणि साहित्यकार पुरस्कार, डॉ. सीनारायण रेड्डी साहित्य पुरस्कार, पं. रतन पंडोरवी पुरस्कार, लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार, फिराक गोरखपुरी पुरस्कार, अमृता प्रीतम स्मृति सम्मान, दुष्यंत कुमार रजत सम्मान और गजल शिरोमणि पुरस्कार मिल चुका है। इसी के चलते उन्होंने पठानकोट का नाम विश्व पटल पर रोशन किया।

मोरबी पीड़ितों के लिए

नॉमिनेशन के दौरान ढोल, लाउडस्पीकर नहीं बजवाउंगा गुजरात के मंत्री

सूरत, 14 नवंबर (एजेंसियां)। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष सांघवी ने कहा कि विधानसभा चुनाव के लिए सूरत के मजुरा क्षेत्र से अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए आज एक जुलूस में जाने के वो दौरान ढोल या स्पीकर नहीं बजवायेंगे. उन्होंने कहा कि वह इसे मोरबी के पीड़ितों के प्रति सम्मान के लिए कर रहे हैं, जहां एक पुल गिरने से 130 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी. भाजपा के वरिष्ठ नेता ने कहा कि केवल एक छोटी रैली निकाली जाएगी. हालाकि, मंच पर एक माइक्रोफोन और स्पीकर का इस्तेमाल किया गया था क्योंकि उन्होंने अपने कागजात दाखिल करने के लिए चुनाव कार्यालय जाने से पहले अपने समर्थकों को संबोधित किया था. मंत्री के फेसबुक पेज पर रैली का सीधा प्रसारण उपलब्ध था.

गुजरात में 1 और 5 दिसंबर को मतदान होगा और हिमाचल प्रदेश के साथ 8 तारीख को नतीजे आएंगे. इस बीच, मोरबी का मामला उच्च न्यायालय में है, अभी तक पुलिस ने कंपनी ओरेवा ग्रुप के कुछ कर्मचारियों को ही गिरफ्तार किया है, जबकि विपक्षी दल और कार्यकर्ता कंपनी के शीर्ष अधिकारियों और 15 साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने वाले मोरबी नगरपालिका के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं.

बाबा के कांड का खुलासा

सबके सोने के बाद बच्ची को बुलाते, पूरी रात दुष्कर्म... पुलिस की चार्जशीट में कई आरोप

बेंगलुरु, 14 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के चित्रदुर्ग इलाके में दुष्कर्म मामले में जेल में बंद मुरुघ मठ के प्रमुख शिवमूर्ति मुरुघा शरणारू को लेकर आए दिन बड़े खुलासे हो रहे हैं। पुलिस ने बाबा के खिलाफ 694 पन्नों का चार्जशीट तैयार कियाजिसे अदालत को 27 अक्तूबर को सौंप दिया गया था। इस चार्जशीट में जो खुलासे हुए हैं वे हैरान करने वाले हैं। पुलिस के अनुसार शरणारू के बेडरूम तक ड्रग्स, शराब और नशीले पदार्थ सप्लाई किए जाते थे। इसके अलावा बेडरूम में नाबालिग लड़कियों को भेजा जाता था। बता दें कि दो नाबालिग लड़कियों से दुष्कर्म के आरोप में मठ प्रमुख को एक सितंबर को गिरफ्तार किया गया था।

13 साल की बच्ची से लगातार दो साल तक दुष्कर्म

चार्जशीट की कॉपी के अनुसार छात्रा ने अपनी आपबीती बयां की है। 13 साल की बच्ची के अनुसार मुरुघ मठ के प्रमुख शिवमूर्ति मुरुघा शरणारू ने 2013 से 2015 तक उसके साथ दुष्कर्म किया। देर रात कमरे में बुलाया जाता था और फिर पूरी रात बेहोश करके दुष्कर्म किया जाता था।

छात्रा ने सुनाई दर्दनाक आपबीती

छात्रा ने कहा कि मेरी मां का 2012 में एक बीमारी के कारण निधन हो गया। मैं 7 वीं कक्षा में पढ़ रही थी. मेरे पिता ने मुझे मठ के प्रियदर्शिनी हाई स्कूल में दाखिला दिलाया। यहां मैं अक्का महादेवी छात्रावास में रुकी थी। छात्रा ने कहा कि मेरे प्रवेश के समय श्रुति और अपूर्वा हॉस्टल वार्डन थीं। लेकिन कुछ समय तक सबकुछ ठीक-ठाक रहा। लेकिन यह परेशानी 2013-2014 में शुरू हुई जब रश्मि ने हॉस्टल वार्डन के रूप में नया पदभार संभाला। वॉर्डन रश्मि मुझे रात नौ बजे के बाद फल और पैसे लेने के लिए बाबा के पास जाने के लिए कहती थी। मेरे अलावे मैं उसे दूसरी लड़की के साथ भी दो-तीन बार जाते देखा। हालांकि कई लड़कियों ने मना कर दिया। वहीं मुझे रात के खाने के बाद और सबके सो जाने के बाद पिछले दरवाजे से उनके कमरे में भेजा जाता था। वह मुझे सूखे मेवे और चॉकलेट दिया करते थे। वह पूछते थे कि क्या किसी ने मुझे उनके कमरे में जाते देखा है। फिर वह मुझसे अपने कपड़े उतारने को कहता। वह अपने कपड़े भी उतार देता था। वह मुझे अपनी गोद में बैठाता था और मेरे गुप्तांगों को गलत तरीके से छूता था और फिर मेरे साथ दुष्कर्म करते थे।

छात्राओं को फल और चौकलेट में नशे की गोलियां मिलाकर दी जाती थीं

ओडानाडी एनजीओ के निदेशक स्टैनली के अनुसार मठ द्वारा संचालित अक्का महादेवी छात्रावास की वार्डन रश्मि नाबालिग छात्रा को देर रात बाबा के कमरे में भेजती थी, जहां बाबा बच्ची को नशे से भरे हुए सेब और चौकलेट खाने के लिए देते थे जिसके बाद छात्रा बेहोश हो जाती थी। फिर पूरी रात दुष्कर्म करते थे। सुबह सभी के जगने से पहले इन्हें छात्रावास भेज दिया जाता था। जब ये पुनः छात्रावास जाती थीं तो इनकी नींद उड़ जाती थी। छात्राओं के शरीर के विभिन्न हिस्सों और निजी अंगों में तेज दर्द होता था।

छात्राओं के इनकार करने पर श्राप देने की देते थे धमकी

एसपी ने कहा कि खुद को भगवान का अवतार बताते हुए संत छात्राओं की सेवा करने से मना करने पर उन्हें श्राप देने की धमकी देते थे। उसने उनसे कहा कि उसका श्राप उन्हें और उनके परिवारों को नष्ट कर देगा।

चार्जशीट में रहस्यमय परिस्थिति में छात्रा की मौत का भी जिक्र

एनजीओ के निदेशक स्टेनली ने कहा कि चार्जशीट में कर्नाटक-आंध्र प्रदेश सीमा पर रेलवे ट्रैक पर रहस्यमय परिस्थितियों में एक लड़की की मौत के संदेह का भी उल्लेख किया गया है। घटना से कुछ दिन पहले हॉस्टल की रहने वाली लड़की को मठ से दूर भेज दिया गया था।लड़की के पिता नेत्रहीन थे, इसलिए वह छात्रावास में रहती थी। अगर मठ लड़की की देखभाल नहीं कर सकता, तो उसे बाहर नहीं भेजा जा सकता। प्रक्रिया का पालन किए बिना उसे घर भेज दिया गया और सीडब्ल्यूसी ने उल्लंघन को चिह्नित नहीं किया। इसकी जांच की जरूरत है। चित्रदुर्ग पुलिस ने कहा कि लड़की की मौत को अप्राकृतिक के रूप में दर्ज किया गया था और मामले को रेलवे पुलिस ने बंद कर दिया था। हमने पाया कि हिंदूपुर रेलवे पुलिस में एक यूडीआर दर्ज था, जिसमें कहा गया था कि एक लड़की ट्रेन से गिर गई और उसकी मौत हो गई। जांच के बाद, यह एक आकस्मिक मृत्यु पाई गई और मामला बंद कर दिया गया।

सरकार संभाल सकती है मुरुघ मठ की बागडोर

सरकार मुरुघ मठ की बागडोर संभालने की योजना बना रही है। राज्य प्रशासक नियुक्त करने पर विचार कर रहा है। शिवमूर्ति मुरुघ शरणारू को मठ के प्रमुख के पद से हटाने के बढ़ते दबाव के बीच मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि हमने डीसी से एक रिपोर्ट मांगी है, रिपोर्ट को देखने के बाद निर्णय लिया जाएगा।

अब पंजाब में आया भूकंप, रिक्टर पैमाने पर 4.1 रही तीव्रता

अमृतसर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। अब पंजाब के अमृतसर में आज तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। पंजाब में अमृतसर के 145 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में तड़के 3 बजकर 42 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार यह भूकंप जमीन के नीचे 120 किलोमीटर की गहराई में आया। गौरतलब है कि उत्तर भारत में बीचे कुछ दिनों में कई बार धरती डोली है। पिछले सप्ताह दिल्ली में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। दिल्ली को भूकंप के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। जानकारों के कहना है कि हिमालयी क्षेत्र में टेक्टॉनिक प्लेटों के अस्थिर होने के कारण अधिक तीव्रता वाले भूकंपों की स्थितियां उत्पन्न हुई हैं। वाडिया इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियोलॉजी के जियोलॉजिस्ट अजय पॉल ने कहा कि भारतीय प्लेट पर यूरेशियन प्लेट के लगातार दबाव के कारण इसके नीचे जमा होने वाली ऊर्जा समय-समय पर भूकंप के रूप में बाहर निकलती रहती है।

बीते करीब 100 साल में चार बड़े भूकंप

बीते करीब 100 वर्षों के दौरान हिमालयी क्षेत्र में चार बड़े भूकंप दर्ज हैं। इनमें 1897 में शिलांग, 1905 में कांगड़ा, 1934 में बिहार-नेपाल और 1950 में असम में आए भूकंप शामिल हैं। उसके बाद 1991 में उत्तरकाशी, 1999 में चमोली और 2015 में नेपाल में भी भयानक भूकंप आया था।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 15 नवंबर, 2022

जनजाति समाज के लिए आर्थिक विकास की योजनाएं

प्रहलाद सबनानी

जनजाति समाज बहुत ही कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए देश में दूरदराज इलाकों के सघन जंगलों के बीच वनों में रहता है। जनजाति समाज के सदस्य बहुत ही कठिन जीवन व्यतीत करते रहे हैं एवं देश के वनों की सुरक्षा में इस समाज का योगदान अतुलनीय रहा है। चूंकि यह समाज भारत के सुदूर इलाकों में रहता है, अतः देश के आर्थिक विकास का लाभ इस समाज के सदस्यों को कम ही मिलता रहा है। इसी संदर्भ में केंद्र सरकार एवं कई राज्य सरकारों ने विशेष रूप से जनजाति समाज के लिए कई योजनाएं इस उद्देश्य से प्रारम्भ की हैं कि इस समाज के सदस्यों को राष्ट्र विकास की मुख्यधारा में शामिल किया जा सके। इस समाज की कठिन जीवनशैली को कुछ हद तक आसान बनाया जा सके। भारत में सम्पन्न हुई वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार अनुसूचित जनजातियों की कुल जनसंख्या 10.43 करोड़ है, जो भारत की कुल जनसंख्या का 8.6 प्रतिशत है। जनजाति समाज के सदस्यों को भारतीय राजनीति की मुख्यधारा में शामिल किए जाने के प्रयास भी किए जाते रहे हैं एवं इस समाज के कई प्रतिभाशाली सदस्य तो कई बार केंद्र सरकार के मंत्री, राज्यपाल एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के पदों तक पहुंचे हैं। आज भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू भी आदिवासी समाज से ही आती हैं। केंद्र सरकार द्वारा जनजाति समाज को केंद्र में रखकर उनके लाभार्थ चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करने के उद्देश्य से एक विशेष पोर्टल का निर्माण किया है। जिसकी लिंक है - भारत सरकार का राष्ट्रीय पोर्टल https://www.इंडिया.सरकार.भारत/ - इस लिंक को क्लिक करने के बाद "खोजें" के बॉक्स में जनजाति समाज को दी जाने वाली सुविधाएं टाइप करने से, भारत सरकार द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं की सूची निकल आएगी एवं इन योजनाओं का लाभ उठाने के लिए उपयोग किए जाने वाले प्रपत्रों की सूची भी डाउनलोड की जा सकती है। जनजाति समाज के लिए केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं को दो प्रकार से चलाया जा रहा है। कई योजनाओं का सीधा लाभ जनजाति समाज के सदस्यों को प्रदान किया जाता है। साथ ही, कुछ योजनाओं के अंतर्गत राज्य सरकारों को विशेष केंद्रीय सहायता एवं अनुदान प्रदान किया जाता है और इन योजनाओं को राज्य सरकारों द्वारा क्रियान्वित किया जाता है। जैसे, जनजातीय उप-योजना के माध्यम से राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को जनजातीय विकास हेतु किए गए प्रयासों को पूरा करने के लिए विशेष केंद्रीय सहायता प्रदान की जाती है। इस सहायता का मूल प्रयोजन पारिवारिक आय सृजन की निम्न योजनाओं जैसे कृषि, बागवानी, लघु सिंचाई, मृदा संरक्षण, पशुपालन, वन, शिक्षा, सहकारिता, मत्स्य पालन, गांव, लघु उद्योगों तथा न्यूनतम आवश्यकता संबंधी कार्यक्रमों से है। इसी प्रकार, जनजातीय विकास हेतु परियोजनाओं की लागत को पूरा करने तथा अनुसूचित क्षेत्र के प्रशासन स्तर को राज्य/संघ राज्य क्षेत्रों के बराबर लाने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को भी अनुदान दिया जाता है। जनजातीय समाज के विद्यार्थियों को गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करने के लिए आवासीय विद्यालय स्थापित करने हेतु भी उक्त निधियों के कुछ हिस्से का प्रयोग किया जाता है। राज्य सरकारों को वित्त उपलब्ध कराने सम्बंधी उक्त दो योजनाओं का केवल उदाहरण के लिए वर्णन किया गया है, अन्यथा इसी प्रकार की कई योजनाएं केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं। इसी कड़ी में जनजाति समाज के सदस्यों को सीधे ही लाभ प्रदान करने के उद्देश्य से भी केंद्र सरकार द्वारा कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं- (1) आदिवासी उत्पादों और उत्पादन विपणन विकास की योजना (2) एमएसपी योजना की मूल्य श्रृंखला के विकास के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के माध्यम से लघु वनोपज के विपणन हेतु योजना (3) आदिवासी उत्पादों या निर्माण योजना के विकास और विपणन के लिए संस्थागत सहयोग की योजना (4) आदिवासी क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की योजना (5) जनजातीय क्षेत्रों में व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना की योजना (6) जनजातीय अनुसंधान संस्थानों के लिए अनुदान योजना (7) उत्कृष्ट केन्द्रों के समर्थन के लिए वित्तीय सहायता योजना जिसका लाभ जनजातीय विकास और अनुसंधान क्षेत्र में काम कर रहे विश्वविद्यालयों और संस्थानों को दिया जाता है। इस योजना का उद्देश्य विभिन्न गैर सरकारी संगठनों की संस्थागत संसाधन क्षमताओं को बढ़ाना और मजबूत बनाना है ताकि इन अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालय के विभागों द्वारा आदिवासी समुदायों पर गुणात्मक, क्रियान्मुख और नीति अनुसंधान का संचालन किया जा सके (8) राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम (एनएसटीएफडीसी) और राज्य अनुसूचित जनजाति वित्त एवं विकास निगम (एसटीएफडीसी) को न्यायसम्य (इक्विटी) सहायता प्रदान करने की योजना। यह योजना केन्द्र सरकार द्वारा वित्त पोषित है और आदिवासी मामले मंत्रालय द्वारा शुरू की गई है (9) आदिवासी आवासीय विद्यालयों की स्थापना सम्बंधी योजना (10) अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए केन्द्रीय क्षेत्र की छात्रवृत्ति योजना (11) अनुसूचित जनजाति के छात्रों की योग्यता उन्नयन संबंधी योजना (12) अनुसूचित जनजाति के छात्रों के लिए राष्ट्रीय प्रवासी छात्रवृत्ति योजना। उक्त समस्त योजनाओं की विस्तृत जानकारी उक्त वर्णित पोर्टल पर उपलब्ध है। इसी प्रकार केंद्र सरकार के साथ साथ कई राज्य सरकारें भी जनजाति समाज के लाभार्थ स्वतंत्र रूप से कुछ योजनाओं का संचालन करती है। मध्य प्रदेश, भारत के आदिवासी बहुल क्षेत्रों में गिना जाता है एवं मध्य प्रदेश में विविध, समृद्ध एवं गौरवशाली जनजातीय विरासत है जिसका मध्य प्रदेश में न केवल संरक्षण एवं संवर्धन किया जा रहा है, अपितु जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास तथा जनजातीय वर्ग के कल्याण के लिए निरंतर कई प्रकार के कार्य भी किए जा रहे हैं।मध्य प्रदेश में भारत की कुल जनजातीय जनसंख्या की 14.64% जनसंख्या निवास करती है। भारत में 10 करोड़ 45 लाख जनजाति जनसंख्या है, वहीं मध्य प्रदेश में 01 करोड़ 53 लाख जनजाति जनसंख्या है। भारत की कुल जनसंख्या में जनजातीय जनसंख्या का प्रतिशत 8.63 है और मध्य प्रदेश में कुल जनसंख्या में जनजाति जनसंख्या का प्रतिशत 21.09 है। मध्य प्रदेश में जनजाति उपयोजना क्षेत्रफल, कुल क्षेत्रफल का 30.19% है। प्रदेश में 26 वृहद, 5 मध्यम एवं 6 लघु जनजाति विकास परियोजनाएं संचालित हैं तथा 30 माडा पॉकेट हैं। मध्य प्रदेश में कुल 52 जिलों में 21 आदिवासी जिले हैं, जिनमें 6 पूर्ण रूप से जनजाति बहुल जिले तथा 15 आंशिक जनजाति बहुल जिले हैं। मध्य प्रदेश में 89 जनजाति विकास खंड हैं। मध्य प्रदेश के 15 जिलों में विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया एवं सहरिया के 11 विशेष पिछड़ी जाति समूह अभिकरण संचालित हैं। मध्य प्रदेश सरकार जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक और शैक्षणिक विकास के साथ ही उनके स्वास्थ्य एवं जनजाति बहुल क्षेत्रों के विकास के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं संचालित कर रही हैं।

प्रदेश के विशेष पिछड़ी जनजाति बहुल 15 जिलों में आहार अनुदान योजना संचालित की जा रही है, जिसके अंतर्गत विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा, भारिया और सहरिया परिवारों की महिला मुखिया के बैंक खाते में प्रतिमाह रुपये 1000 की राशि जमा की जाती है। आकांक्षा योजना के अंतर्गत अनुसूचित जनजाति वर्ग के 11वीं एवं 12वीं कक्षा के प्रतिभावान विद्यार्थियों को राष्ट्रीय प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे जईई, नीट, क्लेट की तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग एवं छात्रावास की सुविधा प्रदान की जाती है। प्रतिभा योजना के अंतर्गत जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शासकीय शैक्षिक संस्थाओं में प्रवेश के लिए प्रोत्साहन दिया जाता है।आईआईटी, एम्स, क्लेट तथा एनडीए की परीक्षा उत्तीर्ण कर उच्च शैक्षणिक संस्थानों में प्रवेश पर रू. 50 हजार रूपये की राशि तथा अन्य परीक्षाओं जेईई, नीट, एनआईआईटी, एफडीडीआई, एनआईएफटी, आईएचएम के माध्यम से प्रवेश लेने पर रू. 25 हजार रुपये की राशि प्रदान की जाती है।

यूक्रेन का फिर कब्जा

दुनिया की महाशक्ति होने का दंभ भरने वाला रूस जंग के मैदान में लगता है कमजोर पडने लगा है। यूक्रेन के खेरसान इलाके को खाली करके जिस तरह से वह उलटे पांव लौटा है, कम से कम दुनिया में तो यही संदेश जा रहा है। नौ नवंबर को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का खेरसान से अपने सैनिकों का हटाने का आदेश देना कम बडी बात नहीं है। इसे मामूली घटना इसलिए नहीं कहा जा सकता है कि जंग के नौ महीने बाद पहली बार ऐसा हुआ जब रूस ने अपने कदम पीछे खींचे हैं। लगे हाथ यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने इस बात की घोषणा कर दी कि उनके सैनिकों ने खेरसान क्षेत्र पर फिर से कब्जा कर अपना झंडा फहरा दिया है। जेलेंस्की की घोषणा इस बात का संकेत है कि आने वाले दिनों में युद्ध के मैदान में रूस के कदम और भी कमजोर साबित होने वाले हैं। खेरसान से रूसी सैनिकों की वापसी के बाद रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के दूसरे इलाकों पर भी इसका असर पडे बिना नहीं रहेगा। इस लिहाज से देखा जाए तो महाबली रूस ने यूक्रेन के आगे घुटने टेक दिए हैं। इसे रूस की अघोषित हार ही मानी जाएगी। कोई संदेह नहीं कि रूस की सैन्य शक्ति के आगे यूक्रेन कहीं नहीं ठहरता। इसके बाद भी रूस की मुश्किलें भी बढ़ती जा रही हैं। भले ही रूस मिसाइलों से हमले कर यूक्रेन को तबाह कर रहा हो, लेकिन जमीनी लड़ाई में उसके सैनिक यूक्रेनी सेना के सामने टिक नहीं पा रहे। वरना खेरसान खाली करने का कोई कारण नहीं हो सकता था। बता दें कि डेढ़ महीने पहले ही रूस ने यूक्रेन के चार इलाकों लुहांस्क, दोनेत्स्क, खेरसान और जेपोरीजिया पर न केवल कब्जा कर लिया था, बल्कि इन इलाकों को रूस में मिलाने का एलान कर दिया था। ऐसा कर रूस ने एक तरह से यूक्रेन पर जीत का संदेश देने की कोशिश की थी। इन इलाकों पर कब्जों के लिए रूस ने बाकायदा जनमत संग्रह करवाने का दावा भी किया था। लेकिन कौन नहीं जानता कि यह सब दिखावा था। जिन इलाकों में उसके सैनिकों ने बंदूकों की नोंक पर लोगों को घरों में कैद कर रखा था, वहां कैसे माना जा सकता है कि निन्यानवे फीसद आबादी रूस में विलय पर मुहर लगाई होगी? अब रूस दुहाई दे रहा है कि वह अपनी समस्याओं के कारण पीछे हटा है, न कि यूक्रेन के डर से। उसके लिए सबसे बड़ा संकट इस बात का खड़ा हो गया है कि सर्दियों में सैनिकों को रसद कैसे पहुंचाएगा। लेकिन उसकी इस बात में दम इसलिए नहीं नजर आता क्योंकि रूस की सेना तो हमेशा से प्रतिकूल मौसम में लड़ने की अभ्यस्त रही है। उसके पास दुनिया के अत्याधुनिक हथियार हैं। फिर क्यों रूस खेरसान से भागा? युद्ध के शुरुआती महीनों में रूस को लग रहा था कि जिस तरह वह कीव सहित यूक्रेन के बड़े शहरों को मिसाइलों और बमों से तबाह कर रहा है, उससे जल्द ही वह कीव पर कब्जा कर लेगा। लेकिन अमेरिका और पश्चिमी देशों की मदद से यूक्रेन खासतौर से अमेरिका से हर तरह की सैन्य मदद मिली, उससे यूक्रेन की सेना जंग के मैदान में डटी है और रूसी सैनिकों को खदेड़ रही है। हालांकि खेरसान को रूसी सैनिकों ने तबाह कर दिया है, और इस शहर के पुनर्निर्माण में यूक्रेन को लंबा वक्त लगेगा, लेकिन यूक्रेन का फिर से वहां कब्जा किसी बड़ी जीत से कम नहीं है। खेरसान से लौटने के बाद रूस को समझ जाना चाहिए कि इस जंग में उसे कुछ हासिल नहीं होने वाला, सिवाय निर्दोष नागरिकों-सैनिकों की मौत और शहरों की तबाही के।

पुस्तकालय नजर अंदाज तो कैसे बने शिक्षित समाज

डॉ. प्रितम भी. गेडाम

जगत में पुस्तकालय पाठकों के लिए ज्ञान रूपी सागर है, आज पुस्तकालय बिना शिक्षा और सभ्य समाज की कल्पना हो ही नहीं सकती है। पुस्तकालय का हम सभी के जीवन में अमूल्य योगदान है। जीवन के हर मोड़ पर, हर मुश्किल में पुस्तकें मनुष्य का साथ सच्चे मित्र की भांति निभाते है, यह तब भी हमारे साथ होते है जब कोई हमारा साथ नहीं देता है। जिसने जीवन में पुस्तकालय के मोल को नहीं समझा, समझो कि उसने बेहतर जीवन ही नहीं जिया है। पुस्तकालय पाठकों के जीवन को सरल, सुगम, उज्जवल और प्रगति पथ पर अग्रसर होने के लिए सतत प्रेरित करके बेहतर मार्ग प्रशस्त करते है। दुनिया भर में पुस्तकालयों का जाल फैला हुआ है, पुस्तकालयों के विकास के लिए सबसे आवश्यक तज्ञ कर्मचारी वर्ग, योग्य पाठ्य सामग्री और पर्याप्त निधि के साथ उत्कृष्ट व्यवस्थापन होता है। विकसित पुस्तकालय ही बेहतर सेवाएं पाठकों तक पहुंचा कर देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देते है। पुस्तकालय तो शिक्षा केंद्र के मुख्य ज्ञान के स्रोत के रूप में जाने जाते है। देश में हर साल 14 - 20 नवंबर को ₹राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह₹ बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। आज अत्याधुनिक पुस्तकालय हमारे मोबाइल में समाहित हो चुके है, एक क्लिक पर हमे दुनिया भर के पुस्तकालय में सहज पहुंच मिलती है। देश में पुस्तकालयों की स्थिति की वास्तविकता :- विदेशों की भांति हमारे देश में भी पुस्तकालयों की तस्वीर काफी बदली है। देश के आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे शिक्षा संस्थानों के पुस्तकालय विश्वस्तरीय नजर आते है। बहुत से निजी शिक्षा संस्थान भी पुस्तकालयों के विकास पर विशेष ध्यान देते है। आज के युग में पैसे को अधिक महत्त्व दिया जाता है एव पुस्तकालय धनोपार्जन का केंद्र नहीं है, इसलिए शायद इसके महत्त्व को कमतर आंका जाता है। आज देश में बड़ी मात्रा में अनेक पुस्तकालय अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे है। आर्थिक तंगी और कुशल कर्मचारियों की कमी से पुस्तकालय नाममात्र रह गए है। कई पुस्तकालय में सेवाओं के रूप में सिर्फ कुछ अखबार पढ़ने मिलते है, तो कई पुस्तकालयों में बेहतर रखरखाव की कमी के कारण बहुमूल्य पाठ्य साहित्य भंडार खराब हो रहे है। कई पुस्तकालयों की इमारत जीर्ण अवस्था से खंडहर बन चुकी है, तो कई पुस्तकालय तज्ञ कर्मचारियों की कमी के चलते बदहाल पड़ी है। कई पुस्तकालयों में कुर्सी, मेज, अलमारी, खिड़की, दरवाजे तक टूटे हुए अवस्था में नजर आते है। कई पुस्तकालयों की दीवारों में दरारे पड़ी है, तो कई पुस्तकालय में बारिश में छत से पानी टपकता है।

कुशल कर्मचारियों की कमी पुस्तकालय को दिशाहीन बना रही है, कई बड़े-बड़े पुस्तकालय चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के भरोसे ही चल रहे है। अनेक राज्यों के सार्वजनिक पुस्तकालय, शाला-महाविद्यालय, विश्वविद्यालय या अन्य सरकारी क्षेत्र के पुस्तकालयों में साल नहीं अपितु कई दशक गुजर चुके है तज्ञ कुशल कर्मचारियों की भर्ती हुए। ऐसा नहीं है कि जिम्मेदार विभाग या प्रशासन पुस्तकालयों का महत्व नहीं समझते, महत्व समझकर आश्वासन देते है कि निधि उपलब्धता और तज्ञ कर्मचारी भर्ती जल्द की जाएगी। दिन, महीने, साल गुजरते है, पुस्तकालयों की स्थिति बद से बदतर होती जाती है, कर्मचारी सेवानिवृत्त होते जाते है लेकिन नए कर्मचारियों की भर्ती नहीं होती। देश में पुस्तकालयों की ऐसी बदहाली में वहां के पाठकों की ज्ञानरूपी जिज्ञासा की तृष्णा कैसे शांत होगी? यह बहुत ही गंभीर प्रश्न है।जीवन में पुस्तकालय की भूमिका अनमोल :- विश्व में वही देश विकसित हुए है जिन्होंने शिक्षा क्रांति के महत्व को समझकर पुस्तकालयों को उन्नत बनाया है, क्योंकि पुस्तकालय ही शिक्षा का आधार स्तम्भ होते है, समय की बचत करके मनुष्य को ज्ञानशाली बनाते है। विश्व के महानतम हस्तियों के साथी के रूप में पुस्तकें ही जानी जाती है। जिन्होंने पुस्तकों से दोस्ती की, वे जीवन में कभी अकेले नहीं होते। स्कूली शिक्षा के प्रथम चरण से जीवन के अंत तक पुस्तकालय मनुष्य को मार्गदर्शन करते है। जहां पर शिक्षक भी ज्ञान के लिए लालायित होता है वह केंद्र होता है पुस्तकालय। पुस्तकालय जो जीवन का अभिन्न भाग है, वही उपेक्षा का केंद्र बना बैठा है। देश के बहुत से राज्यों के सार्वजनिक व शैक्षिक पुस्तकालय में आधारभूत सुख-सुविधा भी नहीं है, इस कारण विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन का बेहद नुकसान हो रहा है। जिस उम्र में बच्चे अपने जीवन को योग्य दिशा देने के लिए प्रयत्नशील होते है उसी पड़ाव पर वे पुस्तकालय के ज्ञानरूपी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन से वंचित रह जाते है। पुस्तकालयों को नजरअंदाज करना अर्थात सुशिक्षित समाज के विकास को रोकना :- सबसे महत्वपूर्ण बात पुस्तकालयों के प्रति नजरिया बदलना है। पुस्तकालयों में तज्ञ कर्मचारियों की भर्ती पर विशेष ध्यान देने की नितांत आवश्यकता है। जिम्मेदार अधिकारी विभाग, व्यवस्थापक और प्रशासन ने पुस्तकालय के सेवा-सुविधा व उसकी उपयोगिता को बनाये रखने पर जोर देना होगा। उचित बजट के अभाव में अनेक पुस्तकालय खत्म होने के कगार पर है, इसलिए पुस्तकालयों के उचित व्यवस्थापन और विकास हेतु योग्य निधि की उपलब्धता लगातार होनी चाहिए। देश के सभी तरह के स्थानीय प्रशासन, राज्य सरकार व केंद्र सरकार द्वारा संचालित सभी शैक्षणिक संस्थान स्कूल महाविद्यालय, ग्रांटेड सार्वजनिक व अन्य पुस्तकालयों में हर साल आवश्यकता अनुरूप कर्मचारी भर्ती होनी चाहिए। पुस्तकालय का स्तर और पाठकों के आवश्यकता अनुसार हर साल उचित पुस्तकालय साहित्य की खरीदी होनी चाहिए। हमारे यहां प्रत्येक जिले में विश्वस्तरीय अत्याधुनिक पुस्तकालयों का निर्माण आज समय की मांग है, देश की शिक्षा नीति को मजबूत करने के लिए पुस्तकालयों का विकास करना ही होगा। पुस्तकालयों को शिक्षित समाज में उचित स्थान देने के लिए सरकार को शिक्षा के साथ पुस्तकालय के विशेष बजट बनाने पर सोचना चाहिए। पुस्तकालयों का लाभ देश के हर गांव, कस्बे, वर्ग, प्रत्येक विद्यार्थी, किसान, गृहिणी, व्यवसायी, नौकरीपेशा, कर्मचारी और प्रत्येक नागरिक तक पहुंचना ही देश में विकास की सच्ची तस्वीर बयां करेगी।

सर्वांगीण शिक्षा जीवन में ऊंचाइयां देते हैं

संजीव ठाकुर

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है।

जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निर्देशों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है। गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि 'पाप से घृणा करो पापी से नहीं' फल स्वरुप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना कि' ईश्वर इन्हें माफ कर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैं'। इस तरह उन्होंने मानवता के सामने अपने प्रेम को ज्ञान का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया हुआ अत्यंत दुर्लभ है आज संपूर्ण विश्व में प्रभु यीशु के अनुयायियों की संख्या सर्वाधिक है। भगवान श्रीराम ने प्रेम में वशीभूत होकर ही शबरी के जूठे बेर भी खा लिए थे, जबकि श्री राम सर्वाधिक ज्ञान में आदर्श मनुष्य थे।

एक अच्छे और सार्थक जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान दोनों का संबंध एवं समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू हैं। अकेला ज्ञान तथा अकेला प्रेम सदैव सार्थक नहीं हो सकता है। रावण ज्ञानी पुरुष था किंतु विध्वंस कारी भी था उसने प्रेम के अभाव में सिर्फ ज्ञान के चलते अपने कुल को नष्ट करवा दिया था। प्रेम तथा ज्ञान के सदुपयोग से अच्छे जीवन का पथ प्रदर्शन भी किया जा सकता है।

रिश्ता निभाते हम लोग!

डॉ प्रदीप उपाध्याय

भिडू,इन लोगों ने तो अपनी नाक जड़ से ही कटा दी। अपुन ने तो कितना कान्फिडेंस से बोला था कि इस बार इंडिया ही फाइनल में पहुंचेगा और पाकिस्तान को भी पटकनी दे देगा।पर इन्होंने तो इज्जत का फालूदा ही बना दिया।

अरे यार भाऊ, यह तो खेल है,खेल में तो हार-जीत लगी रहती है। तुम क्यों उदास होते हो। यह कोई दिल पर लेने वाली बात है भी नहीं। हमें तो इस हार को भी खेल भावना से स्वीकार करना चाहिए।

अरे क्या खाक खेल भावना से लें।कितने का फटका लगा है,मालूम भी है तुझको।खाली - पीली बात करता है।तुने तो कोई पैसा लगाया नहीं, इसीलिए ऐसी बात कर रहा है। तुझको पता भी है कि सोम्या की तो वाट लग गई है। मुंह छुपाता फिर रहा है।तकादे लगाने वाले ढूंढते फिर रहे हैं।

लेकिन भाऊ,सोच समझकर ही पैसा लगाना चाहिए था। मालूम है कि क्रिकेट अनिश्चितता का खेल है।ऊंट कब किस करवट बैठ जाएं, कोई इसकी भविष्यवाणी थोड़े ही कर सकता है! सब पता है।पैसा ख़ाके बैठ गए हैं और हमें डूबा दिया सो अलग।खेल देखकर लगा ही नहीं कि हमारे खिलाड़ियों का जीतने का मन है।

अरे नहीं भाई,यह मानकर चलो कि वह दिन हमारा नहीं था। नहीं तो क्या ऐसा होता कि टीम का प्रदर्शन इतना घटिया होता।

भिडू, मुझे तो लगता है कि अपुन की टीम जानबूझकर ही हारी होगी। मैच देखते समय तो ये शक भी होने लगा था कि टीम को कहीं सट्टेबाज तो नहीं खिला रहा था।

क्यों ऐसा क्यों लगा ! मुझे तो नहीं लगता कि कोई भी टीम इस तरह से हारकर अपने देश का नाम डूबोएगी। माना कि क्रिकेट में सट्टेबाजी का खेल भी बहुत खूबसूरती से खेला जाता है लेकिन क्रिकेट का खेल अपनी जगह है।

वो क्या है न कि यदि फायनल में पाकिस्तान से हारती तो बहुत बेइज्जती होती। इसीलिए सोचा होगा कि अंग्रेजों से हार जाओ। उनसे हारने से कोई ज्यादा फरक नहीं पड़ेगा और थोड़ी बहुत चिल्लाचोट के बाद सब ख़ामोश हो जाएंगे।सही है कि नहीं!

अरे नहीं भाऊ,सब लोग चाह रहे थे कि फायनल का मुकाबला इंडिया पाकिस्तान के बीच ही हो। लेकिन अंग्रेज अच्छा खेल गए और मैच हमारे हाथ से निकल गया।

अच्छा भिडू, फिर भी एक बात तो माननी ही पड़ेगी। शायद हम रिश्तेदारी निभाने में ही पिट गए।

वह कैसे! मैंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए पूछा।

वह ऐसे कि गोरों की क्रिकेट टीम के देश का प्रधानमंत्री हमारे देश का दामाद है।है कि नहीं। हमारे देश में तो पड़ोसी का दामाद भी पूरे गांव का दामाद माना जाता है और फिर वह तो हमारे भारतीय मूल का भी है।ऐसे में हम ही रिश्तेदारी नहीं निभाएंगे तो और कौन निभाएगा!

फिर तो पाकिस्तान भी खुद होकर हार गया होगा। शायद ट्वेंटी-20 वर्ल्ड कप के फायनल में पाकिस्तानी खिलाड़ियों को यह कहकर ही भेजा गया होगा कि देखना भाई ऋषि सुनक के पूर्वज अपने गुजरांवाला के ही थे! लेकिन फिर भी वे पाकिस्तानी हैं, कहां इतनी आसानी से मानेंगे वाले थे और इसीलिए थोड़ी बहुत भिड़ लिए।

आखिर उनको भी अपने रिश्ते का ख्याल हो आया हो!₹मैंने हंसते हुए कहा।और भाऊ मेरे चेहरे के भावों को पढ़ते हुए खुद ही हिटविकेट हो गए।

पेट्रोल से मुझे कुछ जलाना है

सुरेश कुमार मिश्रा

ग्राहकः भैया इस डिब्बे में सौ रुपए का पेट्रोल तो देना..

पेट्रोल बंक वालाः देखो भाई, डिब्बे में पेट्रोल देना कानूनी अपराध है। पुलिस पकड़ सकती है। हाँ गाड़ी-वाड़ी में भरवाना है तो मिलेगा। (फिर कुछ सोचकर) हाँ कुछ एक्सट्रा पैसे लेकर दे तो सकता हूँ, लेकिन लेकर करोगे क्या?

ग्राहकः (कुछ विचार में पड़ जाता है) हूँ.....

पेट्रोल बंक वालाः कहीं लाश-वाश तो नहीं जलानी है। मुझे तुम्हें देखकर संदेह हो रहा है। सच-सच बताओ नहीं तो पुलिस में शिकायत कर दूँगा।

ग्राहक - अरे नहीं-नहीं भैया, वो क्या है कि मैं सच बताऊँगा भी तो आप विश्वास नहीं करोगे। सोच रहा हूँ कैसे बताऊँ। वो क्या है न कि...(बताने में हिचकिचाता है)

पेट्रोल बंक वालाः जरूर कोई गड़बड़ वाली बात है। सीधे-सीधे बताता है कि पुलिस को बुलाऊँ। वही तेरी तबियत से धुलाई करके सारा सच उगलवा लेंगे।

ग्राहकः नहीं-नहीं भैया। बताता हूँ। बताता हूँ। दरअसल मैं एक पढ़ा-लिखा बेरोजगार हूँ। पढ़ाई में ढेरो डिग्रियाँ, पुरस्कार, पदक प्राप्त किए हैं। इन्हीं सबने आठ बाई दस वाले एकमात्र कमरे की जगह घेर ली है। न मुझे ये नौकरी देने में सफल हुए हैं और न रहने देते हैं। जब-जब इन्हें देखता हूँ तो मुझे खुद पर शर्म आती है। एक बार इसे धूँ-धूँ कर जला दूँ तो दिल को तसल्ली मिले। आदमी बिना पढ़े बेरोजगार रहे यह बात हजम हो सकती है, लेकिन पढ़ लिखकर एक अदद रोजगार न मिल सके, ऐसी डिग्रियों और उपलब्धियों का क्या करूँ?

पेट्रोल बंक वालाः (अपनी आँखों से आँसू पोंछते हुए) वो सब तो ठीक है, जलाने को तो तुम सीधे-सीधे माचिस की तिलिया का इस्तेमाल कर सकते हो। फिर यह पेट्रोल क्यों?

ग्राहकः बात तो तुम्हारी एकदम सही है, लेकिन जो मजा सस्ती चीज़ों को महँगी चीज़ों से जलाने में है वह मजा सस्ती चीजों से जलाने में नहीं है। पेट्रोल छिड़ककर जलाने से धूँ करके एकाएक जलने की आवाज निकलेगी, वह मुझे जिंदगी भर याद रहेगी।

मां लक्ष्मी के ये पांच मंदिर की महिमा है अपरम्पार

पद्मावती मंदिर

मां लक्ष्मी का विश्वप्रसिद्ध श्रीपद्मावती देवी मंदिर आंध्र प्रदेश के तिरुचानूर में स्थित है। मान्यता है कि तिरुपति बालाजी मंदिर आने वालों की मनोकामना तभी पूर्ण होती है जब देवी पद्मावती के दर्शन भी किए जाएं। यहां मौजूद तालाब में ही वह कमल का फूल खिला था जिसपर विराजमान होकर मां लक्ष्मी ने जन्म लिया था।

लक्ष्मीनारायण मंदिर

दिल्ली स्थित इस मंदिर में मां लक्ष्मी भगवान विष्णु संग विराजमान हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां आने वालों की झोली कभी खाली नहीं जाती है। यहां सच्चे मन से मां लक्ष्मी से जो मांगों वह जरूर मिलता है। श्रद्धालुओं की यहां खूब भीड़ लगती है।

महालक्ष्मी मंदिर

मुंबई स्थित महालक्ष्मी मंदिर लक्ष्मी भक्तों के बीच बहुत लोकप्रिय है। श्रद्धालुओं का मानना है कि यहां आने वाले हर भक्त की मुराद पूरी होती है। इस मंदिर में मां लक्ष्मी के साथ मां काली और मां सरस्वती भी विराजमान हैं। ऐसी मान्यता है कि अंग्रेजों के शासन के दौरान मुंबई के वर्ली और मालाबार हिल को जोड़ने के लिए दीवार का निर्माण कार्य जारी था। लेकिन काम में बाधा आ रही थी। इस कार्य के ठेकेदार के स्वप्न में देवी लक्ष्मी प्रकट हुईं और उन्हें समुद्र तल से देवियों की मूर्तियों को निकालकर मंदिर में स्थापित करने का आदेश दिया। इसके बाद ठेकेदार ने आदेश का पालन किया और कार्य पूर्ण हुआ।

देवी लक्ष्मी मंदिर

मध्यप्रदेश के रतलाम में स्थित यह मंदिर अपने वैभव के लिए विख्यात है। यहां धनतेरस से दीवाली तक मां लक्ष्मी को सोने के आभूषणों से श्रृंगार किया जाता है। इस दौरान पूरे मंदिर को पैसे और गहने से भी सजाया जाता है। इस मंदिर के कपाट दीवाली के समय बंद नहीं होते हैं।

श्रीपुरम महालक्ष्मी स्वर्ण मंदिर

इसे दक्षिण भारत का स्वर्ण मंदिर कहा जाता है। मां लक्ष्मी का यह मंदिर 15 हजार किलो शुद्ध सोने से निर्मित है। यह मंदिर तमिलनाडु के वैल्लोर जिले के थिरूमलाईकोडी नामक जगह पर है। करीब 100 एकड़ में फैले हुए इस मंदिर की मान्यता है कि यहां जो भी आता है मां लक्ष्मी की कृपा से उसके जीवन में सुख-समृद्धि और धन की कमी नहीं रहती है।

अन्नकूट का महत्व

बीपी. सिंघल

पहले के समय में मंदिर में ब्राह्मणों द्वारा अन्नकूट प्रसाद तैयार किया जाता था। जो श्रद्धालु लोग होते थे वो एक दिन पहले अपने घर से खाने का सामान जैसा की आटा, घी, चावल, दूध, सब्जी, इत्यादि मंदिर में जा कर दे आते थे और वहां के ब्राह्मण और कार्यकर्ता प्रसाद बनाकर भगवान को भोग लगाते थे। आज भी तिरुपति बालाजी में जो प्रसाद बनाते हैं वो वहां के ब्राह्मण ही बनाते है उसका महत्व ये है की जात पात और छोटे बड़े का सवाल नहीं है। अन्नकूट प्रसाद शुरू किया जाता है एक छोटी सी प्रार्थना के साथ है भगवान हिंदू धर्म सनातन धर्म को आदि अनंत काल तक बनाए रखना और हम पर दया दृष्टि और आशीर्वाद भी बनाये रखना। इस अन्नकूट में जो शामिल है और इस प्रसाद को जो ग्रहण करें उसके प्रति भी दया दृष्टि रखना। ये पर्व दीपावली के अगले दिन से 15 ; दिन तक अन्नकूट का भोग लगता है और इसे देव दिवाली का भी महत्तम कहते हैं। इसी प्रकार का अन्नकूट हजोरास्ट्रियन क्लब, सिकंदराबाद श्री राम मंदिर अन्नकूट सेवा समिति द्वारा करीब 10 हजार लोगों का अन्नकूट प्रसाद बनाया गया था। इसी प्रकार हैदराबाद में और तेलंगना में कई जगह ये प्रसाद हजारों से ज्यादा अन्नकूट आयोजित होते है। लोग श्रद्धा पूर्वक प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसका खास महत्व ये है की इस अन्नकूट के प्रसाद में गरीब अमीर जात पात धर्म का कोई संबंध का सवाल नहीं है कोई भी आकर प्रसाद ग्रहण कर सकता है। यहां तक है के कुछ लोग मन्नत के तौर पर 5911 अन्नकूट का प्रसाद ग्रहण करेंगे ऐसा भी प्रण करते हैं क्योंकि इस प्रसाद के साथ किसी का नाम नहीं जुड़ा हुआ है। दूसरी खास बात यह है। की हर अन्नकूट का मेन्यू करीब करीब एक ही होता है। ये एक सामाजिक धार्मिक पूजा के तौर पर सामूहिक भोज की तरह होता है।

जैसे के आप सब जानते हैं कि हिंदू सनातन धर्म आदि अनंत काल से पूजा पाठ प्रार्थना में गहरा विश्वास रखता है। अन्नकूट भी उसी प्रकार की एक पद्धति है, और अन्नदान को उत्तम माना गया हैं। पूजा पाठ पकद्धतियों में विश्वास के साथ अपनी श्रद्धा के साथ बनाये रखना चाहिए। हिंदू सनातन धर्म इसी विश्वास और पूजा पाठ पर बना हुआ है। हिंदू सनातन धर्म में जो मंत्र है उनको आज भी नियम से शोध कर के विधि विधान से आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त कर सकते हैं।

अनमोल वचन

दुनिया में सबसे सफल इंसान वही है,
जिसे टूटे को बनाना और रूठे को मनाना आता है !

जो दर्द तुम आज सह रहे हो,
आगे चलकर वही तुम्हारी ताकत बनेगा !

कहने को तो बहुत सी बातें होती है पर,
असली सुकून चुप रहने से ही मिलता है !

मां-बाप की बातें और,
किताबें कभी धोखा नहीं देती !
जो लक्ष्य में खो गया,

समझो वही सफल हो गया !
अगर जिंदगी में सुकून चाहते हो तो,
FOCUS अपने काम पर करो लोगों की,
बातो पर नहीं !
अगर मेहनत आदत बन जाए,
तो कामयाबी मुकद्दर बन जाती है !
आपकी आज गवाई हुई नींद,
आपको कल अच्छे से सोने का मौका देगी !

अगहन मास में शंख पूजा करने की है परंपरा

अभी हिन्दी पंचांग का नवां महीना अगहन चल रहा है। इसे मार्गशीर्ष भी कहा जाता है, ये महीना 8 दिसंबर तक रहेगा। ये महीना धर्म के साथ ही सेहत के नजरिए से भी बहुत खास है। इस महीने में रोज सुबह जल्दी उठना चाहिए, ध्यान और योग-प्राणायाम जरूर करें। स्नान के बाद सूर्य को जल चढ़ाकर दिन की शुरुआत लिए हमारा शरीर तैयार होता है।

इस महीने में तेल मालिश करने की भी परंपरा है। सर्दी के दिनों में तेल मालिश करने से त्वचा का रूखापन खत्म होता है। शरीर में पर्याप्त नमी बनी रहती है।

अगहन महीने में करनी चाहिए शंख की पूजा

इस महीने में शंख की पूजा खासतौर पर करनी चाहिए। साधारण शंख को श्रीकृष्ण के पांचजन्य शंख का स्वरूप मानकर उसकी पूजा करनी चाहिए। शंख पूजा करते समय इस मंत्र का जप करें...

त्वं पुरा सागरोत्पन्न विष्णुना विधृतः करे।
निर्मितः सर्वदेवैश्च पाञ्चजन्य नमोऽस्तुते।।
तव नादेन जीमूता वित्रसन्ति सुरासुराः।
शशांकायुतदीप्ताभ पाञ्चजन्य नमोऽस्तुते।।

ऐसे कर सकते हैं शंख की पूजा

घर के मंदिर में श्रीकृष्ण की पूजा करते समय प्रतिमा के साथ ही शंख भी रखें। शंख को भगवान का स्वरूप मानकर अभिषेक करें। कुमकुम, चंदन से तिलक करें। हार-फूल चढ़ाएं। भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

मार्गशीर्ष माह में करें ये काम

- मार्गशीर्ष माह में किसी पवित्र नदी में स्नान करना चाहिए। अगर स्नान करना संभव नहीं है तो घर पर ही पानी की बाल्टी में गंगाजल डालकर स्नान करें।
- मार्गशीर्ष माह में पड़ने वाले हर गुरुवार को भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करना चाहिए। मान्यताओं के अनुसार इस महीने मां लक्ष्मी धरती पर आती हैं। जिस घर में पूजा-पाठ होती हैं वहां निवास करती हैं।

करनी चाहिए। श्रीकृष्ण के मंत्र कृं कृष्णाय नमः का जप करना चाहिए।

अगहन मास श्रीकृष्ण की भक्ति को समर्पित है, क्योंकि श्रीकृष्ण ने खुद मार्गशीर्ष मास को खुद का स्वरूप बताया है। इस महीने में किए गए पूजा-पाठ से सकारात्मकता और शांति मिलती है। खान-पान के संबंध में सतर्कता रखने से सेहत अच्छी रहती है।

ये हैं अगहन महीने की खास बातें

इस महीने से शीत ऋतु का असर बढ़ने लगता है। वातावरण ठंडा होने लगता है, ठंडी हवाएं चलती हैं। आसमान साफ रहता है। सुबह-सुबह सूर्य की धूप अच्छी लगने लगती है। बारिश के बाद वातावरण में फैली नमी खत्म हो जाती है।

अगहन मास में रोज सुबह जल्दी उठने से और सैर करने से सेहत को फायदा मिलते हैं। इसी वजह से काफी लोग इन दिनों में सुबह-सुबह घूमना शुरू कर देते हैं।

सुबह के समय धूप में बैठने से शरीर को विटामिन डी मिलता है, जिससे रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। मौसमी बीमारियों से लड़ने के

क्या होता है मांगलिक दोष इस उपाय से दूर होगा दोष

कुंडली में ग्रह-नक्षत्र के अशुभ प्रभावों के कारण कई तरह के दोष उत्पन्न हो जाते हैं। कई तमाम दोषों में मंगल दोष भी एक है। मंगल को ग्रहों का सेनापति कहा जाता है। ज्योतिष में मंगल ग्रह को काफी महत्वपूर्ण माना गया हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से इसे एक क्रूर ग्रह के रूप में माना जाता है। विशेष रूप से मंगल दोष होने से व्यक्ति की शादी-विवाह में परेशानियां होती है, इसलिए मांगलिक दोष के कारण व्यक्ति परेशान रहता है। लेकिन ज्योतिष में मगंल दोष को दूर करने के कुछ महाउपायों के बारे में बताया गया है, जानते हैं इसके बारे में।

क्या है मांगलिक दोष और इसके प्रभाव

मांगलिक दोष के उपाय के बारे में जानने से पहले आपको यह

जानने की जरूरत है कि आखिर मांगलिक दोष क्या होता है। कुंडली में मांगलिक दोष की बातें हम अक्सर ज्योतिषी या पंडित से सुनते हैं। जब किसी व्यक्ति की कुंडली के लग्न भाव, चतुर्थ भाव, सप्तम भाव, अष्टम भाव, द्वादश भाव में मंगल बैठा होता है तो इसे मंगल दोष कहा जाता है। कुंडली में मंगल दोष होने से जातक गुस्सैल स्वभाव का हो सकता है। वहीं चतुर्थ भाव में मंगल के होने से भौतिक सुखों में कमी आती है। सप्तम भाव और अष्टम भाव में मंगल के होने वे विवाह और वैवाहिक जीवन के सुखों में कमी आती है। वहीं द्वादश भाव में मंगल विराजमान हो तो घर पर कलह-क्लेश, रोग, शारीरिक क्षमता में कमी जैसी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

मंगल दोष दूर करने के महाउपाय

मां मंगला गौरी की करें पूजा- मंगल दोष दूर करने के लिए मंगला गौरी की पूजा करना शुभ होता है। मंगला गौरी के मंदिर जाकर दर्शन और पूजन करने से विवाह में आ रही अड़चने दूर होती है।

मंगलनाथ की पूजा- मंगलनाथ मंदिर में पूजा करने से मंगल ग्रह से जुड़े सभी दोष दूर होते हैं। यह मंदिर उज्जैन में स्थित है।

ज्योतिषी उपाय- मंगलवार के दिन लाल रंग की चीजें जैसे लाल कपड़ा, मसूर दाल, लाल फल आदि का दान करें। लेकिन मंगल दोष से पीड़ित व्यक्ति को मंगलवार के दिन लाल रंग की चीजें उपहार या दान में स्वयं नहीं लेना चाहिए।

मंगल देव और हनुमानजी की पूजा- मंगल दोष का प्रभाव कम करने के लिए मंगलवार के दिन हनुमानजी और मंगल देव की पूजा करनी चाहिए। इस दिन हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ करना फलदायी होता है।

नारद मुनि ने विष्णु जी से मांगी थी सुंदरता

शास्त्रों में विष्णु जी और नारद मुनि से जुड़ा एक किस्सा है। नारद मुनि को इस बात अहंकार हो गया था कि उन्होंने कामदेव को पराजित कर दिया है। जब ये बात उन्होंने विष्णु जी को बताई तो उन्होंने नारद मुनि का अहंकार दूर करने की योजना बनाई। विष्णु जी ने अपनी माया से एक सुंदर नगरी बसाई।

नारद मुनि ने उस माया नगरी में पहुंच गए। वहां उन्होंने राजकुमारी विश्वमोहिनी को देखा, वह बहुत सुंदर थी। नारद जी को मालूम हुआ कि राजकुमारी का स्वयंवर होने वाला है। विश्वमोहिनी की सुदंरता देखकर नारद मुनि के मन में विचार आया कि इससे तो मुझे विवाह करना चाहिए।

नारद मुनि के मन में ये विचार आते ही वे तुरंत विष्णु जी के पास पहुंच गए। नारद मुनि ने विष्णु जी को पूरी बात बताई और कहा कि आप मुझे आपका सुंदर रूप दे दीजिए। स्वयंवर हो रहा है तो कन्या उसे ही पसंद करेगी, जो दिखने में सुंदर होगा। इसलिए आप मुझे

अपना रूप दे दीजिए।

विष्णु जी ने मुस्कान के साथ कहा कि मैं आपकी ये इच्छा जरूर पूरी करूंगा। विष्णु जी ने नारद को वानर का मुख दे दिया। नारद मुनि इस बात से बेखबर थे और वे ऐसे ही स्वयंवर में पहुंच गए। जब वे वानर रूप में स्वयंवर में पहुंचे तो वहां उनका अपमान हो गया। जब नारद मुनि को असलियत मालूम हुई तो वे विष्णु जी पर गुस्सा हो गए। उन्होंने विष्णु जी से पूछा कि आपने मेरे साथ ऐसा क्यों किया? विष्णु जी ने जवाब दिया कि जब कोई व्यक्ति बीमार होता है तो वैद्य उसे कड़वी दवाई देता है, भले ही बीमार को वह दवा अच्छी न लगे। आप जैसे संत के मन में कामवासना जाग गई थी। इन वासनाओं को आपके मन से दूर करना था। इसलिए मैंने ही ये पूरी माया रची थी। नारद मुनि को विष्णु जी की बात समझ आ गई और अपनी गलती का अहसास हो गया।

प्रसंग की सीख

इस प्रसंग की सीख यह है कि हमें दूसरों से सुख-सुविधाएं, धन-ऐश्वर्य नहीं मांगना चाहिए। ये चीजें हमें खुद अपनी मेहनत से अर्जित करनी चाहिए। अगर ये चीजें दूसरों से मांगी जाएगी तो अपमानित होना पड़ सकता है।

सनी लियोनी के बॉस लेडी लुक पर मर मिटे फैन्स, ब्रालेट और स्कर्ट में दिखीं

बॉलीवुड की हॉट एक्ट्रेस सनी लियोनी एक बार फिर सोशल मीडिया पर ग्लैमरस का तड़का लगाती नजर आ रही हैं। इन हालिया तस्वीरों में सनी लियोनी बेहद स्टाइलिश और हॉट नजर आ रहीं हैं, तो आइए आपको दिखाते हैं उनकी ये तस्वीरें। इन तस्वीरों में सनी लियोनी पर्पल कलर की शॉर्ट स्कर्ट, ब्रालेट और ब्लेज़र में बॉस लेडी लुक में फैन्स के दिलों को धड़काती हुई दिखाई दे रहीं हैं। ए क शीशे के सामने ख ड़े होकर पोज़ देते हुए सनी लियोनी अपनी पतली कमर और टोंड लेग्स को जमकर फ्लॉन्ट करती दिखाई दे रहीं हैं।इन खूबसूरत और स्टाइल से भरी तस्वीरों को शेयर करते हुए सनी लियोनी ने इन्हें कैप्शन दिया - मेरी रात के बारे में। इस डीपनेक ब्रालेट में सनी लियोनी की हॉट अदाएं देख फैन्स उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। इससे पहले सनी लियोनी इस डेनिम ड्रेस में अपने हुस्न का जादू फैन्स पर चलाती नजर आई थीं। आपको बता दें कि, सनी लियोनी अब तक कई टीवी रिएलिटी शोज़, आइटम सॉन्ग्स, म्यूज़िक वीडियोज़ और बॉलीवुड मूवीज़ में काम कर चुकी हैं।

'अभी तक मरी नहीं हूं': रेयर बीमारी से जूझ रहीं साउथ एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु ने क्यों कहा ऐसा?

साउथ की सुपरस्टार एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों एक रेयर बीमारी से जूझ रही हैं. कुछ दिनों पहले उन्होंने अपनी बीमारी का खुलासा करते हुए हॉस्पिटल से एक फोटो शेयर की थी, जिसे देख उनके फैंस टेंशन में आ गए. हालांकि सोशल मीडिया पर सामंथा लगातार अपनी तबीयत को लेकर अपडेट फैंस के साथ शेयर कर रही हैं, लेकिन इटंरनेट पर ही उन्हें लेकर कई फर्जी दावे किए जा रहे हैं. कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया कि सामंथा एक लाइलाज बीमारी से जूझ रही हैं, जिसकी वजह से उनकी जान को भी खतरा है. अब खुद एक्ट्रेस ने इन दावों पर अपनी बात रखी है।

सामंथा रुथ प्रभु साउथ फिल्म इंडस्ट्री की जानी-मानी और चहेती एक्ट्रेसेस में से एक हैं, उनकी सेहत को लेकर फैंस की चिंता बढ़ती जा रही है. इस बीच उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'यशोदा' देशभर के थिएटर्स में दर्शकों का मनोरंजन कर रही है. कुछ दिनों पहले सामंथा ने खुलासा किया कि वो दुर्लभ मायोसिटिस नाम की बीमारी से पीड़ित हैं. इस स्थिति में मासपेशियों, जोड़ों में असहनीय दर्द होता है और इम्यून सिस्टम खराब होने लगता है. सामंथा ये देखकर हैरान हैं कि कुछ मी डि या रि पो र्ट्स में उनकी हालत को गंभीर बताते हुए बीमारी को जान का खतरा बताया जा रहा है।

इस पर अपना रिएक्शन देते हुए सामंथा ने कहा, 'जैसा कि मैंने अपने पहले पोस्ट में बताया कि कुछ दिन अच्छे होते हैं तो कुछ बुरे. मैं एक बात साफ कर देना चाहती हूं कि मैंने कई आर्टिकल्स में देखा जिसमें मेरी हालत को गंभीर बताया जा रहा है. ऐसे आर्टिकल्स मुझे परेशान करते हैं. बीमारी की जिस स्टेज में मैं हूं, वहां मेरी जान को कोई खतरा नहीं है. अभी तक मैं मरी नहीं हूं, मुझे नहीं लगता कि मुझसे जुड़ी खबरों को ऐसी हे ड ला इ न देने की जरूरत नहीं है.' सामंथा के वर्कफ्रंट की बत करें तो उनकी फिल्म 'यशोदा' को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. एक्ट्रेस अपनी फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं।

ग्रीन साड़ी में उर्वशी रौतला ने लगाई इंटरनेट पर आग

बॉलीवुड की मोस्ट ब्यूटीफुल एक्ट्रेस उर्वशी रौतला ने एक बार फिर इंस्टाग्राम पर अपने ट्रेडिशनल लुक से धमाल मचा दिया है। इन लेटेस्ट फोटोज़ में उर्वशी रौतला का देसी लुक देखने के बाद फैन्स उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं, यहां देखें फोटोज। इन तस्वीरों में, उर्वशी रौतला ग्रीन साड़ी में किसी जन्नत की हूर से कम नहीं लग रहीं हैं, इस दौरान जिसने भी उनको देख रहा है वो बस देखता ही रह गया। उर्वशी रौ त ला ने इस साड़ी के साथ मैचिंग ब्लाउज़ कैरी किया था, जो उनके लुक पर चार चांद लगा रहा है। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उर्वशी रौतला ने इन्हें कैप्शन दिया - 69 लाख प्यार। ओपन हेयर लुक के साथ ग्लॉसी मेकअप रिंग्स, कंगन और इयररिंग्स में उर्वशी रौतला की अदाएं देख फैन्स मदहोश हो गए और कमेंट्स में उनकी तारीफों के पुल बांधते दिखाई दिए। उर्वशी रौतला सोशल मीडिया पर कभी अपने ट्रेडिशनल लुक, कभी ग्लैमरस अंदाज तो कभी बोल्ड अवतार से धमाल मचाती नजर आती हैं।आपको बता दें कि, उर्वशी रौतला अब तक कई आइटम सॉन्ग्स, म्यू ज़ि क वीडियोज़ और बॉ ली वु ड मूवीज़ में नजर आ चुकी हैं।

मंगेतर ने ही लीक किया था पाक एक्ट्रेस का इंटीमेट वीडियो, बोलीं- सगाई को बस 3 महीने हुए थे और...

पाकिस्तानी एक्ट्रेस रिदा इस्फहानी ने कॉमेडियन नादिर अली के पॉडकास्ट में एक बड़े राज से पर्दाफाश करते हुए बताया है कि उनके मंगेतर ने ही उनका प्राइवेट वीडियो लीक किया था। रिदा ने बताया कि कैसे उनके मंगेतर ने उनकी इज्जत नीलाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। मालूम हो कि एक्ट्रेस रिदा साल 2016 में अपने प्राइवेट वीडियो को लेकर काफी चर्चा में रही थीं।

मंगेतर ने ही बनाया था इंटीमेट वीडियो

नवंबर 2016 में सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो में पाकिस्तानी एक्ट्रेस के कई प्राइवेट मोमेंट कैप्चर किए गए थे और अब रिदा ने बताया है कि उन अंतरंग पलों को रिकॉर्ड करने वाला कोई और नहीं उनका मंगेतर ही था। रिदा ने उस वक्त इस वीडियो को लेकर कोई बयान नहीं दिया था लेकिन अब उन्होंने बताया है कि इसी वीडियो के चलते उनकी सगाई टूटी और उनकी इमेज को भी इससे काफी नुकसान पहुंचा।

सगाई के 3 महीने बाद लीक किया वीडियो

रिदा ने पॉडकास्ट में बताया कि उनके भरोसे के साथ खिलवाड़ हुआ था। उन्होंने बताया कि वह मैन वुमेन टाइप की महिला हैं और जब उन्हें प्रपोज किया गया तो वह मान गईं। वह ऐसे शख्स के साथ जिंदगी बिताना चाहती थीं जिससे वह प्यार करती हों। उनके माता-पिता इस शादी के लिए तैयार नहीं थे लेकिन उन्होंने इस शादी के लिए उन्हें राजी किया। फिर सगाई के 3 महीने बाद ही उनके इंटीमेट मोमेंट्स वाली तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे थे।

'जो हो चुका उसे जिंदगी भर बर्दाश्त करना है'

रिदा ने बताया कि वह अमेरिका में थीं जब उन्हें इस बारे में पता चला। मीडिया ने उनसे अपील की कि एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करें, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं करने का फैसला किया। उन्होंने बताया कि वह जानती थीं कि यह किसकी करनी थी। लेकिन अब जो हो चुका था उसे उन्हें पूरी जिंदगी बर्दाश्त करना था। उनके पास इसके सिवाय कोई विकल्प नहीं था।

'तारक मेहता' फेम अराधना शर्मा का बेहद बोल्ड वीडियो वायरल, लोग कहते थे 'मर्दाना'

तारक मेहता का उल्टा चश्मा फेम आराधना शर्मा ने शो में एक छोटी सी भूमिका निभाई थी. आराधना अपने किरदार 'दीप्ति' से घर-घर में मशहूर हुईं और उन्हें दर्शकों का भरपूर प्यार मिला. एक्ट्रेस अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड और सेक्सी तस्वीरों और वीडियो से इंटरनेट का तापमान बढ़ा देती हैं. आराधना इन दिनों गोवा में छुट्टियां मना रही हैं और उन्होंने एक बार फिर अपनी बिकिनी तस्वीरों से इंटरनेट पर आग लगा दी है. आराधना ने हाल ही में एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह पीली बिकिनी पहनकर बीच पर वॉक करती नजर आ रही हैं और अपना शानदार फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं. उनके इस वीडियो से उनके फैंस काफी एक्साइटेड हो रहे हैं.

बता दें, अराधना ने अपने इंटरव्यू में बताया कि किस तरह कास्टिंग डायरेक्टर उन्हें इग्नोर करते थे. एक बार अराधना ने किसी रोल के लिए अप्लाई किया तो डायरेक्टर ने ये कहकर मना कर दिया कि उन्हें एक खूबसूरत एक्ट्रेस चाहिए. मर्दाना नहीं. बता दें, अराधना अपनी फोटोज़ से सोशल मीडिया पर तहलका मचाती हैं.

इससे पहले भी टीवी एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में ब्वॉयफ्रेंड के साथ डेट को लेकर कई खुलासे किए हैं. अराधना ने बताया कि जब पहली बार वे डेट पर गई थीं तभी उनके दोस्त ने सेक्स की डिमांड कर दी थी।

पारिवारिक मूल्यों पर अरबाज खान ने की बात, बोले- हमेशा देंगे भाई सलमान-सोहेल का साथ

अभिनेता अरबाज खान इन दिनों अपनी हालिया रिलीज वेब सीरीज 'तनाव' को लेकर सुर्खियों में हैं। इस सीरीज का अरबाज खूब बढ़-चढ़कर प्रमोशन कर रहे हैं। बता दें कि सिनेमा और अभिनय के अलावा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी अरबाज खूब सुर्खियों में रहते हैं। गौरतलब है कि अरबाज खान का मलाइका अरोड़ा से तलाक हो चुका है और वह इन दिनों जॉर्जिया एंड्रियानी को डेट कर रहे हैं। अरबाज खान की अपने भाइयों-सलमान खान और सोलेह खान से बहुत अच्छी बॉन्डिंग है। हाल ही में अरबाज खान अपने पारिवारिक मूल्यों पर बात करते नजर आए।

अभिनेता अरबाज खान ने हाल ही में एक बातचीत के दौरान फैमिली सपोर्ट पर खुलकर बातचीत की। उन्होंने कहा कि हालात चाहें कैसे भी हों, परिवार का सपोर्ट सबसे महत्वपूर्ण होता है। इस दौरान अरबाज खान ने कहा कि वह अपने भाईयों सलमान खान और सोहेल खान का साथ हमेशा देंगे। उन्होंने कहा, 'अगर भाई, भाई को सपोर्ट नहीं करेगा, तो कौन करेगा?' अरबाज खान ने अपने बेटे अरहान खान के साथ अपनी बॉन्डिंग को लेकर भी बात कीं।

अरबाज खान ने कहा कि वह हर स्थिति में अपने बेटे अरहान के साथ हैं। अरबाज खान ने कहा कि 'हम दोस्त हैं। मैं उस तरह के हालात कभी नहीं बनाना चाहता था कि वह मुझे कॉल करने के दौरान किसी भी तरह की झिझक महसूस करे। अगर मैं उसके साथ खड़ा नहीं रहूंगा तो फिर कौन होगा?' अरबाज खान ने कहा कि अक्सर परिवार के साथ रहने के लिए उन्हें ट्रोल करते हैं। एक्टर ने कहा कि लोगों ने उन्हें यह कहकर ट्रोल किया कि वह मुश्किल वक्त में परिवार से ही चिपके रहे। इस पर अरबाज का कहना है, 'कौन करेगा अगर फैमिली सपोर्ट नहीं करेगी तो, कौन सुधारेगा?' अरबाज का कहना है कि गलती करने पर इंसान का परिवार ही साथ देता है, चाहें फिर वह पत्नी हो, भाई हो, पेरेंट्स हों या बेटा।

हर मुश्किल में हो जाते हैं इकट्ठे

बता दें कि हाल ही में एक बातचीत के दौरान अरबाज ने यह जिक्र भी किया कि जब वह मलाइका अरोड़ा से तलाक ले रहे थे, उस दौरान परिवार ही उनका सपोर्ट सिस्टम बना। अरबाज ने कहा, 'मेरा परिवार, मेरे भाई-बहन हमेशा एक-दूसरे के लिए तैयार रहते हैं। हालांकि, हम एक-दूसरे की पर्सनल लाइफ में दखल नहीं देते हैं। लेकिन, जब भी कोई मुश्किल में दिखाई देता है तो हम सब इकट्ठे हो जाते हैं।' बता दें कि अरबाज की वेब सीरीज 'तनाव' सोनी लिव पर 11 नवंबर 2022 को रिलीज हुई है।

'आदिल को मुझसे कोई नहीं छीन सकता..' राखी सावंत

राखी सावंत अक्सर ही किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं। ड्रामा क्वीन के नाम से जानी जाने वाली राखी सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टि रहती हैं और आए दिन अपने बेबाक बयानों के चलते लाइमलाइट बटोर लेती हैं। हाल ही में राखी सावंत अपने बॉयफ्रेंड आदिल दुर्रानी के साथ एक इवेंट में पहुंची थीं, जिसकी तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं। इस दौरान दोनों की कमाल की बॉन्डिंग देखने को मिली।

दरअसल, राखी सावंत और आदिल दुर्रानी बीती रात एक इवेंट में पहुंचे थे। इस दौरान राखी बेहद ग्लैमरस लग रही थीं। राखी ब्लैक कलर के ब्रालेट, ब्लैक मिनी स्कर्ट में काफी स्टाइलिश लग रही थीं और उन्होंने सिल्वर हाई हील्स के साथ अपने लुक को कंप्लीट किया था। वहीं, आदिल भी रेड जैकेट और ब्लू जींस में बढ़िया लग रहे थे।

इस दौरान दोनों ने पैपराजी के सामने जमकर पोज दिए और राखी सावंत सबके सामने कहती नजर आईं कि आदिल को कोई मुझसे नहीं छीन सकता। राखी का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और यूजर मजेदार कमेंट भी कर रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, 'अरे हम कब कह रहे हैं कि आदिल हमारा है, तुम्हारा है और तुम्हारा ही रहेगा और शर्लिन का भी नहीं बनेगा।' वहीं, एक अन्य ने लिखा, 'ईस्ट और वेस्ट राखी इज द बेस्ट।' इसी तरह के कई कमेंट लोग इस वीडियो पर कर रहे हैं।

बता दें कि बीते दिनों राखी सावंत की शर्लिन चोपड़ा के साथ खूब बहस हुई थी। दोनों के बीच बात इतनी बढ़ गई थी कि दोनों ने एक-दूसरे के खिलाफ केस दर्ज कराया था। शर्लिन चोपड़ा के साजिद खान पर लगाए गए आरोपों पर राखी ने साजिद का सपोर्ट किया था, जिसके बाद दोनों की जुबानी जंग शुरू हुई और बात केस तर पहुंच गई। वहीं, इसके बाद राखी के आदिल पर केस दर्ज कराने की भी खबरें आई थीं। लेकिन राखी ने इस बात को झूठा बताया और कहा था कि हम दो हंसों का जोड़ा है।

भोजपुरी एक्ट्रेस संभावना सेठ को ठेकेदार ने लगाया चूना, आपके साथ भी हो सकता है ये स्कैम!

भोजपुरी एक्ट्रेस संभावना सेठ ने अपने व्लॉग में बताया है कि वह एक स्कैम का शिकार हो गई हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि किस तरह उनके ठेकेदार ने उन्हें लाख रुपये का चूना लगा दिया है। संभावना सेठ ने हाल ही में नया घर खरीदा था और इसकी इंटीरियर डिजाइनिंग के लिए उन्होंने एक कॉन्ट्रैक्टर को हायर किया था। एक्ट्रेस ने बताया कि पेमेंट उठाने के बाद से ये ठेकेदार गायब है और खास रिस्पॉन्स नहीं दे रहा।

एडवांस में पेमेंट करके फंसीं संभावना

एक्ट्रेस ने बताया कि शायद वह एडवांस पेमेंट देकर फंस गई हैं। क्योंकि ठेकेदार उनका फोन उठाता भी है तो उन्हें बहाने देना शुरू कर देता है। कभी वह खुद बीमार होने की बात कह देता है तो कभी कहता है कि उसके घर में कोई बीमार है। कभी कहता है कि मजदूर नहीं आ रहे हैं तो कभी कोई और बहाना दे देता है।

संभावना सेठ ने जाहिर की नाराजगी

भोजपुरी एक्ट्रेस की मुश्किल यह है कि उन्होंने इस ठेकेदार को सारे पैसे एडवांस में पकड़ा दिए थे। संभावना सेठ और उनके पति अविनाश द्विवेदी का यूट्यूब चैनल है जिस पर दोनों मजेदार वीडियो शेयर करते रहते हैं। लेकिन हाल ही में जब उन्होंने अपना एक वीडियो शेयर किया तो इसमें संभावना सेठ काफी नाराज होती नजर आईं।

कोई किसी पर भरोसा करे भी तो कैसे?

संभावना सेठ ने अपनी इस व्लॉग वीडियो में कहा, 'आप किसी पर भरोसा करो तो कैसे? मेरी अच्छाई देखो, मैंने उस पर भरोसा करके उसे सारे पैसे दे दिए। अब वो बंदा हमें चीट करके चला गया।' संभावना सेठ ने अपने सब्सक्राइबर्स से अपील की है कि अगर कभी उन्हें कोई ऐसा इंसान मिले जो कहे कि संभावना के यहां काम कर चुका है तो उसे काम पर ना रखें।

गैस से निजात ही नहीं पेट से जुड़े इन 5 रोगों का भी सफाया करती है हींग, बस ऐसे करें इस्तेमाल

भोजन का बढ़ाना हो स्वाद या पाचन को करना हो दुरूस्त, हींग के पास हर मर्ज का इलाज है। इतना ही नहीं नियमित रूप से हींग का सही तरह से उपयोग करने से व्यक्ति को सेहत से जुड़ी कई समस्याओं में भी राहत मिल सकती है। आइए जानते हैं कैसे खाने का स्वाद बढ़ाने वाली हींग को नाभि पर लगाने से व्यक्ति को मिलते हैं जबरदस्त फायदे।

पेट की गैस

अगर आप लंबे समय से पेट की गैस और एसिडिटी से परेशान हैं तो नाभि पर हींग लगाने से आपको राहत मिल सकती है। इस समस्या से राहत पाने के लिए आप गर्म पानी के साथ हींग मिलाकर उसका पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को नाभि पर लगाएं। ऐसा करने से गैस खत्म हो जाएगी और अपच की समस्या में भी राहत मिलेगी।

पेट की सूजन

कई बार लगातार पेट दर्द रहने की वजह से पेट में सूजन हो जाती है। इस समस्या से निजात पाने के लिए नाभि पर हींग लगाएं। ऐसा लगातार करने से आराम मिलेगा।

ठंडा रहता है पेट-

हींग को पेट पर लगाने के लिए इसमें थोड़ा सा ऑलिव ऑयल मिक्स करके नाभि पर लगाएं। ऐसा करने के कुछ देर बाद तक लेटे रहें। ऐसा नियमित करने से पेट ठंडा रहता है।

पेट दर्द से निजात

पेट दर्द से छुटकारा पाने के लिए आप देसी घी में हींग मिलाकर नाभि पर लगाएं और 5 से 10 मिनट तक लेटे रहे। ऐसा करने से पेट दर्द से आरम मिलने के साथ पेट की ऐंठन से भी आराम मिलेगा।

अपच की समस्या होगी दूर -

अगर आपको अपच की समस्या रहती है तो नाभि पर हींग लगाने से आपको फायदा मिलेगा। नाभि पर हींग लगाने से खाना ठीक से पचता है और पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है।

बदलते मौसम में खुद को एनर्जेटिक बनाए रखने के लिए करें ये योगासन

योग शरीर, मन और एनर्जी, शक्ति और सुंदरता का जोड़ है। बदलते मौसम में, सुस्ती, कम एनर्जी, कड़ी मांसपेशियों और दर्दनाक जोड़ों का अनुभव करता है, लेकिन यह भी सच है कि इस मौसम के दौरान, शरीर की प्राकृतिक सहनशक्ति और ताकत अपने हाई लेवल पर होती है, इसलिए ईजी हेल्दी योग को शामिल करें। रोजाना की लाइफ में ये न केवल इम्यूनिटी और एनर्जी को बढ़ावा देगा बल्कि मूड को भी बढ़ाएगा और ये मौसमी बीमारियों और दूसरी हेल्थ प्रॉब्लम से बचाव के लिए शरीर को शक्ति देता है।

नौली : इस आसन को करने पर आपका इम्यून सिस्टम को मजबूत होता है, मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है और ब्लड प्रेशर को नियंत्रित करता है, जिससे डायबिटीज दूर रहती है।

कपालभाति : यह आसन पूरे ठंड के मौसम में बलगम और बासी हवा को साफ करने के लिए बहुत अच्छा है।

भस्त्रिका : डायाफ्राम को हिलाने से यह शरीर के तापमान को बढ़ाता है।

सूर्य नमस्कार : यह मानसिक स्पष्टता, शारीरिक नियंत्रण, एनर्जी और सचेतनता में वृद्धि को बढ़ावा मिलता है।

सेतुबंधासन :यह आसन आपकी भावनाओं को शांत करने और ऊंचा उठाने के साथ-साथ आपके पेट की चर्बी को पिघलाने के लिए अच्छा है।

पश्चिमोत्तानासन : वृद्ध लोग इसका भरपूर आनंद लेते हैं क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा मेहनत नहीं होती है और पीठ की तकलीफ से राहत मिलती है।

उष्ट्रासन : यह श्वसन को बनाए रखने और मांसपेशियों के निर्माण में मदद करता है।

बच्चों में श्वसन संबंधी इन लक्षणों को नजरअंदाज न करें

बच्चे परिवार के सबसे नाजुक और मासूम सदस्य होते हैं और उन्हें बड़ों से विशेष देखभाल और ध्यान देने की आवश्यकता होती है। राष्ट्रीय बाल दिवस बच्चों के कल्याण के बारे में जागरूकता बढ़ाने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है कि उनका भविष्य बेहतर हो। बाल दिवस पर, अल्केम ने अपनी पहल हेल्दी लंग्स के माध्यम से बच्चों में अस्थमा के बारे में जागरूकता फैलाने का संकल्प लिया है। हेल्दी लंग्स पोर्टल एक ऐसा प्लेटफार्म है जहां आपको फेफड़ों से संबंधित बीमारियों की जानकारियां एक ही स्थान पर मिल जाएंगी। यह पोर्टल मरीजों के लिए भी अपने अनुभव साझा करने की सुविधा उपलब्ध कराता है, ताकि रोगी समुदाय तक भी पहुंच संभव हो सके।

अस्थमा एक प्रमुख गैर-संचारी रोग (एनसीडी) है, जो बच्चों और वयस्कों दोनों को प्रभावित करता है, और बच्चों में होने वाली यह सबसे सामान्य दीर्घकालिक बीमारी है। अस्थमा के अधिकतर मामलों में इसका समय पर निदान और उचित उपचार नहीं किया जाता है, विशेष रूप से निम्न और मध्यम आय वाले देशों में। डॉक्टरों ने बच्चों में अस्थमा के बेहतर प्रबंधन के लिए सटीक जानकारियों तक पहुंच के महत्व पर प्रकाश डाला है। इस बाल दिवस पर हेल्दी लंग्स ने माता-पिता तक सही जानकारियां पहुंचाने का निर्णय लिया है ताकि वे अपने बच्चों के बारे में बेहतर निर्णय ले सकें।

अस्थमा पर हाल ही में प्रकाशित महामारी विज्ञान के आंकड़ों से पता चलता है कि भारत में अस्थमा के 3 करोड़ 78 लाख मामले हैं और भारत अस्थमा से होने वाली वैश्विक मौतों में 42 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। बचपन में अस्थमा और एलर्जी के अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन (आईएसएएसी) में, सांस लेते समय घरघर की आवाज़ आने के मामले वैश्विक स्तर पर 6-7 साल के बच्चों में 11.6 प्रतिशत और 13-14 साल के बच्चों में 13.7 प्रतिशत होने का अनुमान है।

भारत में, अस्थमा के कारण हर साल बच्चों की एक करोड़ दिन की स्कूल की छुट्टी हो जाती है और यह बच्चों के अस्पताल में भर्ती होने का तीसरा प्रमुख कारण है। नवजात शिशुओं और स्कूल नहीं जाने वाले छोटे बच्चों में इनडोर और आउटडोर वायु प्रदूषण और सेकेंड हैंड धुम्रपान के एक्सपोज़र के कारण अस्थमा जैसी दीर्घकालिक सांस की बीमारियों का जोखिम जीवनभर के लिए बढ़ जाता है। भारत बच्चों में यातायात से संबंधित प्रदूषण के कारण अस्थमा के मामलों में दूसरे स्थान पर है। विश्वभर में, 5 साल और उससे अधिक उम्र के 11-14 प्रतिशत बच्चे वर्तमान में अस्थमा के लक्षणों की शिकायत करते हैं और इनमें से अनुमानित 44 प्रतिशत पर्यावरणीय जोखिम से संबंधित हैं। समय रहते उपचार न कराने से अस्थमा गंभीर हो सकता है और अक्सर फेफड़ों के दौरे का कारण बनता है जिसके लिए तत्काल अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता होती है।

अस्थमा बार-बार होने वाली फेफड़े की सूजन से संबंधित विकार है जिसमें कुछ ट्रिगर वायुमार्ग की सूजन का कारण बनते हैं और उन्हें अस्थायी रूप से संकरा कर देते हैं, जिसके परिणामस्वरूप सांस लेने में कठिनाई होती है। निदान इस पर आधारित होता है कि बच्चा कितनी बार घरघर की आवाज के साथ सांस लेता है, अस्थमा का पारिवारिक इतिहास है या नहीं और फेफड़े कितनी अच्छी तरह काम कर रहे हैं उसके लिए की जाने वाली जांचों के परिणाम क्या हैं। हालांकि, अक्सर अस्थमा के ट्रिगर्स से बचकर लक्षणों को रोका जा सकता है, वैसे स्वस्थ जीवन जीने के लिए इनहेल्ड कॉर्टिकोस्टेरॉइड्स और ब्रोन्कोडायलेटर्स जैसे दीर्घकालिक उपचारों की आवश्यकता होती है।

बच्चों में अस्थमा के प्रबंधन में प्रमुख चुनौतियों में से एक है, माता-पिता को अपने बच्चों में श्वसन संबंधी लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए और जल्द से जल्द बाल रोग विशेषज्ञ से परामर्श करना चाहिए। बच्चों के अस्थमा को नियंत्रण में रखने के लिए माता-पिता को इनहेलेशन उपकरणों के प्रभावी और नियमित इस्तेमाल के बारे में शिक्षित करना अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

डायबिटीज रोगियों के लिए खतरनाक ये 5 फल

व्यक्ति को सेहतमंद बनाए रखने में फलों का बहुत बड़ा योगदान रहता है। फलों में मौजूद फाइबर पाचन शक्ति को बढ़ाकर व्यक्ति को कई रोगों से भी दूर रखने में मदद करते हैं। बावजूद इसके मधुमेह पीड़ित व्यक्ति को अपने लिए फलों का चुनाव करते समय कुछ विशेष सावधानी बरतने की जरूरत होती है। आइए जानते हैं वो कौन से फल हैं, जिनका सेवन डायबिटीज के मरीजों को नहीं करना चाहिए।

तरबूज - तरबूज न सिर्फ खाने में स्वादिष्ट लगता है बल्कि शरीर में पानी की कमी को भी पूरा करता है। सेहत के लिए फायदेमंद होने के बावजूद डायबिटीज रोगियों को तरबूज के सेवन से बचना चाहिए। यह ब्लड शुगर लेवल को बढ़ाने का काम करता है। मधुमेह के रोगियों को तरबूज खाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए।

अनानास - अनानास यानी पाइनएप्पल में चीनी की मात्रा अधिक होती है। एक कप अनानास के जूस में करीब 16 ग्राम चीनी होती है। पाइनएप्पल का जरूरत से ज्यादा सेवन से खून में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ जाती है। इसलिए डायबिटीज से पीड़ित लोगों को इसे खाने से बचना चाहिए।

आम-आम का सेवन करना डायबिटीज के मरीजों के लिए हानिकारक साबित हो सकता है। 100 ग्राम आम में करीब 14 ग्राम चीनी होती है। ऐसे में डायबिटीज के मरीजों को इसे नहीं खाना चाहिए। ये ब्लड शुगर बढ़ा सकता है।

केला- डायबिटीज के मरीजों के लिए केला भी नुकसानदायक हो सकता है। इसमें शुगर और कार्ब्स दोनों की ही मात्रा अधिक होती है, जिसकी वजह से ब्लड शुगर बढ़ सकता है। इसलिए डायबिटीज में केला का सेवन करने से बचें। **चीकू -**मधुमेह के रोगियों को चीकू खाने से भी परहेज करना चाहिए। ये खाने में बेहद मीठा होता है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी काफी ज्यादा हाई होता है।

हेल्थ और ब्यूटी के लिए रामबाण है अमरूद

सर्दियों के मौसम में आने वाला फल अमरूद स्वाद में लाजवाब होता है। इस ट्रॉपिकल फल को अधिकतर लोग खाना पसंद करते हैं। अमरूद के फायदों और उसके इस्तेमाल से लेकर खाने के सही समय पर इसे खाने के बारे में बताया है।

3 दोषों को करते हैं संतुलित

अमरूद प्रकृति में ठंडे होते हैं और स्वाद में कसैले, मीठे और खट्टे होते हैं। इसी के साथ ये 3 दोषों- वात, पित्त और कफ को संतुलित करते हैं। अमरूद डायट्री फाइबर, विटामिन ए, सी, फोलिक एसिड, मिनरल्स, पोटेशियम, कॉपर, मैंगनीज से भरपूर होते हैं। अमरूद में कैरोटेनॉयड्स और पॉलीफेनोल्स दोनों होते हैं जो उन्हें एंटी-एजिंग और एंटी-कैंसर गुणों के साथ त्वचा और बालों के लिए सबसे अच्छा बनाते हैं।

फल के पत्ते और छाल के भी हैं फायदे

अमरूद फल, पत्ते और छाल सभी भाग औषधि के रूप में इस्तेमाल होते हैं। ये एसिडिटी, पीरियड्स में ऐंठन, मुंह के छाले, माइग्रेन सिरदर्द से राहत दिलाता है। इसके अलावा ये डायबिटीज, कोलेस्ट्रॉल, जोड़ों के दर्द, पोषक तत्वों की कमी, बुखार और वजन घटाने के लिए ये फल बेहतरीन है।

अमरूद पत्तों से काढ़ाः मासिक धर्म की ऐंठन, अम्लता, डायबिटीज

और बालों को हेल्दी रखने के लिए आप काढ़ा बना सकते है। इसे बनाने के लिए 4 कप पानी में 7 से 10 पत्ते उबालें। फिर इसे जब तक उबालें जब तक की यह आधा न रह जाए। फिर इसे खाली पेट दिन में 1-2 बार पीएं।

काढ़े के फायदे

- इस काढ़े से गरारे करने से मुंह के छाले खत्म होते हैं। इसी के साथ मसूड़ों से खून आना बंद हो जाता है और ये मुंह के स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद मिलती है।

- इस काढ़े से अपने बालों को धोने से बालों का झड़ना रोकने में मदद मिलती है। इसी के साथ हेल्दी बालों के ग्रोथ को बढ़ावा मिलता है।

अमरूद पत्तों का पेस्टः अमरूद के ताजे पत्तों का पेस्ट सूजन, बुखार, सिरदर्द और जोड़ों के दर्द से राहत दिलाने में मदद करता है।

अमरूद का फल के तौर पर खाएं: अपनी भूख के अनुसार 1-2 अमरूद एक दिन में खाए जा सकते हैं।

अमरूद खाने के फायदे

- ये आपके वेट लॉस जर्नी को आसान बनाता है। ये आपकी क्रेविंग को कम करता है और आपके पेट को भरा रखने में मदद मिलती है।

- आपके दिल के साथ-साथ शुगर के लेवल को नियंत्रित रखने में भी मदद करता है। यह एक कार्डियो प्रोटेक्टिव है।

- यह आंखों के लिए अच्छा है, आईसाइट में सुधार करता है क्योंकि इसमें विटामिन ए की मात्रा ज्यादा होती है।

- विटामिन सी और दूसरे एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होने के कारण त्वचा और बालों को बेहतर बनाने में मदद करता है।

- पीरियड्स की ऐंठन से लेकर माइग्रेन तक, अमरूद इन सभी में काम करता है।

अमरूद खाने का सबसे अच्छा समय

अमरूद प्रकृति रूप से ठंडा होता है, इसलिए इसे तब खाना सबसे अच्छा होता है जब सूरज ऊपर हो। यानी दोपहर के समय में इसे खाया जा सकता है। इसे दोपहर के खाने से एक घंटे पहले या दोपहर के खाने के 2 घंटे बाद तक खाया जा सकता है। इसके अलावा देर शाम, सुबह जल्दी या रात में इसे खाने से बचना चाहिए।

एक उम्र के बाद अपने आप को बूस्ट करने के लिए खाएं ये चीजें

फिजिकल रिलेशन पार्टनर के साथ बॉन्डिंग मजबूत करने के लिए काफी जरूरी है। हालांकि उम्र के साथ-साथ महिला और पुरुष दोनों की सेक्स ड्राइव कमजोर हो जाती है ऐसे में कपल्स के बीच तनाव होने लगते हैं। कुछ चीजों को खाकर इसे बूस्ट किया जा सकता है।

अंजीर में फ्लेवोनोइड्स, पॉलीफेनोल्स और एंटीऑक्सिडेंट होते हैं, जो आपकी कामेच्छा बढ़ाने और यौन सहनशक्ति को बढ़ाने के लिए जरूरी हैं। अपने आप को बूस्ट करने और प्रजनन क्षमता को बढ़ाने के लिए बेसिल के पत्ते अच्छे होते हैं। यह शरीर और मन दोनों के लिए बेहतरीन होता है। शहद टेस्टोस्टेरोन के स्तर को बढ़ाता है, ये हार्मोन जो पुरुषों और महिलाओं दोनों में सेक्स ड्राइव और ऑर्गेज्म को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार होते है। लहसुन में एलिसिन होता है, जो एक ऐसा यौगिक है जो पुरुषों और महिलाओं दोनों के यौन अंगों में ब्लड फ्लो को

बढ़ाता है। चॉकलेट में फेनिलएथिलमिन होता है, जो प्यार में होने की भावना पैदा करता है। यह सेरोटोनिन और एंडोर्फिन को भी रिलीज करता है जो आपके मूड को बेहतर बनाता है। मिर्च में कैप्साइसिन नामक केमिकल होता है, जो एंडोर्फिन के फ्लो को ट्रिगर करता है और आपकी सेक्स लाइफ को बूस्ट कर सकता है। एवोकाडो पुरुष और महिला दोनों में कामेच्छा बढ़ाने में मदद करता है क्योंकि इसमें बहुत ज्यादा फोलिक एसिड होता है, जो शरीर को प्रोटीन के मेटाबालिज्म में मदद करता है और ज्यादा ऊर्जा और सहनशक्ति देता है।

मच्छरों के आतंक से कैसे बचे?

प्रश्न : मच्छरों के आतंक से कैसे बचे? यदि मच्छरों के काटने से जोर हो जाता है तब क्या करें?

- भगवान दास शर्मा, सिकंदराबाद

उत्तर : इन दिनों मच्छरों का आतंक बड़ी तेजी से बढ़ रहा है। मच्छर काटने से पहले मलेरिया का ही खतरा था, पर अब देश की राजधानी दिल्ली समेत मुंबई, पुणे, हैदराबाद और बेंगलुरु में भी डेंगू पैर पसारने लगा है। मच्छरों से ही ब्रेन फीवर, येलो फीवर, फाइलेरिया व विषम ज्वर जैसे रोग हो हो सकते हैं । मच्छरों के आतंक से बचने के लिए जहां मच्छर पैदा होते हैं वहां दवाओं का छिड़काव करें। कहीं भी ठहरा हुआ पानी, कूलर में रखा पानी, गड्ढों में जमा पानी आदि है तो उसे खाली कर दे। घरों में सूखा नीम या नारियल की जुट्टू जलाएं। गुड नाइट या कोई भी श्रेष्ठ मच्छरमारक दवा का छिड़काव करें।कूलर का पानी बार-बार बदलते रहे। यदि ठंड लगकर तेज ज्वर आता हो तब मलेरिया की जांच करवाएं। मलेरिया का निदान होने पर ऊंझा महासुदर्शन घन वटी, त्रिभुवन कीर्ति रस एवं ऊंझा अमृतारिष्ट दिन में तीन बार भोजन के बाद लेवें। डेंगू की जांच और निदान होने पर संशमनी वटी औरा गुडूची घन,औरा तुलसी घनवटी और ऊंझा वसंत मालती रस लेवें।

मच्छर को पैदा ही ना होने दें। तभी आप मच्छर से बच सकते हैं। मच्छरदानी या मॉस्किटो रेपेलेंट का प्रयोग भी निरापद है। जहां जहां गंदगी और पानी होगा वही मच्छर पैदा होंगे। इसलिए साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें।

प्रश्न : शीतकाल में कौन से रसायन लिए जा सकते हैं? कृपया बताएं।

- श्रीमती महादेवी गुप्ता, हैदराबाद

उत्तर : रस -रक्त आदि धातुओं को जो शरीर में बढ़ाएं, ओज को बढ़ाएं और रोग प्रतिरोधक शक्ति को बढ़ाएं- उसे रसायन की श्रेणी में रखा जाता है। वैसे रसायन साल के बारहों महीने लिए जा सकते हैं। पर शीतकाल इसके लिए सबसे उपयुक्त है। शीतकाल में अग्नि बल बढ़ा हुआ रहता है। पूरे परिवार के लिए ऊंझा चवनप्राश स्पेशल एक उपयुक्त रसायन है ।

कमजोर और नाज़ुक शारीरिक स्वास्थ्य के व्यक्तियों के लिए औरा कोहिनूरप्राश एक रसायन है।

वयस्क व्यक्तियों के बल को बढ़ाने, उन्हें रोग मुक्त रखने, उनमें जीवनी शक्ति का संचार करने के लिए रजवाड़ीप्राश एक श्रेष्ठ रसायन है। मधुमेही शुगर फ्री रजवाड़ीप्राश का सेवन कर सकते हैं । इन रसायनों के सेवन के बाद दूध का अनुमान आवश्यक है। रसायन के समय खटाई, गरिष्ठ भोजन, तामसिक आहार, बासी भोजन से बचें । भोजन के बाद ऊंझा सारस्वतारिष्ट, ऊंझा द्राक्षासव, दशमूलारिष्ट प्रत्येक की 10- 10 मिलीलीटर दवा को आधे कप गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करना रसायन का लाभ देता है।

प्रश्न : यदि किसी कारण से हाथ जल जाए या हाथ में पटाखा फूट जाए तो प्रारंभिक उपचार क्या करें? - गुरमीत सिंह , बीदर

उत्तर : दीपावली , देव दिवाली गुरु पूर्णिमा जैसे त्योहारों में दीप जलाए जाते हैं। पटाखे फोड़े जाते हैं । असावधानी से यदि दीप प्रज्वलन या पटाखे जलाते समय कोई हादसा हो तब घबराए नहीं। इन उपायों का प्रयोग करें ,और गंभीर रूप से जलने पर तुरंत बड़े अस्पताल में मरीज को ले जाएं।

* जले हुए भाग में नारियल तेल और चूने के पानी में मिलाएं घोल को लगाएं।

* ग्वारपाठा या घृतकुमारी के गूदे को जले हुए घाव पर लगाने से तुरंत आराम मिलता है। रेडीमेड एलोवेरा जेल भी अत्यंत उपयोगी है।

* जले हुए घाव पर शहद लगाने से भी तुरंत राहत मिलती है।

* आयुर्वेद का प्रसिद्ध ऊंझा जात्यादि तेल लगाने से भी जले जख्म भर जाते हैं।

* आलू के पतले पतले छिलके दग्ध व्रण पर रखना राहत पहुंचाता हैं।

* दग्ध व्रण में शुद्ध नारियल तेल या शुद्ध गाय का घी लगाने से जले की जलन शांत होकर घाव भरता है। * जले घाव को शीतल जल से धोकर सरसों का तेल लगाना भी लाभप्रद रहता है। * पंचगुण तेल या जात्यादि घृत लगाना भी हितकारी है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :

purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी

स्वतंत्र वार्ता

396, लोअर टैंक बंड, हैदराबाद-80

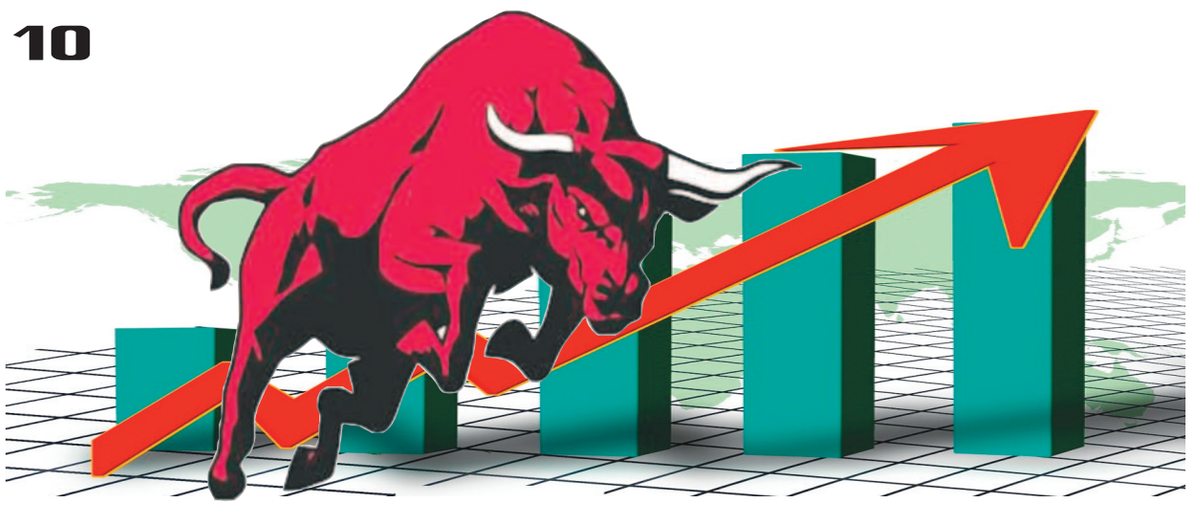

क्रिप्टो डॉट कॉम ने गलती से दूसरे कॉर्पोरेट अकाउंट में भेजे 40 करोड़ डॉलर

सैन फ्रांसिस्को, 14 नवंबर (एजेंसियां)। क्रिप्टो डॉट कॉम ने स्वीकार किया है कि उसने गलती से एथेरियम डिजिटल कॉइन में 40 करोड़ डॉलर से अधिक की राशि एक अन्य क्रिप्टो एक्सचेंज गेट डॉट आईओ को भेज दी थी। क्रिप्टो डॉट कॉम के सीईओ क्रिस मार्सजालेक ने एक ट्वीट में कहा कि कंपनी को अपने ऑफलाइन वॉलेट में 320,000 क्रिप्टो भेजना था, लेकिन गलती से इसे गेट.आईओ पर कॉर्पोरेट अकाउंट से संबंधित व्हाइट लिस्टिड एड्रेस पर भेज दिया गया। मार्सजालेक ने बताया, यह एक नए कोल्ड स्टोरेज एड्रेस पर जाने वाला था, लेकिन व्हाइट लिस्टिड वाले एक्सटर्नल एक्सचेंज एड्रेस पर भेज दिया गया। हमने गेट टीम के साथ काम किया और बाद में हमारे कोल्ड स्टोरेज में फंड वापस आ गए। इसे फिर से होने से रोकने के लिए नई प्रक्रिया और सुविधाओं को लागू किया गया। क्रिप्टो डॉट कॉम के सीईओ ने कहा कि ट्विटर पर इतनी अटकलें पैदा करने वाले ट्रांसफर तीन हफ्ते पहले 21 अक्टूबर को गेट डॉट आईओ पर क्रिप्टो डॉट कॉम के व्हाइट लिस्टिड कॉर्पोरेट अकाउंट में किए गए थे क्रिप्टो डॉट कॉम अगले दिन अपने कोल्ड स्टोरेज वॉलेट में फंड वापस लेने के लिए आगे बढ़ा। कंपनी ने बताया, क्रिप्टो डॉट कॉम द्वारा ईटीएच की संपूर्णता को सफलतापूर्वक वापस ले लिया गया और हमारे कोल्ड स्टोरेज में वापस आ गया। अगस्त में, क्रिप्टो कॉम ने एक ग्राहक को 68 डॉलर रिफंड के बजाय 7.12 मिलियन डॉलर दिए, जिसे वापस प्राप्त करना बाकी है। ग्राहक पर मुकदमा चलाने की सूचना मिली थी।

गिरावट में बंद हुआ शेयर बाजार:सेंसेक्स 170 अंक गिरकर 61,624 पर बंद

निफ्टी 20 अंक टूटा; क्यू2 रिजल्ट के बाद एलआईसी का शेयर 6% चढ़ा

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में हफ्ते के चौथे पहले कारोबारी दिन, यानी सोमवार (14 नवंबर) को गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स करीब 170 अंकों की गिरावट के साथ 61,624 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 20 अंक गिरकर 18,329 के स्तर पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 में से 17 शेयरों में तेजी देखने को मिली। वहीं सिर्फ 13 शेयरों में गिरावट रही। हिंडाल्को, अपोलो हॉस्पिटल, टाटा मोटर्स, ग्रासिम, पावर ग्रिड, कोटक बैंक, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील समेत 26 शेयर्स निफ्टी के टॉप गेनर रहे। डॉ रेड्डी, कोल इंडिया, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले इंडिया, ओएनजीसी, टाइटन समेत 24 शेयर्स निफ्टी के लूजर्स रहे। एलआईसी का शेयर आज 36.50 रुपए यानी करीब 6% की तेजी के साथ 664.20 रुपए पर बंद हुआ। शुक्रवार को 30 सितंबर 2022 को खत्म दूसरी तिमाही (क्यू2एफवाई23) के रिजल्ट आने के बाद एलआईसी के शेयर में यह तेजी देखने को मिली। इस तिमाही में एलआईसी का नेट प्रॉफिट साल-दर-साल 11 गुना बढ़कर 15,952.49 करोड़ रुपए रहा। पिछले साल की समान तिमाही में एलआईसी का नेट प्रॉफिट 1,433.71 करोड़ रुपए था।

वहीं एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 6 में गिरावट रही। मीडिया सेक्टर में सबसे ज्यादा 2.40% की गिरावट देखने को मिली। एफएमसीजी सेक्टर में 1.35% की गिरावट रही। बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, पीएसयू बैंक और प्राइवेट बैंक सेक्टर में भी गिरावट देखने को मिली। वहीं मेटल, रियल्टी, ऑटो, आईटी और फार्मा सेक्टर में तेजी रही।इससे पहले बाजार में शुक्रवार को तेजी रही थी। सेंसेक्स 1,181 अंक चढ़कर 61,795 पर बंद हुआ था।

यह सेंसेक्स का पिछले एक साल का उच्चतम स्तर और अब तक का उच्चतम बंद स्तर है। उच्चतर स्तर 62,246 है, जो 19 अक्टूबर 2021 को बना था।

एसबीआई से भी आगे निकला बैंक ऑफ महाराष्ट्र

कर्ज बांटने की दर में 29 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ऋण वृद्धि दर के मामले में वित्तीय वर्ष 2022-23 की दूसरी तिमाही में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के बीच अव्वल रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 की सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की तिमाही आंकड़ों के मुताबिक जुलाई से सितंबर तिमाही में बैंक ऑफ महाराष्ट्र का सकल ऋण 28.62 प्रतिशत बढ़कर 1,48,216 करोड़ रुपये हो गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र के बाद इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर यूनियन बैंक ऑफ इंडिया रहा। इसके लोन की वृद्धि दर 21.54 प्रतिशत रही। उसने जुलाई से सितंबर तिमाही में 7,52,469 करोड़ रुपये के ऋण आवंटित किए। आंकड़ों के अनुसार लिस्ट में तीसरे स्थान पर सार्वजनिक क्षेत्र का सबसे बड़ा बैंक भारतीय स्टेट बैंक रहा। इसकी ऋण वृद्धि दर 18.15 प्रतिशत रही और एसबीआई ने जुलाई से सितंबर तिमाही में कुल 25,47,390 करोड़ रुपये के ऋण बांटे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

विक्रम श्री नल नाम संवत्- 2079
शक संवत् -1944, कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426878
कलियुग संवत् -5123 वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् -1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885123
महावीर निर्वाण संवत् -2549,हिजरी सन् -1443
ऋतु:हेमन्त दिशाशूल-उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- सप्तमी - 05-49 दिनरात तक
मास - मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष , मंगलवार Nov 15
नक्षत्र - पुष्य - 16 - 12 - तक उपरान्त आश्लेषा
योग - शुक्ल -24 - 30 - तक उप-
करण- विष्टि - 16 - 37 - तक उप- बव
विशेष:-
व्रत -त्योहार .जिनकान्तिसूरी पुण्य

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य- तुला	में	कन्या..	02-15 बजे
चंद्र- कर्क	में	तुला..	04-21 बजे
मंगल मिथुन	में	वृश्चिक	06-31 बजे
बुध- वृश्चिक	में	धनु...	08-44 बजे
गुरु- मीन	में	मकर-	10-50 बजे
शुक्र- वृश्चिक	में	कुंभ-	12-41 बजे
शनि- मकर	में	मीन...	14-19 बजे
राहु- मेष	में	मेष...	15-55 बजे
केतु- तुला	में	वृष...	17-40 बजे
		मिथुन..	19-41 बजे
		कर्क...	21-52 बजे
		सिंह...	00-05 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 14:50 से 16:14 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	06:24 - 07:47	अशुभ	काल.	17:39 - 19:15	अशुभ
उत्पात	07:47 - 09:11	अशुभ	लाभ.	19:15 - 20:50	शुभ
चंचल	09:11 - 10:36	शुभ	उत्पात	20:50 - 22:25	अशुभ
लाभ	10:36 - 12:01	शुभ	शुभ	22:25 - 00:01	शुभ
अमृत	12:01 - 13:25	शुभ	अमृत	00:01 - 01:36	शुभ
काल	13:25 - 14:50	अशुभ	चंचल	01:36 - 03:12	शुभ
शुभ	14:50 - 16:14	शुभ	रोग	03:12 - 04:47	अशुभ
रोग	16:14 - 17:36	अशुभ	काल	04:47 - 06:20	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ) आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं। फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी।आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी।समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नहीं है।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो) आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खुब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें। अपने कार्यक्रम की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा) आप आजकल हर किसी की नजर में हैं।जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे।इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं।यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ।हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो) आज का दिन सभी भावनात्मक और वास्तविक मुद्दों के मामले उतार चढाव भरा रहेगा।ग्रहों की चाल यह बता रही है कि आप सुबह भावनात्मक बने रह सकते हैं और सब चीजों के बारे में अपनी भावनात्मक प्रतिक्रिया के नजरिये से ही सोचेंगे इससे कुछ गलत फैसलों की भी सम्भावना है लेकिन शाम तक सब ठीक हो जाएगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे) इस समय आपके जीवन में पुराने सम्बन्ध और संपर्क महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।आपके ऊपर हर जगह बहुत अच्छा कार्य करने का काफी दबाव होगा लेकिन आपको यह समझने की जरुरत है कि ज्यादा दबाव आपके खुद के तय किये हुए बहुत ऊँचे मानकों के कारण है।ईमानदारी और एकाग्रता आपको बहुत आगे ले जायेगी।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) आज का दिन बहुत अच्छा रहेगा और बहुत से लोग आपको आपकी दयनीय स्थिति से निकालने के लिए हाथ बढ़ाएंगे।लेकिन आप इस स्थिति में किसी और की गलती की वजह से फंसे हैं,अबकी बार ऐसे लोगों से सावधान रहें। आज आपको अपनी जीत का जश्न मनाना चाहिए।

तुला (रा री रू रे रो ता ती तू ते) आज सगे सम्बन्धियों से मुलाकात हो सकती है,फोन या मेल के द्वारा भी संपर्क हो सकता है।वर्तमान समय अपने सामाजिक कौशलों को निखारने तथा आने वाली पार्टियों के लिए खुद को तैयार करने का बिलकुल सही समय है।दिन के आगे बढ़ने के साथ साथ वित्तीय परेशानियां आपने आप दूर होती जायेंगी।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू) व्यवसाय सम्बन्धी परेशानियां हल होंगी लेकिन तब तक आपको बोलने ,लिखने और काम में भी आक्रामक नहीं होना है। निजी जीवन से सम्बंधित परेशानियां झेल रहे लोगों को अपनों के लिए समय निकालना चाहिए। आप लम्बे समय से स्वास्थ्य की उपेक्षा कर रहे हैं ,इस पर ध्यान दें।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे) आपके आसपास आपका ध्यान और समय बांटने वाली बहुत सी गतिविधियाँ चल रही हैंछोटी-मोटी बातों पर समय व्यर्थ ना करें।एकाग्र रहें,तभी आपको मुक्त ऊर्जा का प्रवाह अनुभव हो पायेगा।अगर आपको यह मिल गया तो आपकी ज़िन्दगी बन जायेगी। घबराएं नहीं,ध्यान से समझकर समय रहते अवसर का लाभ उठायें।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी) दिन के आगे बढ़ने के साथ चिंता भी बढ़ेगी। लेकिन लक्ष्य प्राप्त करने तक हिम्मत ना छोड़ें।हारना या जीतना नहीं,आपके प्रयास सबसे अधिक महत्वपूर्ण हैं। आपने निरंतर प्रयास किये हैं ,लेकिन अभी इन्हें बनाये रखना होगा।समस्याओं की तह तक जाने की कोशिश करें ताकि इन्हें हमेशा के लिए खतम कर सकें।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा) आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे। आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें।आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योंकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी। आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची) आप प्रेरणा से भरे हैं और काफी अच्छी स्थिति में भी हैं।आपका दिमाग सक्रिय है और इसमें नए नए विहार और नीतियां आती रहती हैं। आज का दिन आपके लिए सफलता से भरा रहेगा। हालाँकि अगर आपने अपने स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया तो यह सब उल्टा-पुल्टा भी हो सकता है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

18 महीने बाद सिंगल डिजिट में थोक महंगाई

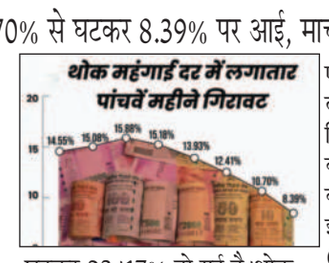

अक्टूबर में डब्ल्यूपीआई 10.70% से घटकर 8.39% पर आई, मार्च 2021 के बाद सबसे कम

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। अक्टूबर महीने में थोक महंगाई दर में गिरावट देखने को मिली। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, होलसेल प्राइस-बेस्ड इन्फ्लेशन (डब्ल्यूपीआई) 8.39% पर आ गई है। इससे पहले सितंबर में ये 10.70%, अगस्त में 12.41% और जुलाई में 13.93% पर थी। पिछले साल अक्टूबर 2021 में डब्ल्यूपीआई 13.83% रही थी। लगातार 18 महीनों तक डबल डिजिट में बने रहने के बाद डब्ल्यूपीआई अब 19वें महीने में सिंगल डिजिट में आई है। इतना ही नहीं मार्च 2021 के बाद से पहली बार डब्ल्यूपीआई सबसे कम हुई है। मार्च 2021 में डब्ल्यूपीआई 7.89% पर थी। डब्ल्यूपीआई को कमोडिटी की कीमतों में गिरावट से मदद मिली है। फ्यूल और पावर इंडेक्स, जिसमें एलपीजी, पेट्रोलियम और डीजल जैसे आइटम शामिल हैं, इनकी महंगाई 32.61% से घटकर 23.17% हो गई है।थोक महंगाई के लंबे समय तक बढ़े रहना चिंता का विषय होता है। ये ज्यादातर प्रोडक्टिव सेक्टर को प्रभावित करती है। यदि थोक मूल्य बहुत ज्यादा समय तक उच्च रहता है, तो प्रड्यूसर इसे कंज्यूमर्स को पास कर देते हैं। सरकार केवल टैक्स के जरिए डब्ल्यूपीआई को कंट्रोल कर सकती है। जैसे कच्चे तेल में तेज बढ़ोतरी की स्थिति में सरकार ने ईंधन पर एक्साइज ड्यूटी कटौती की थी। हालांकि, सरकार टैक्स कटौती एक सीमा में ही कर सकती है, क्योंकि उसे भी सैलरी देना होता है। आईडब्ल्यूपी में ज्यादा वेटेज मेटल, केमिकल, प्लास्टिक, रबर जैसे फैक्ट्री से जुड़े सामानों का होता है। भारत में दो तरह की महंगाई होती है। एक रिटेल, यानी खुदरा और दूसरी थोक महंगाई होती है। रिटेल महंगाई दर आम ग्राहकों की तरफ से दी जाने वाली कीमतों पर आधारित होती है। इसको कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) भी कहते हैं। वहीं, होलसेल प्राइस इंडेक्स (आईडब्ल्यूपी) का अर्थ उन कीमतों से होता है, जो थोक बाजार में एक कारोबारी दूसरे कारोबारी से वसूलता है। ये कीमतें थोक में किए गए सौदों से जुड़ी होती हैं। दोनों तरह की महंगाई को मापने के लिए अलग-अलग आइटम को शामिल किया जाता है। जैसे थोक महंगाई में मैन्युफैक्चर्ड प्रोडक्ट्स की हिस्सेदारी 63.75%, प्राइमरी आर्टिकल जैसे फूड 20.02% और फ्यूल एंड पावर 14.23% होती है। वहीं, रिटेल महंगाई में फूड और प्रोडक्ट की भागीदारी 45.86%, हाउसिंग की 10.07%, कपड़े की 6.53% और फ्यूल सहित अन्य आइटम की भी भागीदारी होती है।

शिव नादर देश के सबसे बड़े दानवीर

देश के टॉप 10 में जेरोधा के संस्थापक 'कामथ बंधु' भी

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। एचसीएल टेक्नोलॉजीज के संस्थापक शिव नादर दान देने वाले भारतीय अरबपतियों की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं, विप्रो के अजीम प्रेमजी इस सूची में दूसरे स्थान पर खिसक गए हैं। जेरोधा के सह-संस्थापक नितिन कामथ और निखिल कामथ देश के सबसे अमीर उद्यमियों में से एक होने के अलावा देश के शीर्ष 10 व्यक्ति दानवीरों की सूची में भी शामिल हो गए हैं। एडेलगिव हुरुन परोपकार सूची 2022 के अनुसार उनकी ओर से किया गया दान पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में वित्तीय वर्ष 22 में 308 प्रतिशत बढ़कर 100 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जिससे वे भारत में नौवें सबसे बड़े व्यक्तिगत दानवीर बन गए हैं। हुरुन इंडिया की रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों भाइयों ने अपनी संपत्ति का एक चौथाई हिस्सा परोपकार के लिए दान कर दिया है, उनकी अगले तीन वर्षों में और 750 करोड़ रुपये दान देने की योजना है। इसके अलावा 36 वर्षीय निखिल कामथ सूची में सबसे कम उम्र के परोपकारी व्यक्ति के रूप में शामिल हैं। कामथ ब्रदर्स के दान का प्राथमिक कारण आपदा राहत है। वे जिन अन्य सामाजिक कार्यों का समर्थन करते हैं उनमें पर्यावरण और स्थिरता शामिल है। हुरुन इंडिया ने कहा कि 'पर्यावरण और स्थिरता' के लिए उन्होंने वित्त वर्ष 22 में 46 प्रतिशत वृद्धि के साथ 193 करोड़ रुपये दान में दिए हैं। एडेलगिव हुरुन इंडिया परोपकार सूची-2022 के मुताबिक, शिव नादर ने वित्त वर्ष 2022 में 1,161 करोड़ रुपये का दान दिया। इस दौरान उन्होंने प्रतिदिन 3 करोड़ रुपये दान किए। पिछले दो साल से इस सूची में शीर्ष पर रहने वाले अजीम प्रेमजी ने 2021-22 में 484 करोड़ रुपये दान किए। मुकेश अंबानी 411 करोड़ रुपये दान करने के साथ सूची में तीसरे और कुमार मंगलम बिड़ला 242 करोड़ के साथ चौथे स्थान पर हैं। माइंडट्री के सुब्रतो बागची और एनएस पार्थसारथी पांचवें स्थान पर हैं। दोनों पहली बार शीर्ष-10 में पहुंचे हैं। गौतम अदाणी 190 करोड़ के साथ 7वें, अनिल अग्रवाल 165 करोड़ के साथ 8वें, नंदन निलेकणि 159 करोड़ के साथ 9वें और एलएंडटी के एएम नाइक 10वें स्थान पर हैं।

रतन टाटा का बड़ा दांव, एक झटके में दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन बन जाएगी एयर इंडिया

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। टाटा संस एयरलाइन सेक्टर में बड़ा दांव खेलने की तैयारी में है। टाटा ग्रुप ने हाल में सरकारी एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया को खरीदा था। टाटा संस अब वह अपनी बाकी तीन एयरलाइंस विस्तारा , एयर एशिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस का एयर इंडिया में मर्जर करने जा रही है। कंपनी ने इसकी प्रक्रिया शुरू कर दी है। विस्तारा में सिंगापुर एयरलाइंस टाटा ग्रुप की पार्टनर है। माना जा रहा है कि टाटा की इस बारे में सिंगापुर एयरलाइंस से बात हो गई है। इस कदम से एयर इंडिया फ्लीट और मार्केट शेयर के हिसाब से देश की दूसरी सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी बन जाएगी। सूत्रों के मुताबिक एयर इंडिया के तहत एक लो-कॉस्ट एयरलाइन और एक फुल सर्विस एयरलाइन होगी। इस बारे में एक हफ्ते में आधिकारिक घोषणा हो सकती है। दोनों एयरलाइंस जल्दी ही कमर्शियल ऑपरेशन शुरू कर सकती हैं। लेकिन एक एंटिटी के तौर पर काम शुरू करने में इसे एक साल से अधिक समय लग सकता है। विस्तारा को चलाने वाली कंपनी टाटा सिंगापुर एयरलाइंस को एयर इंडिया में मर्ज किया जा रहा है। विस्तारा ब्रांड को ड्रॉप किया जा सकता है। एयर इंडिया में सिंगापुर एयरलाइंस की 20 से 25 फीसदी हिस्सेदारी होगी। इसके साथ ही विस्तारा के कुछ बोर्ड मेंबर्स को एयर इंडिया के बोर्ड में शामिल किया जा सकता है। अभी विस्तारा की पेरेंट कंपनी टाटा सिंगापुर एयरलाइंस में सिंगापुर एयरलाइंस की 49 फीसदी हिस्सेदारी है। टाटा संस और विस्तारा ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। विस्तारा में टाटा संस की 51 फीसदी हिस्सेदारी है।

भारत- म्यांमार -भूटान रेल लिंक का सर्वेक्षण पूरा

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के जीएम ने दी जानकारी

गुवाहाटी, 14 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेल पड़ोसी देशों के साथ अपने रेलवे नेटवर्क का विस्तार तेजी से कर रहा है। पाकिस्तान, बांग्लादेश के बाद भूटान और म्यांमार के लिए रेल सेवा जोड़ने पर तेजी से काम हो रहा है। इन सब के बीच पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के जीएम अंशुल गुप्ता ने रेलवे के नए प्रोजेक्टस को लेकर बड़ी जानकारी दी है। इसके तहत उन्होंने भारत-म्यांमार -भूटान रेल लिंक के बारे में ताजा अपडेट दिया है। उन्होंने कहा कि भारत-म्यांमार रेल लिंक का सर्वेक्षण पूरा हो गया है।म्यांमार रेल कनेक्टिविटी मणिपुर के मोरेह तक की जाएगी। परियोजना स्वीकृत होने के साथ ही इसपर काम शुरू कर दिया जाएगा, हमें उम्मीद है कि यह 2-2.15 वर्षों में पूरा हो जाएगा। वहीं पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के जीएम अंशुल गुप्ता ने नेपाल रेल कनेक्टिविटी के बारे में भी नई जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि विराटनगर तक रेल सेवा को जोड़ने के लिए काम जारी है और यह मार्च तक पूरा हो जाएगा। इसके अलावा नेपाल कस्टम यार्ड के लिए दिसंबर तक काम पूरा कर लिया जाएगा। अंशुल गुप्ता ने कहा कि जहां तक भूटान से संपर्क का संबंध है, पहले रेल लिंक के लिए सर्वेक्षण शुरू हो गया है। यह मार्च तक पूरा हो जाएगा। कनेक्टिविटी कोकराझार (असम) से गेलेफू (भूटान) तक होगी। हम आशा करते हैं कि परियोजना स्वीकृत होते ही 2-2.15 वर्ष में कार्य पूर्ण हो जाएगा। अंशुल गुप्ता ने कहा कि हमने पहले से ही बांग्लादेश के लिए न्यू जलपाईगुड़ी मिताली एक्सप्रेस ट्रेन चला रखी है।

इंडिया स्टोनमार्ट 2022 में 1200 करोड़ रुपए का हुआ व्यवसाय, 30,000 विजिटर्स हुए शामिल

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। इंडिया स्टोनमार्ट 2022 के 11वें संस्करण का उत्साह और जोश के साथ समापन हुआ। समापन सत्र को संबोधित करते हुए, राजस्थान की उद्योग मंत्री श्रीमती शकुंतला रावत ने कहा कि गत संस्करणों की तरह 11वां स्टोनमार्ट खरीदारों व विक्रेताओं, दोनों के लिए विचारों के आदान-प्रदान करने, प्रत्यक्ष व्यापारिक लिंक बनाने और स्टोन मार्केट के विकास में उपयोगी रहा है। उन्होंने घोषणा की कि इंडिया स्टोनमार्ट का 12वां संस्करण 2024 में 1 से 4 फरवरी तक आयोजित किया जाएगा। इंडिया स्टोनमार्ट के 11वें संस्करण का आयोजन राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं निवेश निगम लिमिटेड (रीको), सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ स्टोन्स (सीडॉस) और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मंत्री ने आगे कहा कि राजस्थान के स्टोन उद्योग का भविष्य उज्ज्वल है। इसकी अपनी एक अलग पहचान है और देश-विदेश में राज्य के स्टोन्स की भारी मांग है। राम मंदिर के निर्माण के लिए भी राजस्थान के पत्थर का इस्तेमाल किया जा रहा है। विशेष रूप से राजस्थान के सैंडस्टोन व ग्रेनाइट की मांग दुनियाभर में तेजी से बढ़ रही है। रीको व सीडॉस के चेयरमैन कुलदीप रांका ने कहा कि राजस्थान में अग्रणी नीतियों के कारण राज्य में औद्योगिक निवेश में 535 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि दर है। देश में औद्योगिक निवेश का 75 प्रतिशत हिस्सा राजस्थान, महाराष्ट्र और गुजरात राज्यों का है। भले ही गुजरात और महाराष्ट्र को समुद्र तट का लाभ मिलता है, राजस्थान अभी भी भारी औद्योगिक निवेश को आकर्षित करता है और अन्य राज्यों के लिए एक रोल मॉडल बन गया है। रांका ने आगे कहा कि मशीनरी का भारतीयकरण होने से लागत कम होने व उद्योग का विस्तार करने में मदद मिली है।

उन्होंने आगे कहा कि हमारे इतिहास को संरक्षित करने और हमारी संस्कृति को जीवंत रखने में स्टोन्स की बहुत बड़ी भूमिका है। रीको के प्रबंध निदेशक शिवप्रसाद नकाते ने कहा कि मार्ट से 1200 करोड़ रुपए का व्यवसाय व व्यापार हुआ है। पिछले चार दिनों में मार्ट में 30,000 विजिटर्स आए और 19 देशों के 116 खरीदारों के साथ 1400 बी2बी मीटिंग्स आयोजित की गईं।

चीन से माल मंगाकर डकार गए 16,000 करोड़ रुपये!

अब इनकम टैक्स के अधिकारी पड़े हैं पीछे

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। हाल में चीन और भारत के द्विपक्षीय व्यापार के आंकड़े जारी किए थे। दोनों के आंकड़ों में भारी अंतर था। अब इनकम टैक्स विभाग के अधिकारी मामले जांच कर रहे हैं। इस बात का संदेह है कि कुछ लोगों ने चीन से माल मंगाकर उसका बिल कम दिखाया और अरबों रुपये की टैक्स चोरी की। कस्टम विभाग ने सितंबर के अंतिम हफ्ते में 32 इंपोर्टर्स को नोटिस जारी किए। इन लोगों पर अप्रैल 2019 से दिसंबर 2020 के बीच बिल कम दिखाकर 16,000 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का संदेह है। इन लोगों ने चीन से जो माल मंगाया था उनमें ज्यादातर इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स, गैजेट्स और मेटल्स शामिल हैं। एक सीनियर सरकारी अधिकारी ने ईटी को बताया कि जांच में पाया गया है कि खासकर चीन से आयात करने वाले कई इंपोर्टर्स ने बिल विल कम दिखाया। 32 इंपोर्टर्स को पहले ही नोटिस भेजा जा चुका है। इसमें कुल 16,000 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी का शक है। आने वाले दिनों में कुछ और इंपोर्टर्स को नोटिस जारी किया जा सकता है। अमूमन इंपोर्टर्स कस्टम ड्यूटी बचाने के लिए बिल कम दिखाते हैं। घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक गुड्स और मोबाइल फोन के आयात पर आयात शुल्क बढ़ाया है। यही कारण है कि टैक्स देने से बचने के लिए इंपोर्टर्स बिल को कम दिखाते हैं। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक इस साल के पहले नौ महीनों में भारत ने चीन से 79.16 अरब डॉलर का आयात किया। दूसरी ओर चीन सरकार के आंकड़ों के मुताबिक वहां से भारत को 89.99 अरब डॉलर का निर्यात किया गया। यानी दोनों देशों के आंकड़ों में सीधे 10 अरब डॉलर का अंतर था। दोनों देशों के बीच यह आंकड़ा साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। 2019 में भारत ने चीन से 68.35 अरब डॉलर का आयात किया था जबकि चीन के मुताबिक उसने भारत को 74.92 अरब डॉलर का निर्यात किया। इस तरह दोनों देशों के आंकड़े में छह अरब डॉलर का अंतर था। 2020 में यह अंतर आठ अरब डॉलर और 2021 में 10 अरब डॉलर पहुंच गया।

सीरिया में इस्राइली हवाई हमले में दो सैनिकों की मौत तीन घायल

सीरिया, 14 नवंबर (एजेंसियां)। इस्राइल के हवाई हमलों में दो सीरियाई सैनिकों की मौत हो गई साथ तीन घायल हो गए। सीरिया की स्थानीय मीडिया के मुताबिक हमलों में शायरत एयरबेस को निशाना बनाया जिस पर काफी नुकसान हुआ है।

इस्तांबुल बम धमाके का संदिग्ध आरोपी गिरफ्तार

घटना में अब तक छह लोग गंवा चुके हैं अपनी जान

इस्तांबुल, 14 नवंबर (एजेंसियां)। तुर्की के इस्तांबुल शहर में हुए बम धमाके के संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह जानकारी तुर्की के आंतरिक मामलों के मंत्री सुलेमान सोयलू ने दी। उन्होंने बताया कि इस्तांबुल के इस्तिकलाल स्ट्रीट में बम लगाने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना में अब तक छह लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 81 लोग घायल भी हुए हैं।

इस्तिकलाल एवेन्यू में स्थानीय लोगों और विदेश से आने वालों की भीड़ बनी रहती है। जैसे ही हमला हुआ, शॉपिंग करने आए लोग तुरंत बाहर ही तरफ भागने लगे।

रविवार को हुआ था बम धमाका

बता दें कि इस्तांबुल में रविवार को भीड़भाड़ वाले इलाके में बम धमाका हुआ था। तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोगन ने इस घटना के पीछे आतंकियों का हाथ होने का संदेह जताया था।

उपराष्ट्रपति ने कही थी यह बात

तुर्की के उपराष्ट्रपति फुआत ओकटे का कहना था कि हम इसे आतंकवादी हमला मानते हैं। तुर्की के अधिकारी इस आतंकवादी हरकत की जांच करेंगे और इसके लिए जिम्मेदार लोगों को कड़ी सजा देंगे। उधर, तुर्की के एक मंत्री ने इस घटना के लिए कुर्दिस्तान वर्कर्स पार्टी (पीकेके) पर आरोप लगाया।

खेरसॉन से निकल रही लाशें

400 से ज्यादा वॉर क्राइम; जेलेंस्की ने किया रूसी बर्बरता का खुलासा

कीव, 14 नवंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने एक बार फिर रूसी बर्बरता का खुलासा किया है। देश के नाम एक संबोधन में जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन के खूबसूरत शहर खेरसॉन शहर से रूसी सेना खदेड़ी जा चुकी है। लेकिन, यहां की खौफनाक तस्वीरें अब सामने आ रही हैं। जेलेंस्की के मुताबिक, खेरसॉन शहर से यूक्रेनी सैनिकों और आम लोगों की लाशें लगातार निकल रही हैं। उन्होंने इस शहर में रूस के 400 से ज्यादा वॉर क्राइम करने का दावा किया है।

रविवार रात को देश के नाम अपने संबोधन में यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा, जांचकर्ता पहले ही 400 से अधिक रूसी युद्ध अपराधों का दस्तावेजीकरण कर चुके हैं। इस बात की काफी संभावना है कि खेरसॉन शहर में रूसी बर्बरता की और तस्वीरें भी सामने आएं। फिलहाल शहर से

नागरिकों और सैनिकों के शव लगातार मिल रहे हैं। बता दें कि जेलेंस्की ने दो दिन पहले कहा था कि खेरसॉन अब हमारा हो चुका है। यूक्रेनी सेना की विशेष टुकड़ियों ने खेरसॉन शहर में एंट्री ले ली है। उन्होंने कहा था कि हम जल्द ही देश के अन्य हिस्सों से भी रूसी कब्जे को समाप्त करेंगे। मीडिया रिपोर्ट्स हैं कि रूस ने फिलहाल खेरसॉन शहर के महज 30 फीसदी हिस्से पर को खाली किया है बाकी डेनिप्रो नदी के पूर्वी किनारे पर स्थित खेरसॉन प्रांत के 70 फीसदी हिस्से पर रूस का ही कब्जा है।

ईरान में पहली बार हिजाब विरोधी प्रदर्शनकारी को होगी फांसी

शख्स पर दंगे भड़काने का आरोप, तेहरान कोर्ट ने सुनाया फैसला

देश में हिजाब की अनिवार्यता कब से हुई लागू

ईरान में वैसे तो हिजाब को 1979 में मेंडेटरी किया गया था, लेकिन 15 अगस्त को प्रेसिडेंट इब्राहिम रईसी ने एक ऑर्डर पर साइन किए और इसे ड्रेस कोड के तौर पर सख्ती से लागू करने को कहा गया। 1979 से पहले शाह पहलवी के शासन में महिलाओं के कपड़ों के मामले में ईरान काफी आजाद ख्याल था।
8 जनवरी 1936 को रजा शाह ने कश्फ-ए-हिजाब लागू किया।
यानी अगर कोई महिला हिजाब पहनेगी तो पुलिस उसे उतार देगी।
1941 में शाह रजा के बेटे मोहम्मद रजा ने शासन संभाला और कश्फ-ए-हिजाब पर रोक लगा दी। उन्होंने महिलाओं को अपनी पसंद की ड्रेस पहनने की अनुमति दी।

1963 में मोहम्मद रजा शाह ने महिलाओं को वोट देने का अधिकार दिया और संसद के लिए महिलाएं भी चुनी जानें लगीं।
1967 में ईरान के पर्सनल लॉ में भी सुधार किया गया जिसमें महिलाओं को बराबरी के हक मिले।
लड़कियों की शादी की उम्र 13 से बढ़ाकर 18 साल कर दी गई। साथ ही अबॉर्शन को कानूनी अधिकार बनाया गया।

पढ़ाई में लड़कियों की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया। 1970 के दशक तक ईरान की यूनिवर्सिटी में लड़कियों की हिस्सेदारी 30% थी।

तेहरान, 14 नवंबर (एजेंसियां)। ईरान में 16 सितंबर को शुरू हुआ हिजाब विरोधी प्रदर्शन अब भी जारी है। इस बीच मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि पहली बार विरोध प्रदर्शन में शामिल एक शख्स को फांसी की सजा सुनाई गई है। इसके अलावा 5 लोगों को 10 साल की सजा सुनाई गई है। तेहरान कोर्ट ने जिस शख्स को सजा देने का फैसला किया गया है उस पर सरकारी इमारतों में आग लगाने, दंगे भड़काने और राष्ट्रीय सुरक्षा के खिलाफ साजिश करने के आरोप हैं। रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि सजा पाने वाले सभी लोग कोर्ट को चुनौती दे सकते हैं।

तीन प्रांतों के 750 लोगों पर आरोप

आंकड़ों के मुताबिक, रविवार को प्रदर्शन में शामिल तीन प्रांतों के 750 से ज्यादा लोगों पर आरोप लगाए गए हैं। इससे पहले सितंबर में प्रदर्शन शुरू होने के बाद से राजधानी तेहरान में 2,000 से ज्यादा लोगों को आरोपित किया जा चुका है। वहीं दक्षिणी प्रांत होर्मोज़गन के ज्यूडिशियल चीफ मोजतबा घरेमानी ने बताया कि 164 लोगों पर हाल के दंगों के बाद आरोप लगाया गया था। उन पर हत्या के लिए उकसाने, सुरक्षा बलों को नुकसान पहुंचाने, शासन के खिलाफ प्रचार और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने जैसे कई आरोप थे।

कब और किस वजह से शुरू हुआ हिजाब विवाद

16 सितंबर को पुलिस कस्टडी में 22 साल की महसा अमिनी की मौत के बाद लोग सड़कों पर उतर आए। दरअसल, 13 सितंबर को महसा अपने परिवार से मिलने तेहरान आई थी। उसने हिजाब नहीं पहना था। पुलिस ने तुरंत महसा को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के 3 दिन बाद उसकी मौत हो गई।
अमिनी की मौत का कारण सिर पर चोट लगने से बताया जा रहा था, लेकिन उनके परिजनों का दावा था कि उन्हें पहले से कोई बिमारी नहीं थी। महसा के पुलिस स्टेशन पहुंचने और अस्पताल जाने के बीच क्या हुआ यह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाया। इसके बाद से ही मामला सुर्खियों में आया और लोग इसे लेकर विरोध प्रदर्शन करने लगे।

दावे- पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों की हत्या की

महसा अमिनी जैसे कई लोगों के साथ ऐसा हुआ। हिजाब के विरोध में शामिल होने पर कई लोगों की गिरफ्तारी हुई, जिसके बाद उनकी मौत हो गई। रिपोर्ट्स में दावे किए गए की विरोध करने वालों को

गिरफ्तार कर उनकी हत्या की गई है, लेकिन पुलिस ने इन सभी दावों को खारिज कर दिया। वहीं महसा अमिनी के केस में पुलिस का कहना था कि पुलिस ने महसा के साथ कोई मारपीट नहीं की। 13 सितंबर को कई लड़कियों को गिरफ्तार किया गया था। उनमें से एक अमिनी थी। उसे जैसे ही पुलिस स्टेशन ले जाया गया वो बेहोश हो गई।

प्रदर्शन दबाने के लिए 250 से ज्यादा अरेस्ट

कुर्द आबादी वाले शहरों में पुलिस ने 250 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार भी किया। सुरक्षाबल प्रदर्शनकारियों के खिलाफ ऑपरेशन चला रहे। घरों पर छापेमारी की जा रही थी। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड भी ऑपरेशन में शामिल हैं। एक कुर्द कार्यकर्ता ने बताया था कि सुरक्षा बल कुर्दों के लिए काम करने वाले लोगों को निशाना बना रहे हैं। इसके बावजूद वहां के लोगों का कहना था कि जब तक महसा को इंसाफ नहीं मिलता, प्रदर्शन जारी रहेंगे। इसके बाद प्रदर्शन की स्थिति और ज्यादा भयानक हो गई, यहां तक की दंगे भी भड़क गए।
महसा अमिनी की मौत और हिजाब मेंडेटरी होने का विरोध जताते हुए कई महिलाओं ने अपने बाल काट लिए। इतना ही नहीं हिजाब भी जला दिए। इसके सपोर्ट में एक महिला पत्रकार ने वीडियो के साथ लिखा- ईरान की महिलाएं पुलिस कस्टडी में 22 साल की महसा अमिनी की मौत और हिजाब पहनना मेंडेटरी होने का विरोध ऐसे ही बाल काट कर और हिजाब जला कर दिखा रही हैं।
ईरान के मशहूर शेफ महरशाद शाहिदी की हत्या कर दी गई थी। शाहिदी देश में चल रहे हिजाब विरोधी प्रदर्शन का एक अहम चेहरा बन गए थे। इसकी वजह से वहां की सरकार और मॉरल पुलिस उनसे बेहद खफा थी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि 19 साल के शाहिदी को पिछले हफ्ते उस वक्त गिरफ्तार किया गया, जब वो हिजाब विरोधी प्रदर्शन कर रहे थे।
बाद में पुलिस ने उनके परिवार को शाहिदी की डेडबॉडी सौंपी। शनिवार को उन्हें सुपुर्द-ए-खाक किया गया। ईरान में हिजाब के खिलाफ विरोध प्रदर्शन जारी है। महिलाओं के साथ पुरुष भी प्रदर्शन में शामिल है। अब ये 15 शहरों में फैल गया है। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़पें भी हो रही हैं। आंदोलन कर रहे लोगों को रोकने के लिए पुलिस ने गोलियां चलाईं।
1979 में शाह रजा पहलवी को देश छोड़कर जाना पड़ा और ईरान इस्लामिक रिपब्लिक हो गया। शियाओं के धार्मिक नेता आयोतोल्लाह रुहोल्लाह खोमेनी को ईरान का सुप्रीम लीडर बना दिया गया। यहीं से ईरान दुनिया में शिया इस्लाम का गढ़ बन गया। खोमेनी ने महिलाओं के अधिकार काफी कम कर दिए

हांसी में डॉक्टर और खिलाड़ी की मौत

पशु को बचाने के प्रयास में गाड़ी 20 फीट गहरी ड्रेन में गिरी

हांसी, 14 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के हिसार के हांसी के समीप गांव सोरखी के पास हुए सड़क हादसे में उमरा निवासी 2 युवकों की मौत हो गई। हादसा गाड़ी के आगे पशु आने से हुआ। गाड़ी बेकाबू होकर सड़क किनारे ड्रेन में जा गिरी। हादसे को लेकर पुलिस की छानबीन जारी है। बताया जा रहा हैं कि उमरा निवासी डॉ सतीश और खिलाड़ी राकेश गाड़ी में सवार होकर अपने दोस्त से मिलने सोरखी गांव में जा रहें थे। इसी बीच गाड़ी के आगे एक पशु आ गया। पशु से बचने का प्रयास किया गया तो गाड़ी बेकाबू होकर ड्रेन में जा गिरी। ड्रेन की गहराई 20 फुट के करीब बताई जा रही है। सड़क किनारे की यह ड्रेन गहरी तो थी ही, साथ में इसमें गंदा पानी भरा हुआ था। हादसे में गाड़ी में सवार डॉ सतीश और खिलाड़ी राकेश की मौत हो गई।। डॉ सतीश की उम्र 33 वर्ष और खिलाड़ी राकेश की उम्र 24 साल बताई जा रही है। राकेश की अभी तक शादी नही हुई थी। डॉ सतीश के एक लडका और एक लड़की 2 बच्चे हैं। पुलिस हादसे को लेकर छानबीन कर रही है।

हमारा मालिक है अमेरिका, किराये की बंदूक पाक

'विदेशी साजिश' पर ये क्या बोल गए इमरान खान

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि वह अब उन्हें सत्ता से हटाए जाने के लिए अमेरिकी प्रशासन को दोष नहीं देते। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ हमारा संबंध मालिक और नौकर की तरह है। पाकिस्तान को किराये की बंदूक की तरह इस्तेमाल किया गया। पूर्व प्रधान मंत्री जिन्होंने लगातार इस नारे का काफी प्रचार किया है कि एक विदेशी साजिश के कारण उन्हें हटा दिया गया। अब इमरान कहते हैं कि वह वाशिंगटन और इस्लामाबाद के बीच एक गरिमापूर्ण संबंध चाहते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कथित साजिश में अमेरिका की भूमिका पर अपनी पुरानी टिप्पणियों का हवाला देते हुए इमरान खान ने कहा है, जहां तक मेरा सवाल है, यह खत्म हो गया है, यह मेरे लिए अब पुरानी बात है। इमरान आगे कहते हैं, अमेरिका के साथ हमारा संबंध एक मालिक-नौकर की तरह है। हमें किराए की बंदूक की तरह इस्तेमाल किया गया। लेकिन इसके लिए मैं अमेरिका से ज्यादा अपनी सरकारों को जिम्मेदार ठहराता हूं। रूस द्वारा यूक्रेन पर हमला करने की पूर्व संध्या पर इमरान खान ने मास्को की यात्रा की थी। इमरान के मास्को दौरा को युद्ध से जोड़े जाने पर इमरान खान ने कहा कि यह शर्मनाक था क्योंकि, महीनों पहले ही उनकी यात्रा तय हो चुकी थी।

पाक आर्मी पर क्या बोले इमरान

इमरान खान ने यह भी कहा कि सेना पाकिस्तान के लिए उनकी भविष्य की योजनाओं में रचनात्मक भूमिका निभा सकती है। नागरिक और सैन्य संबंधों में संतुलन का हवाला देते हुए इमरान ने कहा कि क्योंकि आपके पास अभी एक निर्वाचित सरकार नहीं है तो ऐसे वक्त में सेना के पास लोगो की बड़ी जिम्मेदारी है।

सेना प्रमुख की नियुक्ति में नवाज की भूमिका

नवाज शरीफ के बारे में बात करते हुए इमरान खान ने कहा, ₹यह पूरे पाकिस्तानी राष्ट्र के लिए गंभीर चिंता का विषय है कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा दोषी ठहराया गया व्यक्ति पाकिस्तान के भविष्य के बारे में निर्णय लेने के लिए तैयार है जिसमें एक नए सेना प्रमुख की नियुक्ति भी शामिल है।

नतासा पर्क मूसर स्लोवेनिया की पहली महिला राष्ट्रपति चुनी गईं, ऐसे तय किया सफर

, 14 नवंबर (एजेंसियां)। उदारवादी नेता नतासा पर्क मूसर यूरोपीय देश स्लोवेनिया की पहली महिला राष्ट्रपति चुनी गई हैं। उन्होंने रविवार को राष्ट्रपति चुनाव के लिए हुए 'रन-ऑफ' में देश के पूर्व विदेश मंत्री एंजे लोगर को मात दी है। स्लोवेनिया में नतासा से पहले किसी भी महिला को राष्ट्रपति बनने का सौभाग्य नहीं मिल सका था। नतासा के निर्वाचित होने के बाद से पूरे देश में खुशी की लहर है। राष्ट्रपति चुने जाने के बाद नतासा मूसर ने कहा कि उनका पहला काम स्लोवानिया में दक्षिणपंथियों और वामपंथियों के बीच मौजूद गहरी खाई को पाटना होगा। यह नतासा के लिए सबसे बड़ी चुनौती भी है, क्योंकि दक्षिण और वामपंथियों में बन चुकी गहरी खाईं के चलते अक्सर देश में हिंसक घटनाएं होती रहती हैं। इससे स्लोवानिया में अशांति का माहौल कायम रहता है।

ऐसे राष्ट्रपति चुनी गईं नतासा

स्लोवेनिया में 'रन-ऑफ' एक मतदान प्रणाली है, जिसमें पहले दौर में सर्वाधिक मत हासिल करने वाले दो उम्मीदवार दूसरे दौर में प्रवेश करते हैं और उसमें जीत दर्ज करने वाले प्रत्याशी को विजेता घोषित किया जाता है। अधिकारियों के मुताबिक, 'रन-ऑफ' में नतासा मूसर को 54 फीसदी, जबकि लोगर को 46 प्रतिशत वोट मिले। इस प्रकार नतासा को राष्ट्रपति घोषित किया गया। नतासा मूसर के राष्ट्रपति चुने जाने से अप्रैल में स्लोवेनिया के संसदीय चुनाव में जीत दर्ज करने वाले मध्यममार्गी-वाम गठबंधन की स्थिति और मजबूत होगी।

लोगर ने मानी हार

नतासा मूसर अब स्लोवेनिया की राष्ट्रपति चुन ली गई हैं। इसके बाद लोगर (46) ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि मूसर चुनाव प्रचार अभियान के दौरान देशवासियों से किए गए ''सभी वादों पर खरी उतरेंगी।'' मूसर (54) 1991 में यूगोस्लाविया के विघटन के बाद एक स्वतंत्र देश के रूप में अस्तित्व में आए स्लोवेनिया की पहली महिला राष्ट्रपति होंगी। वह एक जानी-मानी वकील भी हैं, जिन्होंने स्लोवेनिया में 'कॉपीराइट' सहित अन्य मामलों में अमेरिका की पूर्व प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप का प्रतिनिधित्व किया था। उन्होंने देश और समाज हित में पहले भी काफी कार्य किया है।

अब नहीं लगेंगे स्मार्ट बिजली मीटर, केंद्र ने परियोजना रोकी

चंडीगढ़, 14 नवंबर (एजेंसियां)। स्मार्ट ग्रिड प्रोजेक्ट के तहत 28 करोड़ रुपये खर्च कर शहर के कई इलाकों में पायलट प्रोजेक्ट चलाया गया। कई सेक्टरों और गांवों में बिजली के स्मार्ट मीटर लगाए गए। इसके बाद 241 करोड़ रुपये से पूरे शहर में स्मार्ट मीटर लगाने की योजना थी लेकिन केंद्र सरकार ने इस पर रोक लगा दी है।

कैबिनेट में गन्ने के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर हो सकता है फैसला

पेराई सत्र शुरू करने की तैयारियां

देहरादून, 14 नवंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के सरकारी चीनी मिलों में पेराई सत्र शुरू करने के लिए तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। 17 को नादेही और 20 नवंबर को डोईवाला चीनी मिल में पेराई सत्र शुरू किया जाएगा। आगामी कैबिनेट में गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने का फैसला हो सकता है। गन्ना एवं चीनी विकास मंत्री सौरभ बहुगुणा ने बताया कि हरिद्वार जिले में निजी चीनी मिलों ने पेराई सत्र शुरू कर दिया है। शीघ्र ही सरकारी चीनी मिलों में पेराई सत्र शुरू किया जाएगा। 17 नवंबर को नादेही, 18 को सितारगंज, 21 को बाजपुर, 20 नवंबर को डोईवाला चीनी मिल में पेराई सत्र शुरू होगा।

गन्ने का न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करने के लिए मुख्यमंत्री से भी बातचीत चल रही है। आगामी कैबिनेट में इस पर निर्णय लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सभी चीनी मिल प्रबंधकों को निर्देश दिए गए कि पेराई सत्र के दौरान मिलों का संचालन सुचारू रूप से हो। कम से कम ब्रेकडाउन होना चाहिए। इसके अलावा चीनी मिलों पर गन्ना किसानों के लिए टीन शेड का निर्माण, पीने के पानी समेत अन्य सुविधाओं का इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

अब पंजाब में आया भूकंप, रिक्टर पैमाने पर 4.1 रही तीव्रता

चंडीगढ़, 14 नवंबर (एजेंसियां)। अब पंजाब के अमृतसर में आज तड़के भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार पंजाब में अमृतसर के 145 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में तड़के 3 बजकर 42 मिनट पर आए इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 मापी गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार यह भूकंप जमीन के नीचे 120 किलोमीटर की गहराई में आया। गौरतलब है कि उत्तर भारत में बीचे कुछ दिनों में कई बार धरती डोली है। पिछले सप्ताह दिल्ली में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। दिल्ली को भूकंप के लिहाज से संवेदनशील माना जाता है। जानकारों के कहना है कि हिमालयी क्षेत्र में टेक्टॉनिक प्लेटों के अस्थिर होने के कारण अधिक तीव्रता वाले भूकंपों की स्थितियां उत्पन्न हुई हैं।

डेरा प्रेमी हत्याकांड: पकड़े गए तीन शूटर मामले में नामजद

आरोपियों को पनाह देने में एसआई का बेटा भी हिरासत में

फरीदकोट/बठिंडा (पंजाब), 14 नवंबर (एजेंसियां)। डेरा प्रेमी प्रदीप कुमार की हत्या के मामले में दिल्ली स्पेशल सेल द्वारा पकड़े गए तीन शूटरों को भी कोटकपूरा पुलिस ने मामले में नामजद कर लिया है। इसमें जतिंदर जीतू समेत दोनों नाबालिगों के नाम शामिल हैं। इससे पहले कोटकपूरा पुलिस ने फरीदकोट के दो शूटर भूपिंदर गोल्डी और मनप्रीत उर्फ मनी के अलावा वारदात की साजिश रचने वाले गैंगस्टर गोल्डी बराड़ और फरीदकोट जेल के हवालाती मोगा निवासी जतिंदर सिंह राजू को मामले में नामजद किया है। वहीं डेरा प्रेमी की हत्या करने वाले आरोपियों को पटियाला में पनाह देने के आरोप में रामपुरा में तैनात एक सब इंस्पेक्टर के बेटे को पुलिस ने हिरासत में लिया है।

गोल्डी बराड़ के इशारे पर दिया था वारदात को अंजाम

घटना के बाद थाना सिटी कोटकपूरा पुलिस ने मृतक प्रदीप सिंह राजू की पत्नी सिमरन के बयान पर छह अज्ञात आरोपियों पर केस दर्ज किया था और पड़ताल के आधार पर उक्त केस में गैंगस्टर गोल्डी बराड़ समेत चार आरोपियों को नामजद कर लिया है। घटना के कुछ समय बाद ही गोल्डी बराड़ ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर हत्या की जिम्मेदारी ले ली थी और दिल्ली के स्पेशल सेल की गिरफ्त में आए तीन आरोपियों ने भी प्राथमिक पूछताछ में खुलासा कर दिया है कि वारदात को गोल्डी बराड़ के इशारे पर ही अंजाम दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, डेरा अनुयायी की हत्या केस में नामजद चारों आरोपियों में फरीदकोट निवासी दोनों युवकों के घटना में शमूलियत के आरोप हैं, जबकि गोल्डी बराड़ व हरजिंदर सिंह राजू पर साजिश रचने के आरोप हैं। नामजद आरोपियों में से गोल्डी बराड़ तो कनाडा में बैठा है और मोगा निवासी हरजिंदर सिंह राजू भी इन दिनों मोगा पुलिस के पास रिमांड पर है। वह फरीदकोट जेल में बंद था और कुछ समय पहले ही मोगा पुलिस उसे वारंट पर लेकर गई थी, उसे अब जल्द ही फरीदकोट पुलिस लेकर आएगी। इसके अलावा फरीदकोट निवासी दोनों आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है।

फरीदकोट की केंद्रीय मॉडर्न जेल में रची गई साजिश

जिला पुलिस की पड़ताल के दौरान कई पहलु सामने आए हैं। सूत्रों के मुताबिक, डेरा अनुयायी की हत्या की साजिश रचने की शुरुआत फरीदकोट की केंद्रीय मॉडर्न जेल से ही की गई। यहां पर बंद मोगा जिले के गांव मुनावा के रहने वाले हरजिंदर सिंह राजू ने फरीदकोट निवासी दोनों युवकों का गोल्डी बराड़ से संपर्क करवाया था। दोनों में से मनप्रीत सिंह मनी का एक करीबी रिश्तेदार भोला सिंह खालसा भी हत्या के एक मामले में फरीदकोट जेल में बंद है। पुलिस को आशंका है कि भोला सिंह खालसा ने मनी व उसके साथी का हरजिंदर सिंह के साथ संपर्क करवाया होगा, जिसने बाद में उनका गोल्डी बराड़ से संपर्क करवाया।

लड़कियों की बचपन की दोस्ती प्यार में बदली

लेस्बियन कहकर रिश्तेदारों ने गर्म लोहे से दागा, सेम सेक्स का इतिहास

एक्सक्लूसिव डेस्क, 14 नवंबर। 25 अक्टूबर 2022 को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में साजिया (बदला हुआ नाम) अपनी दोस्त रेशमा (बदला हुआ नाम) के कमरे पर रुकी थी। रात के करीब 11 बजे पीड़िता के दो रिश्तेदार समेत 3 लोग जबरन कमरे में घुस गए। दोनों लड़कियों के एक ही बेड पर सोने की वजह से उन्होंने समलैंगिक कहकर उन्हें बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया। साथ ही गर्म लोहे की छड़ों से उनके प्राइवेट पार्ट जला दिए। इस दर्दनाक घटना के बाद होमोसेक्शुअलिटी को लेकर चर्चा हो रही है।

समलैंगिकों को कलंक क्यों माना जाता है और अलग-अलग धर्मों में होमोसेक्शुअलिटी को लेकर क्या कहा गया है?

मुर्शिदाबाद के सागरदिघी थाना क्षेत्र की रहने वाली साजिया और रेशमा बचपन से ही एक-दूसरे की दोस्त हैं। साजिया का कहना है, 'मैं और मेरी दोस्त हर दिन मिलते थे और साथ बैठकर बीड़ी बांधते थे, लेकिन वो 25 अक्टूबर को मेरे घर नहीं आई। रात में उसने मुझे कॉल कर बताया कि उसके पेट में दर्द हो रहा है। उसकी खराब तबीयत की वजह से मैंने रात को उसी के घर रुकने का फैसला किया।'

साजिया के मुताबिक, दो रिश्तेदार समेत 3 लोग उसके कमरे में रात के 11 बजे जबरन घुस गए। उन्होंने समलैंगिक बताकर दोनों से मारपीट करना शुरू कर दिया। विरोध करने पर लोहे की गर्म छड़ से दोनों लड़कियों के प्राइवेट पार्ट जला दिए। उनके कपड़े उतरवाकर रेप की भी कोशिश की गई।

करीब 5 दिन बाद सागरदिघी थाने में केस दर्ज होने के बाद ये मामला सामने आया। इस मामले में ताजा अपडेट ये है कि पुलिस ने एक आरोपी साहेबुल शेख को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि कदम मोल्ला, और समजेर शेख नाम के आरोपी रिश्तेदार को पकड़ने के लिए पुलिस लगातार छापा मार रही है।

'धर्म के खिलाफ बताकर पहले भी लोगों ने किया था विरोध'

साजिया की मां का कहना है कि दोनों लड़कियों को साथ रहना पसंद है और वो एक-दूसरे को हर चीज में सपोर्ट करती हैं। लड़की की मां ने कहा कि दोनों की नजदीकी धर्म और रिवाजों के खिलाफ बताकर पहले भी कई बार स्थानीय लोगों ने उनकी शिकायत परिवार से की थी।

हालांकि, रेशमा ने दोनों के बीच समलैंगिक संबंध होने की बात स्वीकार ली है। उसने कहा कि हम दोनों अभी रिलेशनशिप में हैं। अगर हमें रोका गया होता तो हम ऐसा नहीं करते।

जमीयत उलेमा-ए-हिन्द के अध्यक्ष अरशद मदनी का कहना है कि पराई औरत को देखना भी गुनाह है, तो फिर समलैंगिक संबंध तो बहुत बड़ी बात है।

इस विषय पर उन्होंने कहा कि व्यक्ति को ताउम्र अपनी पत्नी से ही प्रेम करना चाहिए और उसी से संबंध रखने चाहिए। खुदा ने महिला-पुरुष को इस प्रकार बनाया है कि वह औलाद का सुख पा सके, लेकिन समलैंगिक संबंध के मामले में ये बात कहीं भी फिट नहीं होती है।

वहीं, अफ्रीकी मूल के अमेरिकी इमाम दायी अब्दुल्ला ने कहा है कि पूरी दुनिया में कम से कम 12 ऐसे इमाम हैं, जो समलैंगिक (गे) हैं। दायी अब्दुल्ला ने कहा कि कुरान-शरीफ समलैंगिकता की अनुमति देता है, क्योंकि इसमें इसके खिलाफ कुछ भी नहीं लिखा है।

अब्दुल्ला के मुताबिक, सूरा 24 की आयत 31 और 32 में कहा गया है कि अपने बीच के गैर-शादीशुदा से शादी कर लो, चाहे वो गुलाम मर्द हो या फिर औरत। कुरान में शादी के लिए स्त्री या पुरुष के बारे में नहीं बताया गया है।

हिंदू धर्म में समलैंगिकता का इतिहास

धार्मिक मामलों के जानकार देवदत्त पटनायक के मुताबिक छठी शताब्दी से हिन्दू मंदिरों और मूर्तियों का निर्माण शुरू हो गया था। 950 ईस्वी के करीब जब खजुराहो मंदिर बना तो यहां ऐसी नक्काशी बनाई गई, जिनमें औरतें समूह में या पुरुषों के साथ सेक्स करती दिखाई देती हैं।

मनुस्मृति के आठवें अध्याय के श्लोक नंबर 367 से 372 तक में समलैंगिकता का जिक्र है। इसको लेकर अलग-अलग सजा का प्रावधान है। मसलन एक लड़की अगर दूसरी लड़की से सेक्स करती है तो दौ सौ सिक्कों का

जुर्माना और 10 कोड़े मारे जाने की सजा है।

इसके अलावा कामसूत्र में भी ओरल सेक्स और समलैंगिकता का जिक्र है। हालांकि, ये किताब समलैंगिकता का समर्थन नहीं करती है।

ईसाई धर्म का उभार और समलैंगिकता

ईसाई धर्म की रोमन कैथोलिक चर्चों के अनुसार समलैंगिकता एक विकृत सोच है। समलैंगिक लोगों को पापी बताया गया है। बाइबल में सोडोम शहर का जिक्र है, जिसे भगवान ने खुद तबाह किया।

यहां के पुरुष देवदूतों तक का बलात्कार करना चाहते थे। रोमन कॉन्सटैंटिन ने जब ईसाई धर्म स्वीकार किया और इसे स्टेट रिलिजन बना दिया तो समलैंगिकों का शोषण बढ़ गया।

ईसाई और मुस्लिम धर्म के बढ़ने के साथ ही समलैंगिकों पर अत्याचार भी दुनियाभर में बढ़ने लगे और 2 हजार से ज्यादा समय तक इसे कलंक की तरह देखा गया।

हालांकि, 20वीं सदी के आखिरी दशकों में समलैंगिकों ने अपने अधिकारों के लिए प्रदर्शन शुरू किए। धीरे-धीरे अब इसे दुनिया के कई देशों में स्वीकार्यता मिल रही है।

अलग-अलग कल्चर में होमोसेक्शुअलिटी को लेकर क्या कहा गया है?

मेसोपोटामिया

- इस सभ्यता से जुड़े साहित्य और आर्टवर्क दिखाते हैं कि यहां समलैंगिक संबंध नॉर्मल थे। स्कॉलर ब्रूस एल गेरिग के मुताबिक 'इस सभ्यता के लोगों का मानना था कि प्यार करना नेचुरल एक्टिविटी है।'

- मेसोपोटामिया में समलैंगिक कपल्स को भगवान का आशीर्वाद भी दिया जाता था। देवी इनान्ना के प्रीस्ट बाईसेक्शुअल और ट्रांसजेंडर होते थे।

चीन

- चीन में सेम सेक्स कपल्स के शुरुआती रिकॉर्ड्स करीब 600 ईसा पूर्व के मिलते हैं। हन राजवंश (202 ईसा पूर्व से 220 ईस्वी तक) अपने समलैंगिक संबंधों के लिए फेमस था।

- उस दौर में रईस अपने प्रेमियों को लोवर क्लास से उठाते थे और उन्हें भी बराबरी का दर्जा देते थे। ऐसे रिश्तों को समाज में सम्मान मिलता था।

दुनिया में समलैंगिकों की मौजूदा स्थिति क्या है?

- पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर ने एलजीबीटीक्यू+ समुदाय पर रिसर्च करने के बाद बताया कि कनाडा में सबसे ज्यादा 85% और यूएस में 72% लोग एलजीबीटीक्यू+ को स्वीकार करते हैं।

- लंबी लड़ाई के बाद आज फ्रांस, जर्मनी, बेल्जियम, अमेरिका समेत दुनिया के 31 देशों के संविधान में सेम सेक्स के बीच शादी लीगल है।

- भारत में 2018 तक सेम सेक्स के बीच शादी अपराध थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद देश में आईपीसी की धारा 377 के तहत समलैंगिकों के बीच सेक्स अपराध की श्रेणी से बाहर कर दिया गया।

- मूड ऑफ द नेशन के सर्वे के मुताबिक भारत में 62% लोग सेम सेक्स के बीच शादी को मानने के लिए तैयार नहीं हैं। इससे जाहिर होता है समाज अब भी एलजीबीटीक्यू+ को पूरी तरह स्वीकार नहीं करना चाहता।

- यमन, इरान, ब्रुनेई, नाइजीरिया, कतर समेत दुनिया के 13 देशों में आज भी सेम सेक्स रिलेशन वाले जोड़ों को मौत की सजा दी जाती है।

गाजियाबाद में कुत्ते को फांसी पर लटकाया

मालिक पर एफआईआर, कुत्ता बीमार था इसलिए उसने युवकों से हत्या करा दी

गाजियाबाद, 14 नवंबर (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद में दो युवकों ने एक कुत्ते को फांसी के फंदे से लटकाकर मार डाला। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। इसके बाद पुलिस ने सोमवार को युवकों को पूछताछ के लिए थाने बुलाया है। घटना लोनी इलाके के पास ट्रॉनिका सिटी की बताई जा रही है।

वायरल वीडियो 33 सेकंड का है। क्लिप में दिख रहा है कि दो शख्स एक कुत्ते को जंजीर से बांधकर फांसी के फंदे पर लटका रहे हैं। इस बीच एक व्यक्ति आता है और दोनों युवकों से बात करता है। जब युवकों को लगता है कि कुत्ते का दम घुट गया है तो वह आराम से खड़े होकर बात करने लग जाते हैं।

दोनों युवकों ने तब तक रस्सी को नहीं छोड़ा जब तक कुत्ते का दम नहीं घुट गया।

3 महीने पुराना वीडियो

बीते एक दिन से वायरल हो रहा यह वीडियो लगभग तीन महीने पुराना है। यह मामला पुलिस के पास पहुंचने के बाद ग्रामीण सहमे हुए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जिसे कुत्ते को फंदे पर लटकाया गया, उससे गांव के लोग परेशान थे। गांव के ही सुमित ने बताया कि कुत्ता बच्चों, बुजुर्गों सहित कई लोगों को काट चुका था। उसे कोई बीमारी हो गई थी, जिसके बाद वह पागल सा हो गया था। इसके बाद युवकों ने मिलकर उसे मारने का प्लान बनाया था।

कुत्ता मालिक पर पशु क्रूरता एक्ट में केस दर्ज

गाजियाबाद के एसपी देहात ईरज राजा ने कहा, ये थाना ट्रोनिका सिटी क्षेत्र की वीडियो है। सोशल मीडिया के माध्यम से इसका संज्ञान लिया गया है। पड़ताल में वीडियो सही निकला, कुछ पुरानी जरूर है। उसके मालिक ने बताया कि कुत्ता बीमार था, इसलिए ऐसा लिया। लेकिन ये एक संगीन अपराध है, जिस तरह से बेजुबान जानवर को मारा गया है। कुत्ता मालिक के खिलाफ पशु क्रूरता एक्ट में केस दर्ज कर लिया गया है।

आए दिन कुत्तों के काटने की शिकायत मिल रही है। इसको देखते हुए प्राधिकरण ने ऐनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इंडिया की गाइडलाइन के अनुपालन में पॉलिसी तैयार की है।

31 मार्च 2023 तक एनपीआरए के जरिए नोएडा में डॉग और बिल्ली दोनों का

रजिस्ट्रेशन कराना होगा।

पालतू डॉग का स्ट्रेलाइजेशन और एंटीरेबीज वैक्सीनेशन कराना होगा। ऐसा नहीं कराने पर प्रतिमाह 2000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा।

कुत्तों के आतंक की 5 घटनाएं

1. लखनऊ में कुत्ते ने मालिक की मां को मार डाला था

बीते 12 जुलाई को कैसरबाग के बंगाली टोला में रहने वाली सुशीला त्रिपाठी अपने पालतू पिटबुल को खाना देने गई तो उसने उनके ऊपर हमला कर दिया। उसने महिला को 13 जगह काट लिया था। सुशीला नारी शिक्षा निकेतन से रिटायर्ड थीं। काटने के बाद चीख-पुकार होने पर सुशीला का बेटा अमित भागकर कमरे में पहुंचा। उसने देखा कि मां को कुत्ते ने गंभीर रूप से जख्मी कर दिया है। पेट के साथ चेहरे पर भी हमला किया है। आनन-फानन में जख्मी सुशीला को बलरामपुर अस्पताल लेकर पहुंचे। वहां से उन्हें ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया। जहां उनकी मौत हो गई थी।

2. नोएडा में एक महीने पहले कुत्तों ने मासूम को मार डाला

नोएडा की लोटस बुलेवार्ड सोसाइटी में कुत्तों ने सोमवार शाम को एक साल के बच्चे अरविंद पर हमला कर दिया। कुत्तों ने बच्चे का पेट फाड़ दिया, जिससे उसकी आंतें बाहर आ गईं। किसी तरह बच्चे को कुत्तों से बचाकर सोसाइटी के लोगों ने नोएडा के यथार्थ अस्पताल में भर्ती कराया। हालांकि सर्जरी के बाद भी बच्चे को बचाया नहीं जा सका।

3. लखनऊ में कुत्ते ने युवक के प्राइवेट पार्ट में काटा

लखनऊ के कृष्णा नगर में रहने वाले एक युवक को पालतू कुत्ते ने प्राइवेट पार्ट में काट लिया। ब्लीडिंग होने की वजह से 2 दिन तक वह केजीएमयू में भर्ती रहा। शिकायत पर नगर निगम की टीम कुत्ते को उठा ले गई। कृष्णा नगर के प्रेम नगर में रहने वाले संकल्प निगम 3 सितंबर की रात 10:30 बजे जागरण देखकर घर लौट रहे थे। घर के पास पहुंचे, तो एक पालतू कुत्ते ने प्राइवेट पार्ट में बुरी तरीके से काट लिया। उस समय कुत्ते का मालिक शिव शंकर पांडेय यह सब देखता रहा। उसने कोई मदद नहीं की।

4. गाजियाबाद में बच्चे पर पिटबुल का अटैक, 150 टांके लगे

गाजियाबाद में पार्क में पिटबुल डॉग ने 11 साल के बच्चे पुष्प त्यागी पर हमला कर दिया। उसका एक कान और गाल नोच दिया। पिटबुल का हमला इतना घातक था कि बच्चे के चेहरे पर 150 से ज्यादा टांके लगे हैं। सर्जरी के बाद डॉक्टरों ने बच्चे को डिस्चार्ज कर दिया है। पीड़ित बच्चे के पिता ने पुलिस को तहरीर दी है। नगर निगम ने कुत्ता मालिक पर पांच हजार रुपए का जुर्माना लगाया है। ये मामला बीते शनिवार का है, जिसकी सीसीटीवी फुटेज गुरुवार को सामने आई थी। घटना मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र के संजयनगर सेक्टर-23 के ए-ब्लॉक की है।

5. गाजियाबाद में लिफ्ट में कुत्ते ने बच्चे को काटा

गाजियाबाद में ही राजनगर एक्सटेंशन की चार्म्स कैसल सोसाइटी की लिफ्ट में एक महिला अपने पालतू कुत्ते को ले जा रही थी। कुत्ते ने लिफ्ट में मौजूद एक बच्चे को काट लिया। महिला दर्द से कराहते बच्चे को संभालने या पूछने के बजाय लिफ्ट में चुपचाप खड़ी रही। बच्चे के पिता ने महिला के खिलाफ तहरीर दी थी।

इसके बाद गाजियाबाद पुलिस ने महिला के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

भूख से मौतों पर झारखंड हाई कोर्ट सख्त

राज्य सरकार से पूछा- बताएं इस तरह कितने लोगों ने जान गंवाई

रांची, 14 नवंबर (एजेंसियां)। झारखंड हाई कोर्ट ने भूख से होने वाली मौतों पर सख्त रुख अपनाया है। हाई कोर्ट ने झारखंड सरकार से कहा कि वह 'भूख से मौत' को परिभाषित करे। अदालत ने राज्य सरकार से यह भी पूछा है कि सूबे में इस साल भूख से कितने लोगों की मौत हुई है। झारखंड हाईकोर्ट ने 2020 में बोकारो में छह महीने के भीतर एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत की घटना पर स्वतः संज्ञान लिया। हाईकोर्ट ने चार नवंबर को उक्त आदेश पारित किया।

मालूम हो कि बोकारो में 42 वर्षीय भुक्खल घासी की मार्च 2020 में मृत्यु हो गई थी। अगले छह महीने के दौरान उनके बेटे और बेटी की भी मृत्यु हो गई थी। खाद्य सुरक्षा में काम करने वाले विशेषज्ञों ने इन मौतों को 'भूख से होने वाली मृत्यु' करार दिया था। वहीं राज्य सरकार ने यह कहकर इसका खंडन किया कि इन सभी लोगों की मृत्यु बीमारियों के कारण हुई थी। मामला अदालत के संज्ञान में लाया गया। इसके बाद अदालत ने इसे एक जनहित याचिका में स्वीकार किया।

वीडियो कॉल रिसीव नहीं करने पर भड़का पति

जमशेदपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। पत्नी ने वीडियो कॉल रिसीव नहीं किया तो पति को गुस्सा आया। पहले तो पति ने पत्नी की पिटाई की और फिर घर से निकाल दिया। मामला जमशेदपुर के सोनारी थानाक्षेत्र अंतर्गत खूंटाडीह का है। पीड़िता का नाम दिव्या है वहीं आरोपी पति का नाम मनोज है। दिव्या ने पति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस फिलहाल मामले की छानबीन में जुटी है। पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़िता ने बताया है कि 28 अक्टूबर को मेरे पति मनोज ने मुझे वीडियो कॉल किया था। उस वक्त मैं काम कर रही थी तो कॉल रिसीव नहीं कर पाई। मेरे पति जब घर आए तो काफी गुस्से में थे। वीडियो कॉल रिसीव नहीं करने की वजह से मेरी पिटाई कर दी। पीड़िता ने अपने पति पर बीते 12 वर्षों से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। पीड़िता ने कहा कि वो पति की हरकतों से परेशान हो चुकी है। पति के खिलाफ शहर के विभिन्न थानों में आपराधिक मामले भी दर्ज हैं।

चौथी क्लास की बच्ची बनी टीआई

बोली- पुलिस अंकल ने सैल्यूट मारे तो अच्छा लगा, बड़ी होकर बनूंगी आईपीएस, सुपेला थाने का किया निरीक्षण

भिलाई, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बाल दिवस के अवसर पर सुपेला थाना में एक चौथी क्लास की बच्ची सृष्टि वर्मा को एक दिन का थाना प्रभारी बनाया गया। जिसके बाद सृष्टि पूरे थाने का निरीक्षण की, और थाने में चल रहे कार्यों की जानकारी ली। इसके साथ ही पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए।

उन्होंने सुपेला थाने में अपराध निकाल, और केस डायरी का अवलोकन किया। साथ ही उन्होंने पूरे थाने को घूमा। पुलिस कर्मियों से उनके कामों के बारे में जानकारी ली। लॉकअप को देखा। पूरे थाने में उन्हें सबसे अच्छा बाल मित्र कक्ष लगा। उन्होंने कहा कि बच्चे अक्सर पुलिस वालों को देखकर डरते हैं, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। अपने स्कूल के बच्चों के साथ थाना निरीक्षण पर आई थी। उसने टीआई दुर्गेश शर्मा से टीआई बनने की इच्छा जाहिर की। उन्होंने तुरंत बच्ची की इच्छा का मान रखा। उन्होंने सीएसपी भिलाई नगर निखिल राकेचा से अनुमति लेकर बच्ची को एक दिन का थाना प्रभारी बनने का मौका दिया।

पुलिस अंकल ने सैल्यूट मारा तो काफी अच्छा लगा

एक दिन के लिए थाना प्रभारी बनी सृष्टि ने बताया कि, उन्हें पुलिस की ड्रेस में टीआई की कुर्सी पर बैठने का मौका मिला। जो भी पुलिस वाले आ रहे थे, वह उन्हें सैल्यूट मार रहे थे। मैडम कह करके संबोधित कर रहे थे। अपराध का निकाल कैसे करते हैं, केस डायरी क्या होती है। इसके बारे में बताया। यह सब जानकर काफी अच्छा लगा।

थाने में पहली बार की गई है अनूठी पहल

थाना प्रभारी दुर्गेश शर्मा ने बताया कि, सुपेला थाने में किसी बच्चे को एक दिन का टीआई बनाने की अनूठी पहल पहली बार हुई है। उन्होंने इससे पहले खुर्सीपार टीआई रहते हुए एक बच्चे को एक दिन का थाना प्रभारी बनाया है। ऐसा करने से बच्चों के मन में पुलिस के प्रति विश्वास बढ़ता है और डर दूर होता है।

दुर्ग के तालपुरी स्थित ऑक्सीजोन में बाल दिवस का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर वन विभाग दुर्ग के द्वारा वन मितान जागृति शिविर का आयोजन किया गया। जागृति शिविर में स्कूली बच्चों ने वन विभाग के अधिकारियों से वन संपदा के बारे में जाना और समझा। इस शिविर में सामाजिक संस्था द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से बच्चों को वन्य प्राणियों के बारे में जानकारी भी दी गई। स्नेक रेस्क्यू की टीम ने भी बच्चों को सांपों की प्रजातियों के बारे में जानकारी दी। बच्चे यहां आकर बहुत खुश हुए।

क्या आप बचपन से मुख्यमंत्री बनना चाहते थे

बाल पत्रकारों के इस सवाल का सीएम हेमंत ने क्या जवाब दिया

रांची, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने बाल दिवस के मौके पर स्कूली बच्चों से मुलाकात की। इस कार्यक्रम में स्कूली बच्चे पत्रकार की भूमिका में थे। इन बाल पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से बहुत सारे सवाल पूछे और मुख्यमंत्री ने भी सहजता के साथ उनका जवाब दिया। कुछ बाल पत्रकारों ने मुख्यमंत्री से उनके राजनीतिक जीवन तो कुछ बच्चों ने निजी जीवन के बारे में सवाल पूछे। कुछ बच्चों ने मुख्यमंत्री से जानना चाहा कि वे झारखंड की सबसे बड़ी समस्या किसे मानते हैं। इस दौरान मुख्यमंत्री ने बच्चों के साथ हंसी-मजाक भी किया और उज्जवल भविष्य की शुभकामना दी।

क्या आप बचपन से मुख्यमंत्री बनना चाहते थे?

बाल पत्रकार रश्मि रंजन ने पूछा कि क्या आप बचपन से मुख्यमंत्री बनना चाहते थे? इस सवाल के जवाब में सीएम हेमंत ने कहा कि कोई भी बचपन से मुख्यमंत्री या मंत्री नहीं बनना चाहता। कहा कि मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैं राजनीतिक परिवार से आता हूं। मेरे पिता शिबू सोरेन आंदोलनकारी रह चुके हैं। वे आंदोलन से फिर राजनीति में आए। घर में पॉलिटिकल वातावरण था। राजनीतिक रूप से कई घटनाक्रम ऐसे हुए कि मुझे राजनीति में आना पड़ा। ये संयोग था। राज्य की जनता ने आज मुझे मुख्यमंत्री बनाया। बाल पत्रकार अनुप्रिया ने पूछा कि हमारे राज्य में कई लड़कियों ने खेल जगत में सफलता पाई है लेकिन आज भी कई माता-पिता अपनी बेटियों को खेलने के लिए प्रोत्साहित नहीं करते। आप क्या कहेंगे? मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं उन माता-पिता से कहना चाहूंगा कि जितना जरूरी पढ़ना है उतना ही जरूरी खेलकूद भी है। खेल कर भी बच्चा नाम रौशन कर सकता है। देश का गौरव बन सकता है। जिस भी बच्चे की खेल में रुचि हो उसे जरूर प्रोत्साहित करना चाहिए। हमारे राज्य की कई बच्चियों ने ये साबित किया है।

नशे में लड़कियों ने किया जमकर हंगामा

दुकानदार से झड़प के बाद मारपीट, पुलिस अब भेजेगी नोटिस

रायपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। रायपुर के हाईवे में लड़कियों के हंगामे का एक वीडियो सामने आया है। इसमें युवतियां कुछ लोगों के साथ बहस करती दिखाई दे रही हैं। लड़कियों के साथ कुछ लड़के भी मौजूद हैं जो हाथापाई पर करते नजर आए। वीडियो वीआईपी चौराहे के पास का बताया जा रहा है।

वीआईपी चौक पर एक पान दुकान के बाहर काले रंग की एक्सयूवी गाड़ी से लड़कियां उतरी और कुछ लोगों से बहस करने लगी। स्थानीय लोगों ने बताया कि लड़कियां नशे में थी और गाली गलौच कर रही थी।

बताया जा रहा है कि लड़कियों के साथ कुछ युवक भी थे। घटना शनिवार देर रात की है जिसका वीडियो अब सामने आया है। लड़कियां वीआईपी रोड के आस-पास किसी पब से पार्टी करके लौट रही थी तभी यह विवाद खड़ा हो गया।

दुकानदार ने गाड़ी पार्किंग को लेकर टोका और इसी बात पर लड़कियां बहस करने लग गई। कुछ देर तक हंगामा चला। लोगों की भीड़ जुट गई और उसके बाद लड़कियां कार में सवार होकर फरार हो गई। हंगामा बढ़ने की वजह से स्थानीय लोगों ने पुलिस को खबर दे दी थी।

हंगामे की खबर मिलने के बाद तेलीबांधा थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। हालांकि तब तक लड़कियां जा चुकी थी आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच करने पर लड़कियों की गाड़ी का पता चला है, जिसके आधार पर अब लड़कियों को नोटिस भेजकर पुलिस तलब कर सकती है। इससे पहले भी व्यक्ति रोड के कई होटलों के बाहर देर रात पार्टी के बाद लड़के-लड़कियां बाहर आकर एक दूसरे से मारपीट और गाली-गलौज करते हुए कैमरे में कैद हो चुकी हैं।

9 दिन पहले जगदलपुर में गर्लफ्रेंड की बेवफाई पर पीजी कॉलेज के 2 छात्रों और उनके दोस्तों के बीच जमकर मारपीट हुई थी। कॉलेज कैंपस के बाहर ये पूरा विवाद हुआ जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ था। बताया जा रहा है कि, एक लड़की कॉलेज के 2 अलग-अलग लड़कों से बातचीत करती थी। इस बात का पता पहले बॉयफ्रेंड को चला। जिसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर दूसरे की पिटाई कर दी। मामला सिटी कोतवाली क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, कॉलेज छात्रों के दो गुटों के बीच शुक्रवार को मारपीट हुई थी, जिसका वीडियो जमकर वायरल हुआ था। मारपीट करने वाले दोनों गुटों के छात्र फर्स्ट ईयर के हैं। इनमें से कुछ धरमपुरा इलाके के तो कुछ आस-पास के क्षेत्र के रहने वाले हैं। 21 सेकेंड के इस वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि किस तरह से छात्र एक दूसरे पर लात-घूंसे चला रहे हैं। एक-दूसरे को पटक-पटकर कर मार रहे हैं। यह पूरा माजरा कॉलेज कैंपस के बाहर का बताया जा रहा है। कुछ महीने पहले रायपुर में भी लड़कियों का एक दूसरे के साथ मारपीट करने का मामला सामने आया था । सुभाष स्टेडियम के पास हुई इस घटना को कुछ लोगों ने मोबाइल पर इसे कैद कर लिया। लड़कियां एक दूसरे को गालियां देती और मारपीट करती नजर आ रही थीं।

दोनों लड़कियों पर एक-दूसरे के खिलाफ इस कदर गुस्सा सवार था कि वह एक-दूसरे को पीटने पर आमादा थीं। मौके पर दो युवक भी मौजूद थे, जो इन्हें छुड़ा रहे थे। मगर दोनों युवकों को लड़कियों को छुड़ाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। करीब 1 घंटे तक सुभाष स्टेडियम के ऊपरी हिस्से में यह हाई वोल्टेज ड्रामा चलता रहा। नीचे प्रैक्टिस कर रहे खिलाड़ियों ने भी तमाशा देखा। लड़कियों के बीच आपसी विवाद ने इस कदर हालात बिगाड़ दिए कि दोनों के बीच मारपीट शुरू हो गई।

राज्य स्तरीय बाल अधिकार सप्ताह का शुभारंभ

सीएम गहलोत ने किया पोस्टर का विमोचन

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि बच्चे हमारे देश का भविष्य हैं। बच्चों एवं युवा पीढ़ी को शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी दिए जाएं।

इनका शिक्षित होने के साथ ही संस्कारी होना भी आवश्यक है। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों को देश-प्रदेश की महान संस्कृति, महापुरूषों के आदर्शों, संघर्ष, त्याग, बलिदान एवं समर्पण के बारे में पढ़ाया जाए।

गहलोत सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय बाल अधिकार सप्ताह के शुभारंभ समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बच्चों से कहा कि वे महात्मा गांधी, पं. जवाहर लाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, मौलाना अबुल कलाम आजाद, डॉ. भीमराव अंबेडकर सहित आजादी और देश की प्रगति में अहम भूमिका निभाने वाले महापुरूषों की जीवनी पढ़ें। बच्चे देश के स्वर्णिम इतिहास को जानने के साथ संस्कारवान बनें। देश और प्रदेश की महान परम्परा और संस्कृति को अपनाएं तथा देश की प्रगति के लिए अपने आप को समर्पित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य के साथ एक संस्कारवान पीढ़ी तैयार करना सरकार और समाज की बड़ी जिम्मेदारी है। राज्य सरकार द्वारा बच्चों में साहित्य के प्रति रूचि बढ़ाने के लिए पंडित जवाहर लाल नेहरू बाल साहित्य अकादमी बनाई गई है।

साथ ही कई योजनाओं के जरिए भी बच्चों का भविष्य संवारा जा रहा है। उन्होंने कहा कि बाल संरक्षण के लिए कृत-संकल्पित राज्य सरकार का अगला बजट युवाओं एवं विद्यार्थियों को समर्पित होगा।

गहलोत ने कहा कि प्रदेश में बाल हितों के संरक्षण के लिए सरकार निरंतर काम कर रही है। विभाग और राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग भी इस दिशा में प्रभावी भूमिका निभा रहा है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश में कोई भी बच्चा अपने अधिकारों से वंचित न रहे। उन्हें आगे बढ़ने के हर अवसर सुलभ हों।

मुख्यमंत्री ने श्रीमती सुनीता गहलोत के साथ समारोह में चाचा नेहरू बने बच्चों के संग गुब्बारे उड़ाकर बाल सप्ताह का शुभारंभ किया। बच्चों ने गुलाब का फूल भेंट देकर उनका अभिनंदन किया। इसके बाद उन्होंने राज्य स्तरीय बाल अधिकार सप्ताह के पोस्टर का विमोचन भी किया। इस दौरान बच्चों ने आत्मरक्षा तकनीक का प्रदर्शन और बेटियों की महत्ता को दर्शाते गीत का गायन किया। समारोह के दौरान श्री गहलोत ने बाल हितैषी पंचायत अभियान जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

गृहराज्यमंत्री राजेंद्र यादव ने दी मंत्री और विधायक पद छोड़ने की धमकी

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में सबकुछ ठीक नहीं है। चर्चा है कि मंत्री राजेंद्र यादव ने मंत्री और विधायक पद छोड़ने की चेतावनी दी है। राजेंद्र यादव की मांग है कि कोटपूतली को जिला बनाया जाए। ऐसा नहीं होने पर वह मंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे। मंत्री यादव ने कहा कि 1 जनवरी तक कोटपूतली को जिला बनाओ। अन्यथा वह मंत्री और विधायक दोनों पर छोड़ देंगे।

कोटपूतली को लंबे समय से जिला बनाने की मांग तेजी से उठ रही है। सीएम गहलोत ने कोटपूतली दौरे के दौरान संकेत दिए थे कि जल्द ही सरकार जिला बनाने पर निर्णय लेगी। बता दें, गृह राज्यमंत्री राजेंद्र यादव गहलोत कैंप के मंत्री माने जाते हैं। आमतौर पर शांत स्वभाव के माने जाने वाले राजेंद्र यादव का अचानक मुखर होना गहलोत सरकार के लिए नई परेशानी खड़ा कर सकता है।

गुटबाजी के दलदल में फंसे दोनों दल

भाजपा में आलाकमान के डर से बनी एकजुटता चुनाव में जाती है बिखर

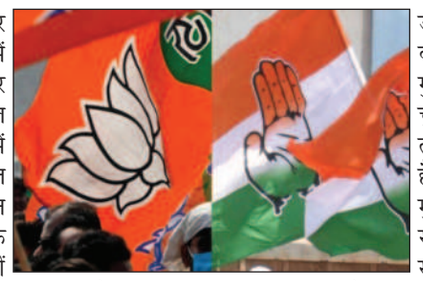

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में दोनों बड़े दल कांग्रेस और भाजपा गुटबाजी के दलदल में फंसे हुए हैं। कांग्रेस में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट की राजनीतिक अदावत किसी से छुपी नहीं है। इन दोनों नेताओं के समर्थक नेता और कार्यकर्ता खुलेआम एक दूसरे के सामने हैं। यहां तक की खुद गहलोत और पायलट भी एक दूसरे पर बयानों के तीर चलाने से नहीं चूकते ।

वहीं दूसरी तरफ राजस्थान में संगठन की मजबूती और गुटबाजी को नकारने का भाजपा लाख दावे करे, लेकिन हकीकत यह है कि 2018 विधानसभा चुनाव के बाद सात सीटों पर हुए उपचुनाव में गुटबाजी के चलते उन्हें पांच सीटों पर मुंह की खानी पड़ी। प्रदेश में पार्टी की गुटबाजी भले ही पार्टी आलाकमान के डर से सार्वजनिक तौर पर दिखाई न पड़े, लेकिन हर उपचुनाव में भाजपा बिखरी नजर आती है। प्रदेश में 2018 के विधानसभा चुनाव के बाद से तीन बार अब तक हुए सात सीटों पर उपचुनाव में कांग्रेस का पलड़ा भारी रहा। सात में से पांच सीटों पर कांग्रेस ने कब्जा किया।भाजपा के उपचुनावों में हार की बड़ी वजह पार्टी के एक बहुत बड़े गुट की उपचुनाव से दूरी रही। चुनाव के दौरान अंदरखाने तल्खी साफ बढ़ती दिखाई देती है। इनमें प्रमुख नाम पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का है। राजे के अलावा पूर्ववर्ती सरकार में कमान संभालने वाले कई मंत्री और बड़े चेहरे उप चुनाव से दूर दिखाई पड़े थे। बात कांग्रेस को लेकर की जाए तो यहां गुटबाजी का आलम बेहद खराब है। मुख्यमंत्री और खुद की सरकार को लेकर लगातार बयानबाजी हद से ज्यादा है। इस बयानबाजी पर लगाम लगाने में पार्टी के नेता भी असफल साबित हो रहे है। कांग्रेस की इस गुटबाजी पर पार्टी आलाकमान भी लगाम लगाने में बार-बार असफल साबित हो रहा है।

जानकार कहते हैं कि पार्टी के नेताओं की गुटबाजी गहलोत सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी पानी फेर रही है। प्रदेश में लागू की गई कई योजना देश भर में भाजपा के खिलाफ बड़ा मुद्दा साबित हो रही है लेकिन राजस्थान में इसका असर बेअसर करने में पार्टी की गुटबाजी और नेताओं की बयानबाजी अहम भूमिका निभा रही है।

राहुल की यात्रा को राजस्थान में मिलेंगी चुनौतियां

भारत जोड़ो यात्रा के पहुंचने से पहले मांगों और चेतावनियों से बन रहा विरोधी माहौल

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राहुल गांधी ने केरल से भारत जोड़ा यात्रा शुरू की थी, वो महाराष्ट्र पहुंच चुकी है। भारत जोड़ो के रास्ते में एक भी राज्य में कांग्रेस की सरकार नहीं थी। इसके बावजूद यात्रा को कहीं भी कोई मुश्किल नहीं आई। दूसरी ओर राजस्थान में कांग्रेस की सरकार होने के बावजूद यात्रा के राजस्थान पहुंचने से पहले ही 5 ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिसमें यात्रा को राजस्थान में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

केरल से शुरू हुई राहुल की यात्रा को अब तक जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है, जबकि रास्ते में आने वाले इन राज्यों में कांग्रेस की सरकारें नहीं थी। दिसंबर में भारत जोड़ो यात्रा राजस्थान में प्रवेश करेगी और यहां पर कांग्रेस की सरकार है। यहां यात्रा को कैसा रिस्पॉन्स मिलेगा, यह तो आने वाले समय में ही पता चलेगा। फिलहाल तो यात्रा के सामने धमकी, चेतावनी और मांगों जैसी समस्याएं खड़ी हो रही हैं। राजस्थान में अभी ठंड की शुरुआत ही हुई है, लेकिन राजनीतिक माहौल गर्मा चुका है।

राज्य सरकार ने यात्रा के संबंध में कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, राजस्व मंत्री रामलाल जाट, खान मंत्री प्रमोद जैन भाया और राजस्थान पर्यटन विकास निगम के चेयरमैन धर्मेन्द्र राठौड़ की टीम को महाराष्ट्र (हिंगोली) भेजा है, जहां इस समय राहुल की यात्रा में हैं। इसी टीम ने गत दिनों राजस्थान के झालावाड़ (पिड़ावा) से लेकर अलवर तक के रूट का खुद दौरा कर अपनी रिपोर्ट सरकार और यात्रा के समन्वयक सुशांत मिश्रा को सौंप दी है।

डोटासरा ने राहुल गांधी से मुलाकात भी की है। यात्रा की तैयारियां को करीब से देख रहे राजस्व मंत्री रामलाल जाट ने भास्कर को बताया कि जल्द ही राहुल गांधी की यात्रा से जुड़ी टेक्निकल टीम राजस्थान आकर यात्रा की तैयारियों का फाइनल निरीक्षण भी करेगी। यात्रा में 60 कैंटर हैं, जो बड़े वाहन हैं। उनके हिसाब से रूट में कोई छोटा-मोटा संशोधन संभव है। रविवार को यात्रा में सामूहिक अवकाश था। इस दौरान राहुल गांधी ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम में भी हिस्सा लिया। देश में प्रेम भाव बढ़ाने के लिए राहुल गांधी यात्रा पर निकले हुए हैं। कहीं कोई चेतावनी या मांग का इश्यू आएगा तो उसे बातचीत से सरकार व पार्टी के स्तर पर ठीक कर लिया जाएगा।

गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष की चेतावनी

समझौते लागू नहीं हुए तो रोक देंगे कांग्रेस की यात्रा

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे और गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय सिंह बैंसला ने राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार को चेतावनी दी है। विजय सिंह बैंसला ने गुर्जर आरक्षण के समझौते पूरे नहीं होने पर कांग्रेस पर हमला बोलते हुए राजस्थान में भारत जोड़ो यात्रा का विरोध करने की चेतावनी दी है, जिसके बाद सियासी गलियारों में हलचल तेज हो गई है। बैंसला ने संवाददाताओं से कहा कि विशेष पिछड़ा वर्ग (एमबीसी) के लंबित मुद्दों पर अब तक कोई काम नहीं हुआ, ना तो इस संबंध में कोई समीक्षा की गई है। अतः समिति ने फैसला किया है कि लंबित मुद्दों को नहीं सुलझाने पर राहुल गांधी की यात्रा का राजस्थान में पुरजोर तरीके से विरोध किया जाएगा।

गहलोत बोले-सावरकर ने 9 बार अंग्रेजों से माफी मांगी

कहा-नेहरू ने बांध बनाया तो जनसंघ ने अफवाह फैलाई, पानी से बिजली बनाकर ताकत निकाल लेंगे

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बीजेपी और केंद्र सरकार पर पंडित नेहरू की छवि खराब करने का आरोप लगाते हुए निशाना साधा है। गहलोत ने सावरकर के आजादी में योगदान पर सवाल उठाए हैं। गहलोत ने क हा- बीजपी वाले सावरकर का नाम ले रहे हैं। सावरकर ने तो जेल होते ही एक साल के अंदर अंग्रेजों से नौ बार माफी मांगी थी। जब विश्व युद्ध हुआ तो अंग्रेजों के लिए भर्ती करवाई। ये क्या मुकाबला करेंगे पंडित नेहरू का। देश के लिए नेहरू 9 साल तक जेल में रहे। दुर्भाग्य है कि पूरे देश के अंदर धर्म के नाम पर एक ढांचा बन गया। धर्म के नाम पर राजनीति करना सबसे आसान होता है। गहलोत रामनिवास बाग में पंडित जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर सांकेतिक भारत जोड़ो यात्रा के कार्यक्रम में बोल रहे थे।

गहलोत ने कहा- बीजेपी-आरएसएस वाले धम्र के नाम पर गुमराह कर रहे हैं। ये फासिस्ट ताकतें लोगों को गुमराह कर रही हैं। सोची समझी साजिश के तहत देशवासियों को गुमराह किया जा रहा है। पंडित नेहरू के सरदार पटेल और सुभाष चंद्र बोस के साथ बहुत अच्छे संबंध थे, लेकिन इन्होंने नेहरू की छवि खराब करने के लिए अफवाहें फैलाईं। आजादी की 75वीं वर्षगांठ के समारोह से नेहरू का नाम ही गायब कर दिया। नेहरू के योगदान और उनके नाम को मिटाने का षडयंत्र किया जा रहा है।

भाखड़ा बांध बनवाया तो जनसंघ ने कहा था पानी की ताकत निकाल लेगा नेहरू

गहलोत ने कहा- बीजेपी से पहले जनसंघ हुआ करता था। राजस्थान में भैरोसिंह शेखावत जनसंघ के नेता हुआ करते थे। जनसंघ के आठ मेंबर जीतकर आते थे, उस वक्त जनसंघ में कोई दम नहीं था। पंडित नेहरू ने जब भाखड़ा बांध बनवाया तो जनसंघ वालों ने भारी अफवाहें फैलाई। जनसंघ वालों ने उस वक्त कहा कि पंडित नेहरू का दिमाग खराब हो गया। यह पानी में से बिजली निकाल लेगा, पानी में से बिजली बनाकर उसकी ताकत निकाल लेगा और उसके बाद उसे सिंचाई के लिए देगा। ताकत निकाले हुए पानी से सिंचाई होगी तो वह अनाज किस काम का? ताकत निकला हुआ पानी खेतों में जाएगा वह किस काम का। इस तरह के लोग हैं ये ।

गहलोत ने कहा- कुछ साल पहले मैंने भाखड़ा बांध पर जनसंघ वालों की फैलाई गई अफवाहों का जिक्र किया तो बीजेपी वालों ने उसे आगे पीछे से काटकर मेरी कही गई बातें बताकर वायरल कर दिया। मुझे भी तत्काल पूरा वीडियो वायरल करवाना पड़ा।

केंद्र सरकार को विपक्ष से नफरत, इनके जेहन में नफरत

गहलोत ने कहा कि केंद्र सरकार में बैठे लोग आलाचेना बदर्सश्त नहीं करतें आलाचेना करने वालों को ये देशद्रोही करार दे देते हैं। कोई मेरी आलोचना करता है तो मुझे खुशी होती है, आलोचना तथ्यों पर होनी चाहिए। मेरे कल भी जोधपुर में प्रोग्राम थे, हमने सब जगह बीजेपी के जनप्रतिनिधियों के भी नाम लिखवाए थे। बीजेपी, केंद्र की सत्ता में बैठे लोग विपक्ष से नफरत करते हैं। इनके जेहन में जहर भरा हुआ है। इनके संस्कार ही ऐसे हैं।

बजट सत्र में जवाबदेही कानून लाएगी सरकार

लोगों का काम न करने पर अफसरों को खोनी पड़ेगी नौकरी, सुझाव मांगे

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। आप कल्पना कीजिए कि यदि किसी पुलिस वाले ने आपकी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की तो उसकी नौकरी जा सकती है।....लाइसेंस नहीं बना तो आरटीओ के कर्मचारी की नौकरी जा सकती है। ऐसी एक या दो नहीं, राजस्थान में लोगों से जुड़ी सैकड़ों सर्विसेज हैं, जो जल्द ही एक ऐसे कानून के दायरे में आ जाएंगी, जिसके तहत तय समय में काम नहीं करने पर अफसरों और कर्मचारियों को सजा मिलेगी।

राज्य सरकार इसके लिए राजस्थान लोक सेवाओं के प्रदान की गारंटी और जवाबदेही विधेयक-2022 नाम से एक क्रांतिकारी बदलाव लाने वाला कानून लाने वाली है। इस कानून को बनाने के लिए प्रशासनिक सुधार विभाग ने आम लोगों से अपनी वेबसाइट पर सुझाव मांग रखे हैं। इन सुझावों को देने की अंतिम तारीख 9 नवंबर थी, जिसे अब बढ़ाकर 30 नवंबर कर दिया गया है। रविवार को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जोधपुर में एक कार्यक्रम के तहत इसका जिक्र भी किया। उन्होंने कहा कि सामाजिक संगठनों ने कई बार इस कानून की मांग की है, अब जल्द ही इसे लाया जा रहा है। इधर सरकार से जुड़े सूत्रों का कहना है कि इस कानून को विधानसभा के अगले सत्र में पेश किया जाएगा। संभवतः अगला सत्र बजट सत्र होगा जिसमें यह कानून पेश होगा।

वनरक्षक भर्ती परीक्षा के पेपर लीक कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। वनरक्षक भर्ती परीक्षाके पेपर लीक मामले मेंएसओजी टीम व राजसमंद पुलिस ने बिजली विभाग में तकनीकी सहायक के पद पर कार्यरत कर्मचारी को गिरफ्तार कियाहै। कर्मचारी ने प्रश्न पत्र औरआंसर शीट को सोशल मीडिया के जरिये शेयर किया था। आरोपी पांच लाख रुपये में पेपर का सौदा किया था। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि राजस्थान कर्मचारी चयन आयोग की ओर से आयोजित वनरक्षक भर्ती परीक्षा पूरे राजस्थान में विभिन्न केन्द्रों पर आयोजित करवाई गई। शनिवार को एसओजी जयपुर को वनरक्षक भर्ती परीक्षा के द्वितीय के पारी के प्रश्न पत्रों की आंसर शीट को परीक्षा समय से करीब एक घंटे पूर्व व्हाट्सएपके जरिए अन्य अभ्यर्थियों को भेजे जाने की सूचना मिली।

बाड़मेर में बोलेरो ने सड़क किनारे चल रहे छह को कुचला

तीन की मौत, अनाथ हो गया चार साल का मासूम

बाड़मेर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। बाड़मेर में सड़क हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। चार साल के बच्चे समेत तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। हादसा, बाड़मेर के सिणधरी कस्बे में रविवार रात हुआ। दरअसल, सड़क किनारे चल रहे छह लोगों को एक बोलेरो ने कुचल दिया। दो महिलाओं समेत तीन लोगों की मौत हो चुकी है।

राजस्थान पुलिस के अनुसार बोलेरो डिवाइडर पर चढ़ गई थी। बछड़े को टक्कर मारती हुई गाड़ी बेकाबू हो गई और उसने सड़क किनारे चल रहे लोगों को कुचल दिया। दो महिलाओं की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ा।

घायलों में से दो लोगों के पैर कट चुके हैं। बेकाबू हो गई बोलेरो आगे खड़े एक वाहन से टकराकर थम गई, वरना और भी जानें जा सकती थी।

सिणधरी पुलिस के मुताबिक बोलेरो बाड़मेर-जालोर राजमार्ग की तरफ जा रही थी। तभी वह बेकाबू हो गई और उसने छह लोगों को कुचल दिया। शवों को अस्पताल में रखवाया है। बोलेरो को जब्त कर लिया है। ड्राइवर को पुलिस ने हिरासत में लिया है। जांच की जा रही है।

अलवर-मथुरा के बीच नई ट्रेन शुरू

हजारों यात्रियों को मिलेगी राहत

जयपुर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अलवर-मथुरा के बीच नई ट्रेन शुरू की गई है. इससे हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी. गाड़ी संख्या 20489 बाड़मेर-जयपुर ट्रेन को सोमवार सुबह अलवर सांसद बाबा बालकनाथ ने अलवर जंक्शन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह ट्रेन जयपुर से मथुरा के बीच गांधीनगर, जगतपुरा, दौसा, बांदीकुई, राजगढ़, रामगढ़, अलवर, गोविंदगढ़ ब्रिजनगर, बेदम, गोवर्धन, डीग और भूतेश्वर स्टेशनों पर रुकेगी। बता दें, अलवर-मथुरा रेलमार्ग पर यात्री ट्रेनों की संख्या कम है।

ऐसे में लंबे समय से इस मार्ग पर ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की मांग उठ रही थी। जिसको देखते हुए रेलवे ने बाड़मेर से जयपुर के बीच चलते वाली ट्रेन का मथुरा तक विस्तार किया है। यह ट्रेन बाड़मेर से मथुरा तक संचालित होगी। गाड़ी संख्या 20489 बाड़मेर जयपुर ट्रेन को सोमवार की सुबह अलवर सांसद बालकनाथ ने अलवर जंक्शन से हरी झंड़ी दिखाकर रवाना किया।

यह ट्रेन सप्ताह में 5 दिन चलेगी

रेलवे अधिकारियों के अनुसार यह ट्रेन सप्ताह में 5 दिन मंगलवार, बुधवार, शुक्रवार, शनिवार और रविवार को बाड़मेर से रात 10.20 बजे चलेगी। अगले दिन दोपहर 12. 15 बजे मथुरा पहुंचेगी। इसकी तरह वापसी में गाड़ी संख्या 20490 मथुरा से बाड़मेर के लिए 14 नवंबर से हर सोमवार, बुधवार, गुरुवार, शनिवार और रविवार को दोपार पौने चार बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 6 बजे बाड़मेर पहुंचेगी।

3 ट्रेनों के समय में बदलाव

उल्लेखनीय है कि अलवर-मथुरा रेलमार्ग पर बाड़मेर-मथुरा ट्रेन चलाने से संचालित 3 ट्रेनों के समय में भी बदलाव किया गया है। गाड़ी संख्या 12303 प्रयागराज-बीकानेर 14 नवंबर से प्रयागराज से अलवर रेलवे स्टेशन पर 9.50 बजे पहुंचने की बजाय 9.30 पर पहुंचेगी और 9.33 बजे रवाना होगी। इसी तरह यह ट्रेन बांदीकुई और दौसा रेलवे स्टेशन पर अपने पुराने समय से थोड़ा पहले पहुंचेगी। जयपुर बीकानेर के बीच अपने पहले के समय पर ही चलेगी।

लगा ही नहीं कि पहली बार मिल रहा हूं- भाजपा नेता से मुलाकात के बाद आचार्य प्रमोद ने किया ट्वीट

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस में रह-रह कर हलचल देखने को मिलती है। अशोक गहलोत और सचिन पायलट खेमे में खींचतान देखने को मिलती रही है। पिछले काफी वक्त से राजस्थान में मुख्यमंत्री बदले जाने की मांग हो रही है। इसी बीच राजस्थान पहुंचे कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राजस्थान भाजपा अध्यक्ष से मुलाकात की तो सोशल मीडिया पर लोग तरह-तरह की टिप्पणी कर रहे हैं।

कांग्रेस नेता ने किया ट्वीट

कांग्रेस नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने राजस्थान भाजपा अध्यक्ष सतीश पुनिया से मुलाक़ात की तस्वीर को शेयर करते हुए लिखा कि राजस्थान भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सतीश पुनिया से एक विवाह समारोह में भेंट हुई, लगा ही नहीं कि ये "पहली" मुलाक़ात है। सोशल मीडिया पर लोग इस ट्वीट पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

मिलावटी पोषाहार से अजमेर में 5 भैंसों की हुई मौत, पशुपालक ने दर्ज करवाया मुकदमा

अजमेर, 14 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के अजमेर जिले से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां मिलावटी पोषाहार को खाने से पांच भैंसों की मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार जिले के ब्यावर पिलानी-सरमालिया निवासी प्रभु लाल गुर्जर गाय भैंसों का पालन करता है। उसकी भैंसों की मौत मिलावटी पशुआहार के खाने से हुई। प्रभुलाल सैनी का कहना है कि भैंसों के भोजन खुराक के लिए वह ठीकराना बाईपास स्थित दुकान से पशु आहार खरीद कर लाया था। सैनी के अनुसार वह दुकानदार वासुदेव बाकोलिया के यहां से

750 क्विंटल पशु आहार 7 हजार 800 रुपए में लेकर आया था। इसके बाद 10 नवम्बर 2022 को सुबह और शाम तीन दुधारू भैंसों को दिया , तो थोडी देर बाद ही बांटे को खाते ही मर गई । 11 नवम्बर 2022 को भी रात्रि में 10 बजे करीबन दो भैंसें मर गई। तीन भैंसें अभी सीरियस है। इनके भी बचने की कोई गुंजाइश नहीं बताई जा रही है। पशुपालक का कहना है कि इस घटना से उन्हें लाखों का नुकसान हुआ है। पशुपालक सैनी का कहना है कि उसने उक्त घटना और लाखों रुपए के नुकसान को लेकर दुकानदार से बात की तो उसने कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। उन्होंने पशुआहार में मिलावट की बात किए जाने पर पल्ला झाड़ने की भी कोशिश की। \

ऊर्जा संरक्षण समय की मांग : नरेश आनंद

राज्यस्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का भव्य समापन

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक, एनटीपीसी (दक्षिणी क्षेत्र) नरेश आनंद ने एनटीपीसी-दक्षिणी क्षेत्र मुख्यालय, सिकंदराबाद में आयोजित राज्य स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह में कहा कि ऊर्जा की बचत ऊर्जा का उत्पादन है। देश में सबसे बड़ा बिजली उत्पादक होने के नाते एनटीपीसी इसे अच्छी तरह से जानता है। इस प्रकार, ऊर्जा संरक्षण समय की मांग है। ऊर्जा की बचत करना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। बच्चों में जागरूकता पैदा करने के लिए पेंटिंग से बेहतर कोई तरीका नहीं हो सकता और इसके परिणाम देखने को मिलेंगे। उन्होंने आगे बच्चों से दुनिया को एक बेहतर रहने की जगह बनाने के लिए अपने दैनिक जीवन में सीखने का उपयोग करने के लिए कहा। ऊर्जा संरक्षण ब्यूरो और ऊर्जा मंत्रालय की एक पहल, ऊर्जा संरक्षण पर ध्यान देने के साथ, कार्यक्रम तेलंगाना में एनटीपीसी द्वारा आयोजित किया गया था। राज्य स्तर पर, लगभग 100 बच्चों ने दो समूहों में भाग लिया। प्रत्येक समूह में सर्वश्रेष्ठ 13 (प्रथम, द्वितीय, तृतीय और 10 सांत्वना) अर्थात राज्य स्तर पर 'ए' और 'बी' को पुरस्कार दिए जाते हैं जबकि प्रत्येक समूह से शीर्ष-3 को राष्ट्रीय स्तर की पेंटिंग में भाग लेने के लिए भेजा जाएगा। प्रत्येक समूह में, राज्य स्तर पर प्रथम पुरस्कार विजेता को 50,000 रुपये, इसके बाद दूसरा पुरस्कार विजेता 30,000 रुपये और तीसरा पुरस्कार विजेता 20000 रुपये के साथ है। डीएवी पब्लिक स्कूल, विवेकानंद नगर कॉलोनी, कुकटपल्ली, हैदराबाद के आर. रामा चिन्मयी और टीएसडब्ल्यूआर स्कूल जूनियर कॉलेज (बी), जिलेलगड्डा, हुसैनाबाद के एम. चरण ने क्रमशः ग्रुप-ए और ग्रुप-बी में पहला स्थान हासिल किया।

श्रीमती रेणुका आनंद, अध्यक्ष और दक्षिण दीपांजलि महिला समिति की अन्य पदाधिकारी मणिकांत, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों, बच्चों और उनके माता-पिता और शिक्षकों ने बड़ी संख्या में भाग लिया।

सीएम केसीआर मंगलवार को नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों में करेंगे कक्षाओं का शुभारंभ

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव मंगलवार को आठ जिलों में नवनिर्मित आठ सरकारी मेडिकल कॉलेजों में शैक्षणिक कक्षाओं का औपचारिक उद्घाटन करेंगे। वह दोपहर 12 बजे प्रगति भवन से वर्चुअल कक्षाओं का उद्घाटन करेंगे। संगारेड्डी, महबूबाबाद, मंचेरियल, जगतियाल, वनपर्ती, कोत्तागुडेम, नागरकुरनूल और रामागुंडम में आठ नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस पाठ्यक्रम का पहला शैक्षणिक वर्ष एक साथ शुरू किया जाएगा। 4,080 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित, ये नए मेडिकल कॉलेज तेलंगाना के सीट मैट्रिक्स में कुल मिलाकर 1,150 अतिरिक्त एमबीबीएस सीटें जोड़ देंगे। इन कॉलेजों में हाल ही में दाखिले हुए हैं। 2014 तक तेलंगाना में केवल तीन सरकारी मेडिकल कॉलेज थे। हालाँकि, राज्य के गठन के बाद, सरकार ने मेडिकल कॉलेजों की कुल संख्या को बढ़ाकर 17 कर दिया।

एनएमडीसी को मिला पीआरसीआई उत्कृष्टता पुरस्कार

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनएमडीसी ने 16वें पीआरसीआई ग्लोबल कम्युनिकेशन कॉन्क्लेव 2022 में शानदार प्रदर्शन करते हुए चैम्पियन ऑफ चैंपियंस अवार्ड हासिल किया और चौदह कॉरपोरेट कम्युनिकेशन एक्सीलेंस अवार्ड्स प्राप्त किए।

यह पुरस्कार कोलकाता में पब्लिक रिलेशंस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीआरसीआई) द्वारा आयोजित ग्लोबल कम्युनिकेशन कॉन्क्लेव में प्रदान किया गया। एनएमडीसी ने मोस्ट रेजिलिएंट कंपनी ऑफ द ईयर का स्वर्ण पुरस्कार जीता आंतरिक संचार अभियान, कॉर्पोरेट ब्रोशर; सीएसआर कार्यान्वयन के लिए सर्वश्रेष्ठ पीएसई। इसने चाइल्डकैअर के लिए सीएसआर के सर्वोत्तम उपयोग की श्रेणियों में रजत पुरस्कार प्राप्त किए ; कॉरपोरेट कम्युनिटी इम्पैक्ट; सर्वोत्तम कॉर्पोरेट इवेंट; अद्वितीय मानव संसाधन पहल; वार्षिक रिपोर्ट; कला, संस्कृति और खेल अभियान तथा दूरदर्शी नेतृत्व के लिए कांस्य पुरस्कार; वर्ष की वेबसाइट सोशल मीडिया के सर्वश्रेष्ठ उपयोग के लिए अभिनव पर्यावरण कार्यक्रम और सांत्वना पुरस्कार।

एनएमडीसी के कॉर्पोरेट कम्युनिकेशन के प्रमुख पी. जयप्रकाश ने संचार तकनीकों में नवाचार को प्रोत्साहित करने और एनएमडीसी की रचनात्मक पहलों को मान्यता देने के लिए पीआरसीआई को धन्यवाद दिया। "हमारी ब्रांड और संचार अभियान हमारी कंपनी के कोर मूल्यों में निहित हैं और हमारे मेजबान समुदायों और उद्योग हितधारकों के साथ बेहतर संबंध के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। एनएमडीसी की कॉरपोरेट कम्युनिकेशन टीम को बधाई देते हुए, सुमित देब, अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक ने कहा कि एनएमडीसी आज भारत में खनन क्षेत्र में उत्कृष्टता के बेंचमार्क के रूप में राष्ट्रीय पहचान बनाया है तो यह केवल हमारी संचार टीम की असाधारण मेहनत के कारण है जो हम लक्ष्य को प्राप्त करते हैं तथा आंतरिक और बाहरी हितधारकों के सेवा में तत्पर रहते हैं।

दि गुजराती सोशल वेलफेयर सोसायटी का दीपावली स्नेह मिलन संपन्न

सदस्यों की खुशी सोसायटी की प्राथमिकता : जिग्नेश

हैदराबाद, 14 नवंबर(स्वतंत्र वार्ता)। दि गुजराती सोशल वेलफेयर सोसायटी का दिपावली स्नेह मिलन मोइनाबाद स्थित एक रिसोर्ट में हर्षोल्लास पूर्वक संपन्न हुआ। सोसायटी अध्यक्ष जिग्नेश दोशी एवं पदाधिकारियों ने मिलकर दीप प्रज्जवलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अपने संबोधन में श्री दोशी ने सभी सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए सोसायटी की सक्रिय गतिविधियों के बारे में जानकारी दी तथा सदस्यों के लाभार्थ नई-नई स्कीमों से अवगत कराया। गुजराती सोसायटी दक्षिण भारत में होने के कारण वर्तमान कार्यक्रम दक्षिण भारतीय संस्कृति पर आधारित था, इसलिए सारी प्रतियोगिताएं दक्षिण भारतीय विषय पर ही रखी गयी थी। जिसमें सभी सदस्यों व तत्संबंधित बच्चों ने भी दक्षिण भारतीय पोशाक धारण कर आये हुए थे। कार्यक्रम में नृत्य, नाटक व गायन प्रस्तुत किया गया। इसमें सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। साथ ही सदस्यों के मनोरंजन हेतु क्रिकेट, स्वीमिंग व इंडोर एंड आउटडोर गेम की व्यवस्था की गयी थी। सभी के लिए विशेष प्रकार के तम्बोले की भी व्यवस्था की गयी। इस शुभावसर पर सोसायटी सदस्य दिवीयेश मेहता व कपिल शाह ने अध्यक्ष जिग्नेश दोशी द्वारा सोसायटी के हित में सराहनीय कार्य हेतु उन्हें शाल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। जिग्नेश दोशी ने सदस्यों के लिए देश की अग्रणी बैंक एसबीआई के डीजीएम को आमंत्रित कर उनसे अनुरोध किया कि, सदस्यों व सदस्याओं हेतु चालू खाता, बचत खाता व अन्य के लिए सहायता करें। इसके चलते उन्होंने आश्वासन दिया कि, एसबीआई में खाता खुलवाने हेतु हर संभव सहायता करेंगे। इस अवसर पर सोसायटी के शांतिलाल पटेल, शैलेश पटेल, हेतल रुमानी, शांति व्यास, आरती पुरोहित, योगेश तुरखीया, मुकेश पटेल, राजेश रमानी, पंकज सुखीया आदि शामिल रहे।

बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केशव रेड्डी पाठशाला कंदी शाखा में बाल दिवस धूमधाम से मनाया गया है। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा नृत्य, गायन, भाषण, नाटक आदि सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन किया गया है। खेलकूद में उत्तम प्रतिभा प्रदर्शन किए हुए विद्यार्थियों को पाठशाला की प्राचार्या श्रीमती माधवी द्वारा पदक और प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया है। केशव रेड्डी पाठशाला के संस्थापक एन.केशव रेड्डी ने सभी विद्यार्थियों को बाल दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी हैं और उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि हर एक के जीवन में बालपन अनमोल वरदान होता है बालपन को सुचारू ढंग से सदुपयोग कर लें और नैतिक मूल्यों सहित शिक्षा प्राप्त करें और अपने जीवन को उज्जवल बनाएँ। इस अवसर पर पाठशाला के विद्यार्थी, शिक्षिकाएँ एवं शिक्षक उपस्थित थे।

हिंदू टू हिंदू संस्था द्वारा अग्रसेन हॉल, बाबूखान इस्टेट में आयोजित दीपावली स्नेह मिलन में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेते हुए समाजसेवी गोपाल बल्दवा व अन्य।

अभी भी कश्मीरी पंडितों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं : सुशील पंडित

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद स्थित सरदार पटेल कॉलेज में '370 बेअसर-पहले और बाद का कश्मीर' विषय पर चर्चा सत्र का आयोजन किया गया। कश्मीरी मानवाधिकार कार्यकर्ता व रूट्स इन कश्मीर के सहसंस्थापक सुशील पंडित ने कश्मीरी पंडितों की स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि अपने घर से उन्हें बेदखल कर दिया गया। आज भी उनके हालात में कोई बदलाव नहीं आया है। उनसे कश्मीरी होने का सबूत मांगा जाता है। उन्होंने कहा कि 370 के होने या नहीं होने से कुछ नहीं बदलने वाला है। यह तो मात्र एक छलावा है। 370 के पहले भी कश्मीरियों की हालत वैसी ही थी, जैसी आज है। कश्मीरी पंडित आज भी अपने वजूद को तलाश रहे हैं। अपने ही जन्मस्थान से दूर देश है। कश्मीर में लोगों को सुरक्षा का मसला आज भी ज्यों का त्यों बना हुआ है। कश्मीरी पंडितों से उनका पर परिवार समाज व्यवसाय सब कुछ छिन गया। उनकी पहचान का मिटा दिया गया। यह दिन दूर जबकि वजूद खत्म हो जाएगा। सिकंदराबाद स्थित सरदार पटेल कॉलेज में कश्मीर मुद्दे पर आयोजित चर्चासत्र में उपस्थित रूट्स इन कश्मीर के सह संस्थापक सुशील पंडित, कश्मीर फाइल्स के निर्माता अभिषेक अग्रवाल, राजशेखर, डॉ. मोहन गुप्ता, एके बाजपेयी, अग्नि मार्गन, एस. राजेंद्र रेड्डी, टी. भरत व अन्य उपस्थित रहे।

एमडीएस शिक्षण संस्था में जीव रक्षा ओरियंटेशन शुरू

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। महिला दक्षता समिति द्वारा संचालित शिक्षण संस्थाओं सुमन जूनियर और वोकेशनल कॉलेज, वीड़ी बजाज डिग्री कॉलेज, महिला दक्षता समिति और बंसीलाल मालानी कॉलेज ऑफ नर्सिंग गंगारम चंदा नगर प्रांगण में जीव रक्षा ओरियंटेशन की शुरुवात की गई। डॉ. गोकुल तोशनीवाल (एमडी एनेस्थिसियोलॉजिस्ट मिशिगन, यूएसए) ने कहा की भारत में बहुत से रोगियों को हार्ट अटैक आने पर हम लोग प्रथम चिकित्सा ज्ञान के अभाव में एक के प्राणों की रक्षा भी नहीं कर पा रहे हैं और अस्पताल ले जाने तक ही रोगी अपने प्राण त्याग रहे हैं, लेकिन अमेरिका में 10000 लोगों में 147 लोगों की रक्षा जीव रक्षा बीसीएलएस, ईएनएलएस ट्रेनिंग द्वारा की जा रही है। हमारे यहां ऐसी स्थिति है कि कुछ डॉक्टर और नर्सों को यह पता नहीं है कि हार्ट अटैक आने पर रोगियों की चिकित्सा किस तरह की जानी चाहिए। जीव रक्षा द्वारा ट्रेनिंग दिए गए डॉक्टर और नर्स रोगियों की चिकित्सा अच्छे से कर पा रहे हैं अगर यह ट्रेनिंग पढ़ते समय ही डॉक्टर और नर्सों को दें तो कई प्राणों की रक्षा की जा सकती हैं। कर्नाटक में राजीव गांधी यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेस में यह ट्रेनिंग दी जा रही है सर्टिफिकेट के साथ इसकी वैलिडिटी 5 साल है। मेरा मानना है कि जीव रक्षा ट्रेनिंग नर्सिंग की छात्राओं के लिए उपयुक्त है इससे वे कई रोगियों के जीवन को बचा सकेंगी।

एसएसके समाज रहीमपुरा हाइड तेलंगाना द्वारा आयोजित बाल दिवस कार्यक्रम भाग लेते हुए समाज के अध्यक्ष नागरी लक्ष्मी नारायण, महासचिव कटिघर शंकर राव, कोषाध्यक्ष शिव रतन, एच. कुमार, दगडू सुरेश, कार्यक्रम अध्यक्ष पेंडु श्रीधर, वाइस श्रीगिरी सुनील कोडिनेटर सुरती व अन्य।

लक्सर अपारमेंट, कोंडापुर में बाल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रतियोगिता का आयोजन किया भी किया गया। फ़ैशन शो में कियांस, जिमनास्टिक में प्रयाग, अद्विक, गायन में लक्ष्मी नृत्य में हर्षिता एवं वंशिका को टैटू का पुरस्कार दिया गया।

छावनी क्षेत्र के समाजसेवियों ने बोर्ड के नए सीईओ से मुलाकात

स्थानीय समस्याओं पर विशेष ध्यान देने की अपील

रामदेवरा मंदिर, शिवरामपल्ली परिसर में सीसी रोड बनवानें में पूरी सहायता करने पर उनका अभिनंदन करते हुए मंदिर कमेटी के चेयरमैन श्याम सुंदर गिल्डा, समाजसेवी धर्माराम ढाका, धर्मीचंद भंसाली, पूर्व पार्षद एस. वेंकटेश, जगदीश प्रसाद अग्रवाल, अरविंद शर्मा व अन्य।

नगर पधारे राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा का स्वागत करते हुए सियाराम जांगिड़, आलोक कुमार, गोवर्धन, पंकज, बबलू, शांतिलाल सुथार, विशनाराम, धर्माराम, दिलीप शर्मा, सुंदरकांत व अन्य।

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। छावनी क्षेत्र के समाजसेवियों ने बोर्ड के नए सीईओ नए सीईओ मधुकर नाइक से मुलाकात की तथा स्थानीय समस्याओं पर विशेष ध्यान देने की अपील की। इस दौरान बोर्ड के वार्ड नं 6 की मलानी कॉलोनी, अयप्पा कॉलोनी के बीच पुलिया, तीसरा वार्ड हैप्पी एन्क्लेव, दूसरा वार्ड लक्ष्मी आदि क्षेत्रों में पुलिया निर्माण करने की अपील की। बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप ने बोर्ड के नए सीईओ मधुकर नाइक को इन दो पुलियों के निर्माण के लिए कहा। यह कहते हुए कि पुणे में दक्षिणी कमान में भी अनुमति प्राप्त की गई है, लेकिन निर्माण नहीं हुआ है। नये सीईओ मधुकर नाइक के साथ उन्होंने पुराने सीईओ अजित रेड्डी का भी सम्मान किया। जंपन्ना प्रताप ने डीईओ गोयल से मुलाकात की। प्रतिनिधियों ने उन्हें बोइनपल्ली फैजान स्कूल जाने वाली सड़क की समस्या का जल्द से जल्द समाधान करने को कहा। इस कार्यक्रम में सिराज, शाकिब, श्रीकांत व अन्य ने भाग लिया।

गोशामहल के विधायक टी. राजा सिंह को गदा भेंटकर सम्मानित करते हुए पार्षद राकेश जायसवाल। साथ में हैं शैलेंद्र यादव, अनिल, रामकृष्णा, रेणुका, रघु, कल्पना, रंजीत व अन्य।

सोमवार को चंदानगर में गोलापल्ली राम रेड्डी गार्डन के पास अपने कार्यालय शुरू किये जाने के अवसर पर विशेष यज्ञ करते हुए सेरिलिंगमपल्ली भाजपा प्रभारी गज्जला योगानंद व अन्य।

आईसीसी की प्लेइंग-11 में विराट और सूर्या

टीम ऑफ द टूर्नामेंट में इंग्लैंड के 4, भारत-पाक के दो खिलाड़ी शामिल

खेल डेस्क, 14 नवंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल आईसीसी की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में विराट और सूर्यकुमार यादव को भी जगह मिली है। आईसीसी ने टी-20 वर्ल्ड कप खत्म होने के बाद अपने प्लेइंग इलेवन की घोषणा की है। इसमें रविवार को पाकिस्तान को हराकर खिताब पर कब्जा करने वाली इंग्लैंड टीम के 4 सदस्यों को शामिल किया है। इंग्लैंड ने रविवार को खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से मात दी। इंग्लैंड ने दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप जीता है। इसके अलावा इंग्लैंड क्रिकेट इतिहास का पहला डबल वर्ल्ड चैंपियन है। इंग्लैंड के नाम इस समय वनडे वर्ल्ड कप खिताब भी है। पहली बार किसी टीम के पास एक साथ वनडे और टी-20 दोनों का वर्ल्ड टाइटल है। आईसीसी के टीम ऑफ द टूर्नामेंट में इंग्लैंड और भारत के अलावा कई देशों के खिलाड़ियों को जगह मिली है। फाइनल में हारने वाली पाकिस्तान टीम के भी दो खिलाड़ियों को शामिल किया गया है। साथ ही जिम्बाब्वे, दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड के एक-एक खिलाड़ी को इस टीम में जगह मिली है।

विराट को नंबर-3 और सूर्या को नंबर-4 पर

इस टीम में सलामी बल्लेबाजों के रूप में इंग्लैंड के एलेक्स हेल्स और जोस बटलर को जगह मिली है। एलेक्स ने 6 मैचों में 42.40 की औसत से 212 रन बनाए, जबकि जोस बटलर ने 6 मैचों में 45 की ओसत से 225 रन बनाए। वे टूर्नामेंट के चौथे टॉप स्कोरर हैं। नंबर 3 के लिए भारत के पूर्व कप्तान विराट कोहली को जगह दी गई है। कोहली इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 296 रन बनाए हैं। जिनमें 4 हाफ सेंचुरी भी शामिल हैं। कोहली ने 96 की औसत से रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट लगभग 137 का रहा। वहीं सूर्याकुमार को चौथे नंबर पर शामिल किया गया है। सूर्या टूर्नामेंट के तीसरे टॉप स्कोरर हैं। उन्होंने 59.75 की औसत से 239 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 189.68 रहा। अपनी पारी में सूर्या ने 3 हाफ सेंचुरी भी जड़ी हैं। पांचवें नंबर पर न्यूजीलैंड के ग्लेन फिलिप्स हैं। बतौर ऑलराउंडर जिम्बाब्वे के सिकंदर राजा और पाकिस्तान के लेग स्पिनर शादाब खान को आईसीसी की टीम ऑफ द टूर्नामेंट में रखा गया है।

पेसर के तौर पर शाहीन शाह अफरीदी और सैम करन

पेसर्स के तौर पर इंग्लैंड के बॉलिंग ऑलराउंडर सैम करेन और पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी को शामिल किया गया है। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रहे सैम करेन को आठवें और शाहीन शाह अफरीदी को 11 वें नंबर पर शामिल किया गया है। इसके अलावा 9वें नंबर पर दक्षिण अफ्रीका के पेसर एनरिक नोर्त्या, 10वें नंबर पर इंग्लैंड के मार्क वुड को जगह दी गई है। टीम में 12 वें खिलाड़ी के तौर पर भारत के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को जगह मिली है।

पीवी सिंधु की वापसी का इंतजार बढ़ा

फिटनेस के कारण विश्व टूर फाइनल्स से नाम वापस

पीवी सिंधु ने अगस्त में कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 का गोल्ड मेडल जीतने के बाद से ही कोर्ट में कदम नहीं रखा है और अगले कुछ हफ्ते तक भी वह कोर्ट से दूर रहेंगी.

भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु की बैडमिंटन कोर्ट में वापसी का इंतजार और बढ़ गया है. देश की सबसे सफल बैडमिंटन खिलाड़ी सिंधु चोट के कारण पिछले कुछ महीनों से बाहर चल रही हैं और अब वह अगले महीने होने वाले इस सीजन के आखिरी टूर्नामेंट बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स से हट गई हैं. सिंधु को अगस्त में कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 के दौरान बाएं टखने में चोट लगी थी, जिससे वह अभी पूरी तरह नहीं उभरी हैं. सिंधु के पिता ने बताया कि वह जनवरी 2023 से वापसी की उम्मीद कर रहे हैं.

2018 में वर्ल्ड टूर फाइनल्स का खिताब जीतने वाली पीवी सिंधु पिछले करीब 3 महीनों से कोर्ट से बाहर चल रही हैं. उन्हें कॉमनवेल्थ गेम्स में महिला सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल के दौरान चोट लगी थी. हालांकि, वह इसके बावजूद खेलती रहीं और फाइनल तक दर्द से जूझते हुए डटी रहीं, जहां उन्होंने गोल्ड मेडल अपने नाम किया. हालांकि, इसके बाद ही उन्होंने चोट से उबरने के लिए आराम लेने का फैसला किया. इसके कारण वह विश्व चैंपियनशिप में भी हिस्सा नहीं ले सकी थीं.

पूरी तरह से फिट नहीं सिंधु

चीन के ग्वांगझू में 14 दिसंबर से बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर फाइनल्स का आयोजन होगा. उनके इस टूर्नामेंट से बाहर होने के बारे में पिता पीवी रमन्ना ने कहा कि वह नए साल के लिए पूरी तरह फिट होने का प्रयास कर रही है. रमन्ना ने पीटीआई से कहा, उसके डॉक्टर ने उसे कुछ और दिन तक आराम करने के लिए कहा है ताकि वह नए सत्र से पहले पूरी तरह फिट हो जाए.

उसने तमाम पहलुओं पर विचार किया. ग्वांगझू में कई तरह के प्रतिबंध हैं और नए सत्र को ध्यान में रखते हुए उसने यह फैसला किया.

हाल ही में अभ्यास शुरू रमन्ना ने बताया कि सिंधु अगले साल जनवरी से वापसी का प्रयास करेंगी और इस टूर्नामेंट से नाम वापस लेने के बारे में उन्होंने भारतीय बैडमिंटन संघ को पत्र लिखकर बताया है.

सिंधु के पिता ने कहा, उसने दो सप्ताह पहले अभ्यास शुरू कर दिया था और जनवरी तो वह पूरी तरह फिट हो जाएगी. इन सब चीजों को ध्यान में रखते हुए उसने भारतीय बैडमिंटन संघ को पत्र भेजकर अपने फैसले से अवगत कराया.

विश्व कप से पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड और कोच पर फूटा रोनाल्डो का गुस्सा, कहा- मेरे साथ धोखा हुआ

लंदन, 14 नवंबर (एजेंसियां)। रोनाल्डो को इस सीजन में क्लब के कई मैचों में खेलने का मौका नहीं मिला। यहां तक कि उन्हें शुरुआती एकादश में भी शामिल नहीं किया गया। वह कई मुकाबलों में सब्सीट्यूट के रूप में उतरे। रोनाल्डो को रविवार को फुलहम के खिलाफ भी टीम में नहीं रखा गया।

दुनिया के महानतम फुटबॉलर में एक क्रिस्टियानो रोनाल्डो फीफा विश्व कप से कुछ दिन पहले अपने क्लब मैनचेस्टर यूनाइटेड पर धोखा देने का आरोप लगाया है। रोनाल्डो ने एक इंटरव्यू में मैनचेस्टर यूनाइटेड और क्लब के मैनेजर एरिक टेन हैग पर कई आरोप लगाए। उन्होंने यह भी दावा कि क्लब में शामिल कुछ वरिष्ठ लोग उन्हें ओल्ड टैफर्ड (मैनचेस्टर यूनाइटेड का होमग्राउंड) में नहीं देखना चाहते हैं।

रोनाल्डो को इस सीजन में क्लब के कई मैचों में खेलने का मौका नहीं मिला। यहां तक कि

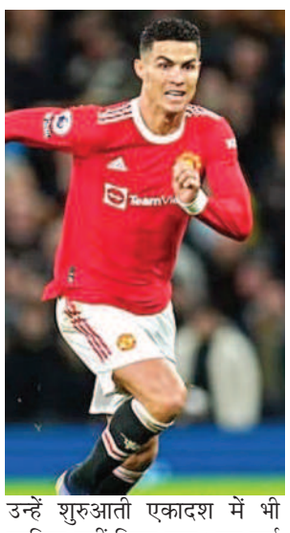

उन्हें शुरुआती एकादश में भी शामिल नहीं किया गया। वह कई मुकाबलों में सब्सीट्यूट के रूप में उतरे। रोनाल्डो को रविवार को फुलहम के खिलाफ भी टीम में नहीं रखा गया। टीम ने इस मैच को 2-1 से जीता था। मशहूर पत्रकार पियर्स मॉर्गन को दिए इंटरव्यू में रोनाल्डो ने कई चीजों का खुलासा और अपनी भड़ास निकाली।

एरिक टेन हैग ने मुझे सम्मान नहीं दिया: रोनाल्डो

रोनाल्डो ने मैनेजर एरिक टेन हैग के बारे में कहा, "मेरे मन में उनके (टेन हैग) के लिए सम्मान नहीं है क्योंकि वह मेरे लिए सम्मान नहीं दिखाते हैं। यदि आप मेरे लिए सम्मान नहीं रखते हैं, तो मैं आपके लिए कभी भी सम्मान नहीं रखूंगा। रोनाल्डो 2021 में 12 साल बाद क्लब से जुड़े थे। उन्होंने 2009 में मैनचेस्टर यूनाइटेड का साथ छोड़ा था। इसके बाद वह स्पेन के मशहूर क्लब रियल मैड्रिड गए थे। वहां से फिर वह इटली के क्लब युवेंटस की ओर से खेले।

रोनाल्डो 2022-23 सीजन से पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड को छोड़ना चाहते थे, लेकिन उन्हें नया क्लब नहीं मिल पाया। रोनाल्डो ने कहा, "मैनचेस्टर यूनाइटेड ने मुझे बाहर करने की कोशिश की। न केवल प्रबंधक, बल्कि क्लब में रहने वाले दो-तीन वरिष्ठ लोग भी इसमें शामिल हैं। मुझे विश्वासघात महसूस हुआ। लोगों को सच्चाई सुननी चाहिए। ऐसा लगता है कि कुछ लोग मुझे यहां नहीं देखना चाहते थे। यह सिर्फ इस साल की बात नहीं है, बल्कि पिछले सीजन में भी ऐसा ही था।"

सिटी की जगह यूनाइटेड को क्यों चुना?

रोनाल्डो जब युवेंटस को छोड़ने वाले थे तब यह कहा गया कि वह मैनचेस्टर सिटी में जाएंगे। सिटी की टीम मैनचेस्टर यूनाइटेड की मुख्य प्रतिद्वंद्वी है। किसी भी यूनाइटेड फैन को यह मंजूर नहीं था कि उनका पूर्व स्टार खिलाड़ी सिटी की ओर खेले। रोनाल्डो ने अंत में अपनी योजना में बदलाव किया और मैनचेस्टर सिटी की जगह मैनचेस्टर यूनाइटेड से जुड़ गए। इस वाकये को लेकर रोनाल्डो ने कहा, "उन्होंने अपनी दिल की सुनी। उन्होंने (मैनचेस्टर यूनाइटेड के पूर्व मैनेजर सर एलेक्स फर्ग्यूसन) ने कहा कि यह असंभव होगा कि तुम मैनचेस्टर सिटी में जाओ। मैंने कहा कि ठीक है बॉस।"

इंग्लैंड की 5 खूबियां, जो अभी इंडिया में नहीं

एग्रेसिव ओपनिंग, 7 बॉलिंग ऑप्शन...इनमें 5 अच्छे बल्लेबाज भी

खेल डेस्क, 14 नवंबर (एजेंसियां)। इंग्लैंड ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर रविवार को खेले गए फाइनल में पाकिस्तान को 5 विकेट से हराकर दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब जीत लिया। इंग्लैंड के नाम इस समय वनडे वर्ल्ड कप खिताब भी है। पहली बार किसी टीम के पास एक साथ वनडे और टी-20 दोनों के वर्ल्ड टाइटल हैं।

इस वर्ल्ड कप से इंग्लैंड ने पूरी दुनिया को बताया है कि क्रिकेट का सबसे छोटा फॉर्मेट कैसे खेला जाता है। वो 2 मजबूत टीमों को हराकर इस ऊंचाई तक पहुंची। पहली पाकिस्तान, जिसका बॉलिंग लाइनअप शानदार था। दूसरी टीम इंडिया, जिसके पास शानदार बैटिंग है।

इंग्लैंड में ऐसा क्या है, जो इंडिया के पास नहीं, उसे बटलर की टीम से क्या सीखना चाहिए। उससे पहले आप हमारे पोल पर अपनी राय दे सकते हैं...

इंग्लैंड की 5 खूबियां

1. शानदार ओपनर्स

इंग्लैंड के पास इस वर्ल्ड कप में जोस बटलर और एलेक्स हेल्स के रूप में दो एग्रेसिव ओपनर थे। दोनों पावर-प्ले में बड़े-बड़े शॉट लगाते और शुरुआती 6 ओवर में 60 से 70 रन बना लेते थे। टीम इंडिया के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में दोनों ने तो 169 रन के टारगेट को 16 ओवर में ही चेज कर लिया था और वो भी बिना आउट हुए। पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल में भी हेल्स भले ही शुरुआत में आउट हो गए, लेकिन जोस बटलर ने 17 बॉल में 26 रन बनाए। भारत की ओपनिंग आक्रामक नहीं: इंडियन ओपनर

पूरे वर्ल्ड कप में डिफेंसिव दिखे। इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया ने सेमीफाइनल के पावरप्ले में सिर्फ 38 बनाए थे। जरा अंदाजा लगाइए कि पूरे वर्ल्ड कप में भारतीय ओपनर्स ने पावरप्ले में 100 से भी कम के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। कप्तान रोहित शर्मा ने पावरप्ले में करीब 95 तो लोकेश राहुल ने लगभग 90 के स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए।

2. इंग्लैंड के पास 7 बॉलिंग ऑप्शन

इंग्लैंड के पास इस वर्ल्ड कप में 7 से ज्यादा बॉलिंग ऑप्शन थे। इससे कप्तान जोस बटलर का काम बहुत आसान हो गया था। बेन स्टोक्स, क्रिस वोक्स, सैम करन, आदिल रशीद, लियाम लिविंगस्टोन, मोईन अली और क्रिस जॉर्डन स्पेशलिस्ट बॉलर ही हैं। अगर कोई गेंदबाज महंगा साबित होता था तो बटलर तुरंत उसकी जगह दूसरे गेंदबाज को ले आते थे।

इंडिया के पास ऑप्शन थे पर कॉम्बिनेशन खराब: टीम इंडिया के पास वर्ल्ड कप में 5 से 6 बॉलिंग ऑप्शन थे। अर्शदीप सिंह, मोहम्मद शमी, हार्दिक पंड्या, भुवनेश्वर कुमार, अक्षर पटेल और आर. अश्विन। अश्विन और अक्षर पटेल पूरे टूर्नामेंट में फ्लॉप रहे। सेमीफाइनल में जब सभी बॉलर्स पिट रहे थे तो रोहित समझ ही नहीं पा रहे थे किसे बॉलिंग दें। युजवेंद्र चहल जैसे रिस्ट स्पिनर को हमने पूरे वक्त बेंच पर बिठाए रखा।

3. इंग्लैंड में ऐसे बल्लेबाज, जो बॉलिंग भी करते हैं

इंग्लैंड के पास टॉप-5 बल्लेबाजों में दो ऐसे प्लेयर थे, जो बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी भी कर सकते थे। ये थे- लियाम लिविंगस्टोन और मोईन अली। उधर, बेन स्टोक्स, सैम करन ऑलराउंडर हैं। रशीद और वोक्स भी अच्छी बल्लेबाजी करते हैं।

इंडिया में ऑलराउंडर कम: टीम इंडिया के पास ऐसा कोई भी ऑप्शन नहीं था। लिविंगस्टोन ने तो सेमीफाइनल में 3 ओवर किए थे और सिर्फ 20 रन दिए। पूरे वर्ल्ड कप में रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव ने सिर्फ बल्लेबाजी की। ऐसा भी नहीं है कि कोहली और रोहित शर्मा गेंदबाजी नहीं करते। रोहित ने तो IPL में हैट्रिक तक ली है।

4. डीप बैटिंग लाइनअप

इंग्लैंड के पास इस वर्ल्ड कप में नंबर-10 और नंबर-11 तक बल्लेबाजी थी। जोस बटलर से लेकर नंबर-11 तक आने वाले आदिल रशीद सभी बल्लेबाजी कर सकते हैं।

टीम इंडिया यहां कमजोर: पास बल्लेबाजों की इतनी कमी थी कि आर. अश्विन को टीम में रखना पड़ता था, क्योंकि टीम की बैटिंग थोड़ी डीप हो सके। शुरुआती विकेट गिरने के बाद नीचे बल्लेबाजों के ऑप्शन बहुत कम हो जाते थे। टीम के नंबर 10 और 11 पर बल्लेबाजी इंग्लैंड के लोअर ऑर्डर की तरह मजबूत नहीं थी।

5. फियरलेस क्रिकेट

पूरे टूर्नामेंट में इंग्लैंड ने दिखाया कि फियरलेस क्रिकेट क्या होती है। उन्होंने बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों जगह बिना बेखौफ क्रिकेट खेला। बैटर आते ही बड़े-बड़े शॉट लगाते।

हम सेमीफाइनल की लड़ाई लड़े ही नहीं: हमारे ओपनर्स रोहित और राहुल का स्ट्राइक रेट तो मोईन अली और लियाम लिविंगस्टोन से भी कम रहा। मोईन ने 126 से ज्यादा और लियाम लिविंगस्टोन 122 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए। केएल राहुल का 120.75 और रोहित शर्मा का स्ट्राइक रेट 106 रहा। सेमीफाइनल में तो हम लड़ते ही नहीं दिखाई दिए। कोई ऐसा मौका नहीं आया, जब गेंदबाजों ने उम्मीद जगाई हो।

दिल्ली कैपिटल्स ने शार्दुल ठाकुर को किया रिलीज

आईपीएल 2023 में केकेआर से नजर आएंगे; मेगा ऑक्सन में दिल्ली कैपिटलस ने 10 .75 करोड़ में खरीदा था

खेल डेस्क, 14 नवंबर (एजेंसियां)। ऑल राउंडर शार्दूल ठाकुर आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स का हिस्सा होंगे। केकेआर ने दिल्ली कैपिटल्स से ट्रेड कर लिया है। फ्रेंचाइजीज को 15 नवंबर तक अपने रिटेल और रिलीज खिलाड़ियों की लिस्ट सौंपनी है। उससे पहले टीमों के बीच खिलाड़ियों की ट्रेडिंग भी शुरू हो गई है।

ठाकुर को आईपीएल 2022 के मेगा ऑक्सन में 10.75 करोड़ रुपये दिल्ली कैपिटल्स ने खरीदा था। उन्हें खदीने के लिए चेन्नई सुपर किंग्स, पंजाब किंग्स और गुजरात टाइटंस ने भी बोली लगाई थी। आखिरकार वे दिल्ली के हो गए थे।

आईपीएल 2022 में शार्दूल ने 14 विकेट लिए थे

शार्दूल ने आईपीएल 2022 में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते हुए 14 मैचों में 15 विकेट लिए थे। साथ ही 15 की औसत से 120 रन बनाए थे। उनका इकोनॉमी रेट 9.79 रहा। 2017 से वह रेगुलर आईपीएल खेल रहे हैं।

केकेआर ने लॉकी फर्ग्यूसन और रहमानुल्लाह गुरबाज भी ट्रेड किया है

कोलकाता नाइट राइडर्स ने गुजराज टाइटंस से लॉकी फर्ग्यूसन और रहमानुल्लाह गुरबाज को ट्रेड किया है। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज फर्ग्यूसन को गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2022 के मेगा ऑक्शन में फर्ग्यूसन को 10 करोड़ की कीमत पर खरीद था।

आईपीएल के पिछले सीजन में कमाल की गेंदबाजी की थी और गुजरात को चैंपियन बनाने में अहम योगदान दिया। फर्ग्यूसन ने 13 मुकाबलों में गुजरात के लिए 12 विकेट लिए थे। एक मैच में तो उन्हें 4 विकेट मिले थे।ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टी-20 वर्ल्ड कप में लोकी फर्ग्यूसन ने न्यूजीलैंड के लिए खास प्रदर्शन नहीं कर सके। उन्होंने 5 मुकाबलों में गेंदबाजी की और 8.36 की इकोनॉमी से 159 रन खर्च करते हुए 7 विकेट लिए।

श्रीलंका में होगा 2024 अंडर-19 वर्ल्ड कप

आईसीसी ने बताया- 2027 वनडे वर्ल्ड कप में कैसे क्वालीफाई करेंगी 14 टीमें

खेल डेस्क, 14 नवंबर (एजेंसियां)। 2024 अंडर-19 मेंस वर्ल्ड कप श्रीलंका में आयोजित किया जाएगा। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने 2024 से 2027 के बीच अंडर-19 के होने वाले वर्ल्ड कप के मेजबान देशों की घोषणा कर दी है।

वहीं 2026 की मेजबानी जिम्बाब्वे और नामीबिया को संयुक्त रूप से सौंपी गई है। वहीं 2025 का अंडर-19 विमेंस वर्ल्ड कप मलेशिया और थाईलैंड संयुक्त रूप से आयोजित करेगा। जबकि 2027 में होने वाले वर्ल्ड कप की जिम्मेदारी बांग्लादेश और नेपाल को संयुक्त रूप से सौंपी गई है।

2027 वनडे वर्ल्ड कप के लिए कैसे क्वालीफाई करेंगी टीमें

आईसीसी ने 2027 में साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे में होने वाले वर्ल्ड कप के लिए के लि ए क्वालिफिकेशन को स्पष्ट कर दिया है। इस वर्ल्ड कप में 14 टीमें भाग लेंगी। साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे होस्ट कंट्री होने की वजह से डायरेक्ट क्वालीफाई करेंगी। जबकि 8 टीमें उस समय के वनडे वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर क्वालीफाई करेंगी। वहीं 4 टीमें ICC के ग्लोबल क्वालिफायर टूर्नामेंट के तहत चुनी जाएंगी।

2024 विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 10 टीमें भाग लेंगी

आईसीसी ने 2024 में महिलाओं के होने वाली टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भी टीमों के क्वॉलिफिकेशन की घोषणा कर दी है।

इस वर्ल्ड कप में 10 टीमें खेलेंगी। इनमें से 8 टीमें 27 फरवरी 2023 के वर्ल्ड रैंकिंग के आधार पर डायरेक्ट क्वालीफाई करेगी। जबकि 2 टीमें का चयन आईसीसी के ग्लोबल क्वॉलिफायर के आधार पर किया जाएगा।

विजय हजारे ट्रॉफी में 5वीं डबल सेंचुरी

समर्थ व्यास ने मणिपुर के खिलाफ 131 गेंदों पर बनाए 200 रन, सौराष्ट्र 282 रन से जीती

नई दिल्ली, 14 नवंबर (एजेंसियां)। सौराष्ट्र के समर्थ व्यास विजय हजारे ट्रॉफी में डबल सेंचुरी बनाने वाले 5वें बल्लेबाज बन गए हैं। दिल्ली में एलीट ग्रुप ए के खेले जा रहे लीग में रविवार को मणिपुर के खिलाफ उन्होंने 131 गेंदों पर 200 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 20 चौके और 2 छक्के भी जड़े।

समर्थ व्यास से पहले विजय हजारे ट्रॉफी में 4 अन्य बल्लेबाज दोहरा शतक लगा चुके हैं।सबसे पहले उत्तारखंड के लिए 2018 में कर्णवीर कौशल ने डबल सेंचुरी लगाई थी। वहीं, संजू सैमसन ने गोवा के खिलाफ 2019 में डबल सेंचुरी जड़ी थी। उसी साल

यशस्वी जायसवाल ने भी ये कमाल किया था। वहीं, 2021 में पृथ्वी शॉ ने इस उपलब्धि को हासिल किया था।

सौराष्ट्र ने मणिपुर को 282 रन से हराया

मणिपुर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए सौराष्ट्र ने 4 विकेट के नुकसान पर 397 रन बनाए। टारगेट का पीछा करने उतरी मणिपुर ने 10 विकेट के नुकसान पर 115 रन बनाए।

सौराष्ट्र के लिए ओपनिंग करते हुए समर्थ व्यास ने हार्विक देसाई के साथ पहले विकेट के लिए 281 करने की साझेदारी की। देसाई ने 107 गेंदों का सामान कर 100 रन बनाए। इसके अलावा चेतश्वर पुजा ने 40 गेंदों पर 48 रन और जैक्सन ने 17 गेंदों पर 20 बनाए। मणिपुर की ओर से रेस सिंह, विश्वजीत ने 1-1 विकेट लिए।

समर्थ व्यास सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सौराष्ट्र के टॉप स्कोरर

समर्थ व्यास सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में सौराष्ट्र की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उन्होंने 7 पारियों में 52 की औसत से 314 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 177.40 रहा। उनका बेस्ट स्कोर नागालैंड के खिलाफ नाबाद 97 रन की पारी थी। वे टूर्नामेंट में पांचवें टॉप स्कोरर रहे।

समर्थ व्यास ने विजय हजारे ट्रॉफी के मौजूदा सीजन में बेहतरीन शुरुआत की है। पहले मैच में चंडीगढ़ के खिलाफ उन्होंने 64 गेंद पर 61 रन बनाए थे। वहीं दूसरे मैच में 200 रन बनाए।

बदुगुला ने राजगोपाल रेड्डी से राजनीतिक नाटक बंद करने का आग्रह किया

यादाद्री-भोंगिर, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्यसभा सदस्य बदुगुला लिंगैया यादव ने सोमवार को कहा कि मुनुगोड़े उपचुनाव के दौरान भाजपा नेता कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी द्वारा चुनाव आयोग में दर्ज कराई गई शिकायत के परिणामस्वरूप चरवाहों के बैंक खातों में जमा राशि को फ्रीज कर दिया गया।

चौटुप्पल में एक मीडिया सम्मेलन में बोलते हुए, लिंगैया यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने मुनुगोडे विधानसभा क्षेत्र के 7,600 चरवाहों के बैंक खातों में एकीकृत भेड़ विकास योजना के दूसरे चरण के लिए राशि जमा की है। हालांकि, राजगोपाल रेड्डी ने इस मामले पर चुनाव आयोग के पास शिकायत दर्ज कराकर भेड़ों की खरीद में बाधा उत्पन्न की। उन्होंने इस मुद्दे पर सरकार को दोष देने के लिए राजगोपाल रेड्डी में दोष पाया।

उन्होंने आरोप लगाया कि राजगोपाल रेड्डी अब अपने राजनीतिक फायदे के लिए नाटक कर रहे हैं। राजगोपाल रेड्डी के इस आरोप में कोई सच्चाई नहीं है कि राज्य सरकार ने जानबूझकर भेड़ विकास योजना के लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा राशि को फ्रीज कर दिया है। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य सरकार ने पहले चरण में 12,000 करोड़ रुपये खर्च कर 75,000 भेड़ इकाइयाँ चरवाहों को वितरित की हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य भर में भेड़ वितरण के दूसरे चरण के लिए सीधे हस्तांतरण को लागू करने का निर्णय लिया है। इसलिए, भेड़ इकाई की खरीद के लिए राशि मुनुगोड़े विधानसभा क्षेत्र में चरवाहों के बैंक खातों में जमा की गई थी।

यह याद दिलाते हुए कि मुनुगोड़े के लोगों ने पहले ही उपचुनावों में राजगोपाल रेड्डी को खारिज कर दिया है, उन्होंने कहा कि मुनुगोड़े के लोग राजगोपाल रेड्डी या उनके नाटकों पर विश्वास नहीं करेंगे। यादव संगम जिला अध्यक्ष गुंडेबोइना अयोध्या यादव, कुरुमा संगम जिला सचिव चिन्नम बलाराजू यादव और अन्य भी उपस्थित थे।

जल्द ही सिकंदराबाद बन जाएगा तेलंगाना का सर्वश्रेष्ठ रेलवे स्टेशन : किशन रेड्डी

केन्द्रीय मंत्री ने स्टेशन पुनर्विकास योजनाओं की समीक्षा की

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। केन्द्रीय संस्कृति, पर्यटन और पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का दौरा किया और स्टेशन पुनर्विकास योजनाओं की समीक्षा की। उनके साथ दमरे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन, सीएओ, निर्माण नीरज अग्रवाल, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल ए.के गुप्ता आदि अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी रहे। केन्द्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास योजना की विस्तृत समीक्षा की। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर मीडिया को संबोधित करते हुए, केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन जल्द ही आधुनिक सुविधाओं और बेहतर वास्तुशिल्प डिजाइन के साथ तेलंगाना का सर्वश्रेष्ठ रेलवे स्टेशन बन जाएगा। उन्होंने कहा कि परियोजना को चरणबद्ध तरीके से शुरू किया जा रहा है ताकि ट्रेन संचालन में किसी तरह की बाधा न आए।

उन्होंने बताया कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन को अगले 40 वर्षों तक यात्रियों की आवश्यकताओं के अनुरूप हवाई अड्डे जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ पुनर्विकास किया जा रहा है। इसके अलावा श्री रेड्डी ने कहा कि सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन की पुनर्विकास योजना में सभी यात्रियों के लिए आधुनिक यात्री सुविधाएं, आधुनिक वास्तुकला, आधुनिक तकनीक और आरामदायक सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि पुनर्विकास कार्य 3 चरणों में, प्रथम चरण का कार्य 16 माह में, द्वितीय चरण 28 माह में, तृतीय चरण 36 माह में पूरा किया जाएगा। स्टेशन में यात्रियों की आसान आवाजाही के लिए नए स्टेशन भवन में 26 लिफ्ट, 32 एस्केलेटर होगे। परियोजना की मुख्य विशेषताओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि जी प्लस थ्री मंजिलों के साथ उत्तर की ओर एक नया स्टेशन भवन और जी प्लस थ्री मंजिलों के साथ दक्षिण की ओर की इमारत और एक डबल मंजिला स्काई कॉनकोर्स होगा। स्टेशन का नया डिज़ाइन यात्रियों की एक मोड से दूसरे मोड में निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करेगा। आगमन और प्रस्थान यात्रियों और वाहनों की आवाजाही से बचने के लिए अलग प्रवेश और निकास ब्लॉक (ड्रॉप ऑफ और पिक अप स्थान) बनाए जाएंगे। इसके अलावा, वाहनों की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए स्टेशन में बहु-स्तरीय और भूमिगत कार पार्किंग की सुविधा होगी। यात्रियों की सुविधा के लिए नया स्टेशन भवन सभी प्लेटफॉर्म पर इलेक्ट्रॉनिक साइन बोर्ड सहित आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। श्री रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार तेलंगाना राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और इस संबंध में कई पहल कर रही है। उन्होंने बताया कि केंद्र ने काजीपेट में एक नई रेलवे वैगन आवधिक ओवरहालिंग कार्यशाला को मंजूरी दी है।

फर्जी सर्टिफिकेट रैकेट का भंडाफोड़, छह आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद स्पेशल ऑपरेशस टीम (माधापुर) और मियापुर पुलिस ने सोमवार को एक फर्जी शैक्षणिक रैकेट का भंडाफोड़ कर गिरोह के छह सदस्यों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 157 मेमो, बिल बुक, विभिन्न विश्वविद्यालयों के लेटर पैड, 50 हजार रुपए नकद, मोबाइल फोन आदि जप्त किए। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान दिनेश सिंह (33), अखिलेश सेमवाल (41), तजिंदर सिंह (36), गरिकपति वेंकट भास्कर सत्यनारायण शर्मा उर्फ शर्मा (49), गीकुरु प्रेम कुमार (29) और सिंगरापु सुजाता (38) के रूप में हुई है। मिली गोयल, निदेशक, एमजी विश्वविद्यालय, मेघालय और शिवानी, लिपिक सहित दो अन्य फरार हैं। साइबराबाद के पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र ने कहा कि मियापुर में रहने वाला एक शेख ख्वाजा नायब रसूल शर्मा के संपर्क में आया और उसने डिग्री कोर्स करने के लिए उसकी मदद मांगी। शर्मा ने ख्वाजा को अखिलेश और एमजी यूनिवर्सिटी मेघालय के प्रेम से मिलवाया और उन्हें दस्तावेज सौंपे। उन पर विश्वास करते हुए, उन्होंने 2.07 लाख रुपये ट्रांसफर किए और कुछ दिनों के बाद प्रेम कुमार के माध्यम से शैक्षणिक वर्ष 2014, 2015 और 2016 के लिए मेमो प्राप्त किए। बाद में जब उन्होंने सत्यापित किया, ख्वाजा को पता चला कि वे नकली प्रमाण पत्र थे। सीपी ने कहा कि ख्वाजा की शिकायत के आधार पर पुलिस ने प्रेम कुमार और वेंकट भास्कर को गिरफ्तार कर लिया। इन दोनों ने अखिलेश सेमवाल, दिनेश सिंह और एमजी विश्वविद्यालय में कार्यरत तजिंदर सिंह की मदद से अलग-अलग व्यक्तियों को लगभग 430 प्रमाण पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि वेंकट भास्कर पिछले दस वर्षों से सिकंदराबाद के मेडिगुडा में एसएस यूनिवर्सिटी सेंटर कंसल्टेंसी बिजनेस चला रही हैं और अन्य संदिग्धों के संपर्क में हैं। पुलिस ने छह लोगों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि बाकी फरार लोगों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

आयकर अधिकारियों के साथ की सीएम जगन ने समीक्षा बैठक

अमरावती, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम जगन ने कहा कि, दामों में वृद्धि से शराब की बिक्री में कमी हुई है। इस संदर्भ में, सीएम कैम्प कार्यालय में सीएम जगन ने आयकर अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। जिसमें सीएम वाईएस जगन ने राज्य में शराब की बिक्री पर गहन विचार विमर्श किया। जिसमें उन्होंने अधिकारियों को बताया कि, शराब के दामों में वृद्धि से राज्य में शराब की बिक्री में कमी आयी है। साथ ही उन्होंने कहा कि, राज्य में बेल्ट शाप्स के हटाये जाने एवं परमिट रूम के रद्ध करने से भी शराब की बिक्री में कमी आयी है। इसी क्रम में सीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि, राज्य की आय में अधिकाधिक वृद्धि हेतु उचित वैकल्पिक तौर अपनाये जाए।

इस मामले में सीएम जगन ने राज्य में शराब के मामले पर एसईबी को खास ध्यान देने के लिए आदेश जारी किया। यही नही उन्होंने तत्संबंधित कर भुगतान पर खास ध्यान देने के लिए संबद्ध आदेश जारी किया। जिसमें उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि, कर भुगतान प्रक्रिया को आसान बनाया जाए। यही नही कर भुगतान ने करनेवाले संस्थाओं पर खास नजर रखी जाए तथा अवैध कार्य में लिप्त संस्थाओं पर कडी कार्रवाई की जाए। साथ ही नियमित रूप से ट्रेड एडवायजरी मीटींग्स आयोजित की जाए। इस बैठक संबंधित अधिकारियों ने भी भाग लिया।

लापता बेटी की तलाश में व्यक्ति की मौत

पेद्दापल्ली, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुखद घटना में, एक 44 वर्षीय व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई, जब वह अपनी लापता बेटी की तलाश कर रहा था। यह घटना रविवार रात अंतरगांव मंडल मुख्यालय स्थित टीटीएस कॉलोनी में हुई। पुलिस के मुताबिक, अंतरगांव के वड्डेरा कॉलोनी निवासी ओलेपु राजैया का उस समय एक्सीडेंट हो गया, जब उसकी बाइक सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई। सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पेशे से ट्रैक्टर चालक राजैया का एक बेटा और बेटी है। इंटर की पढ़ाई कर रही उनकी बेटी तीन दिन पहले लापता हो गई थी। चूंकि पुलिस की ओर से कोई उचित प्रतिक्रिया नहीं थी, राजैया ने खुद एक तलाशी अभियान शुरू किया और अंतरगांव से रामागुंडम की ओर बढ़ते हुए एक दुर्घटना का शिकार हो गया। मृतक के परिजनों का आरोप है कि पुलिस की लापरवाही के कारण राजैया की मौत हुई है। एसआई संतोष कुमार ने कहा कि वे तुरंत तलाशी अभियान शुरू करने में विफल रहे क्योंकि पूरा बल प्रधानमंत्री की सुरक्षा ड्यूटी में लगा हुआ था।

बुलेटप्रूफ वाहन खराब होने पर भड़के राजा सिंह

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के निलंबित विधायक राजा सिंह ने सोमवार को यहां उनकी बुलेटप्रूफ गाड़ी के खराब होने पर अपना गुस्सा जताया है। तेलंगाना सरकार की ओर मिला वाहन खराब है। जबकि राजा सिंह को आतंकवादियों से जान का खतरा है। पिछले हफ्ते जेल से रिहा हुए राजा सिंह को अफजलगंज इलाके में तेलंगाना पुलिस द्वारा मुहैया कराए गए वाहन के खराब होने के बाद अपने निजी वाहन को बुलाना पड़ा। गोशामहल के विधायक ने विरोध दर्ज कराने के लिए एक अधिकारी को बुलाया। उन्होंने कहा कि राज्य के खुफिया अधिकारियों ने उन्हें बुलेट प्रूफ वाहन मुहैया कराया। जब केंद्रीय खुफिया एजेंसियों ने कहा कि उन्हें अपने जीवन के लिए खतरा है। विधायक ने कहा कि चार महीने पहले भी वाहन खराब हो गया था और जब उन्होंने इसे खुफिया कार्यालय भेजा, तो उन्होंने मरम्मत की और उसे वापस भेज दिया। उन्होंने दावा किया कि दो

महीने पहले जब वह नामपल्ली कोर्ट जा रहे थे तो वाहन फिर से खराब हो गया। वह एक सुरक्षा गार्ड की मदद से ऑटोरिक्शा में कोर्ट पहुंचे। दो महीने से अधिक समय तक जेल में रहने के बाद, राजा सिंह को 9 नवंबर को रिहा कर दिया गया, जब तेलंगाना उच्च न्यायालय ने उनके खिलाफ निवारक निरोध अधिनियम के तहत कार्रवाई को रद्द कर दिया। अदालत ने विधायक से कहा है कि वह किसी भी धर्म के खिलाफ भड़काऊ भाषण न दें या किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपमानजनक या आपत्तिजनक पोस्ट न करें।

शहर में बुनियादी ढांचे में सुधार पर जीएचएमसी का अधिक ध्यान : विजयलक्ष्मी

ईएसआई अस्पताल एर्रागड्डा में फुटओवर ब्रिज का उद्घाटन किया गया

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) की मेयर गद्वाल विजय लक्ष्मी ने कहा कि निगम शहर में बढ़ती आबादी की जरूरत के अनुसार बुनियादी सुविधाओं में सुधार पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रहा है। महापौर ने मंत्रियों तलसानी श्रीनिवास यादव और महमूद अली के साथ मिलकर सोमवार को शहर के ईएसआई अस्पताल एर्रागड्डा में फुटओवर ब्रिज का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए महापौर विजय लक्ष्मी ने कहा कि नगर प्रशासन और शहरी विकास मंत्री के टी रामाराव के मार्गदर्शन में, निगम ने सामरिक सड़क विकास कार्यक्रम (एसआरडीपी), व्यापक सड़क रखरखाव कार्यक्रम (सीआरएमपी) और सामरिक नाला विकास कार्यक्रम (एसएनडीपी) शुरू किया था। निर्मित फ्लाईओवर, आरओबी, आरयूबी और नाला कार्यों ने हैदराबाद सड़क के बुनियादी ढांचे का चेहरा बदल दिया। पैदल चलने वालों की सुरक्षा के लिए कुल 38 फुटओवर ब्रिज प्रस्तावित किए गए हैं और इन कार्यों के लिए राज्य

सरकार पहले ही 100 करोड़ रुपये मंजूर कर चुकी है। व्यवहार्यता के आधार पर, 75.65 करोड़ रुपये के बजट से 22 फुटओवर पुलों का निर्माण किया गया। उनमें से आठ पुल पहले ही सेवा में आ चुके हैं और शेष कार्यों की प्रगति विभिन्न चरणों में है। महापौर ने कहा कि शेष फुट ओवर ब्रिजों को पूरा कर युद्धस्तर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। एर्रागड्डा इलाके में जहां ट्रैफिक ज्यादा है वहां पैदल चलने वालों के लिए यह बहुत उपयोगी होगा। इस मौके पर मुख्य सचेतक एम.एस. प्रभाकर, डिप्टी महापौर शोभन रेड्डी, पार्षद शाहीन बेगम, कोलन लक्ष्मा रेड्डी, जोनल कमिश्नर शंकरैया, एससी शंकर नाइक, यूसुफ गुडा, खैरताबाद के डीसी रमेश, मोहन रेड्डी और अन्य ने भाग लिया। इसके बाद महापौर ने डिप्टी मेयर के साथ मॉडल कॉलोनी स्थित पार्क का निरीक्षण किया। महापौर ने आयोजकों को आश्वासन दिया कि कॉलोनी पार्क को विकसित करने के प्रयास किए जाएंगे। इस अवसर पर महापौर ने कहा कि कालोनी एसोसिएशन के सदस्यों के सहयोग से शहर में पार्कों का विकास किया जा रहा है और स्थायी समिति ने 5 प्रतिशत राशि कालोनी पार्कों के प्रशासकों को देने का निर्णय लिया है। इस मौके पर जोनल कमिश्नर शंकरैया, एससी शंकर नाइक, डीसी रमेश आदि उपस्थित रहे।

चंद्रबाबू, लोकेश, पवन कल्याण राज्य विकास में रोडा : कृषि मंत्री

अमरावती, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य कृषि मंत्री काकाणी गोवर्धन ने कहा कि, रामोजीराव भी असत्य प्रचार करने में आगे है तथा तेदेपा अध्यक्ष चंद्रबाबू नायुडू, तेदेपा नेता लोकेश व जनसेना अध्यक्ष पवन कल्याण राज्य विकास में रोडा बने हुए हैं। इस संदर्भ में मंत्री के. गोवर्धन ने मीडिया को बताया कि, तेदेपा अध्यक्ष चंद्रबाबू नायुडू राहु तथा जनसेना अध्यक्ष पवन कल्याण केतु है तथा इनकी जितनी भी आलोचना करे वह कम ही है। उन्होंने कहा कि चंद्रबाबू के शासन काल में राज्य के सभी तालाब व जलाशय जलहीन वीरान हो चुके थे। पर राज्य में वाईएस जगन मोहन रेड्डी की सरकार आने पर भरपूर बरसात हुई एवं इसके चलते पेय जल, खेती में पानी की किल्लत बिलकुल नही रही। फिर भी येल्लो मीडिया ने सरकार के विरोध में झूठा प्रचार करना जारी रखा। यही नही रामोजी फिल्म सिटी व तेलुगू दैनिक के प्रमुख रामोजीराव ने भी राज्य सरकार के विरोध में अपनी कमर कसी है।

जोकि दुर्भाग्यपूर्ण विषय है। पर किसी भी दैनिक समाचार पत्र को चाहिए कि सीएम जगन द्वारा राज्य में कार्यान्वित विकास योजनाओं के तथ्य को प्रकाशित करें। पर ऐसा करने में रामोजीराव द्वारा संचालित दैनिक समाचारपत्र असफल रही है। यही नही तेदेपा नेता लोकेश जिन्हें कृषि क्षेत्र में शून्य अनुभव होने पर भी वे कृषि के बारे में अपनी बचकानी राय दे रहे है जोकि हास्यास्पद है। इसके चलते मंत्री ने कहा कि, हमारी वाईसीपी सरकार हमेशा किसानों का समर्थन करेगी एवं कृषि क्षेत्र के विकास में हमेशा आगे रहेगी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों ?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
9810940158
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी

पत्नी की हत्या के आरोप में पति को आजीवन कारावास

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अदालत ने पति को पत्नी की हत्या के आरोप में आजीवन कारावास की सजा सुनाई। राचकोंडा पुलिस आयुक्तालय में वर्ष 2022 में यह 19 वीं आजीवन कारावास की सजा का रिकॉर्ड है। राचकोंडा के तुर्कापल्ली पुलिस थाना क्षेत्र के रहने वाली रम्या उर्फ कविता (25 वर्ष) का विवाह आरोपी पिदुगु सुधाकर के साथ बीते 3 मार्च वर्ष 2011 को हुआ था। आरोपित पिदुगु सुधाकर को विवाह के समय सभी जरूरत के सामान व नकदी दी गई। शादी के बाद रम्या उर्फ कविता और आरोपी सुधाकर एक साल तक सुखी वैवाहिक जीवन व्यतीत

करते हैं। इसी बीच आरोपी सुधाकर ने रम्या उर्फ कविता को उसके माता-पिता से अतिरिक्त दहेज के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। बीते 20 नवंबर 2014 को आरोपी सुधाकर ने रम्या उर्फ कविता के ऊपर मिट्टी का तेल डाल आग लगा दी। इस घटना में बुरी तरह से झुलसी कविता ने उपचार के दौरान 24 नवंबर 2014 को दम तोड़ दिया। पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए

सुधाकर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया। मामले की सुनवाई के दौरान 14 नवंबर को पीडीजे कोर्ट भोंनगिर के जज वी. बाला भास्कर राव ने आरोपी पिदुगु सुधाकर को आजीवन कारावास की सजा सुनाते हुए 20 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

राज्य के तेजी से विकासार्थ 3 राजधानियों का होना अनिवार्य : मंत्री सत्यनारायण

अमरावती, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य मंत्री के. सत्यनारायण ने कहा कि, पीएम नरेंद्र मोदी ने विशाखापट्टणम को राज्य की राजधानी बनाने का समर्थन दिया है। ताकि राज्य का विकास तेजी से हो सके। इस संदर्भ में, राज्य मंत्री कोट्टु सत्यनारायण ने सोमवार को विशाखापट्टण में आयोजित मीडिया बैठक में मीडिया को बताया कि, हाल ही में पीएम नरेंद्र

मोदी ने विशाखापट्टणम का दौरा किया तथा इस दौरान पीएम ने विशाखापट्टणम को राज्य की राज्य की राजधानी बनाने के लिए अपना समर्थन दिया। जिसमें पीएम ने विशाखापट्टणम में ऐतिहासिकता, संस्कृति को सराहा तथा कहा कि विशाखापट्टण को राज्य की राजधानी बनाना जरूरी है। इस मामले में मीडिया द्वारा राज्य में 3 राजधानियों के बारे में पीएम की सहमति पर सवाल उठाये जानेपर मंत्री ने कहा कि, पीएम मोदी भी चाहते हैं कि राज्य में 3 राजधानियों की व्यवस्था हो। ताकि राज्य का विकास तेजी से हो सके।

छात्रों को पढ़ाई पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए : भागवत

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा सीपी महेश भागवत ने छात्रों के अभिविन्यास कार्यक्रम के लिए श्री निधि विश्वविद्यालय में आयोजित नए प्रवेशित छात्रों और अभिभावकों को उन्मुखीकरण कार्यक्रम के दौरान अपने भाषण में छात्रों को केवल पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने

और किसी भी अवांछित आकर्षण की ओर न भटकने का निर्देश दिया है। इस अवसर को संबोधित करते हुए, सीपी ने कहा है कि अधिकांश नए छात्रों को कई मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है और उनके शैक्षिक परिसर और बाहर कई विकर्षणों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने उल्लेख किया कि कई युवा और छात्र नशीली दवाओं के सेवन की आदत के जाल में फंस रहे हैं और सभी को याद दिलाया कि नशीली दवाओं के सेवन से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य खराब होता है और ऐसे अपराध होते हैं जो अंततः उनके भविष्य को बर्बाद कर देते हैं।

एससीसीएल के निजीकरण पर लोगों को गुमराह कर रहे हैं पीएम : टीआरएस

हैदराबाद, 14 नवंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलगाना राष्ट्र समिति ने सोमवार को सिंगरेणी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के निजीकरण पर भ्रामक बयान देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की। सत्तारूढ़ दल ने कहा कि सिंगरेनी कार्यकर्ताओं द्वारा किए जा रहे प्रदर्शनों और राज्य सरकार के प्रयासों के मद्देनजर प्रधानमंत्री को बयान देने के लिए मजबूर किया गया है।

यहां टीआरएस विधायक दल कार्यालय में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, एससी विकास मंत्री कोप्पुला ईश्वर ने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने दावा किया कि केंद्र एससीसीएल का निजीकरण नहीं कर रहा है और संकेत दिया कि केंद्र सरकार राज्य सरकार की तुलना में कंपनी में अल्पसंख्यक हितधारक है। अन्यथा, केंद्र सिंगरेनी को बेच देता। इसके अलावा, एससीसीएल द्वारा आवंटन मांगे जाने के बाद भी तेलंगाना में कोयला ब्लॉकों की

नीलामी, निजीकरण से कम नहीं है।

मंत्री ने याद दिलाया कि निजीकरण के मुद्दे को छोड़कर, मोदी कंपनी को परेशान करने वाले विभिन्न मुद्दों के बारे में बोलने से बचते रहे। आयकर छूट प्रदान करने के विधानसभा प्रस्ताव और पेंशनभोगियों के मुद्दों सहित सिंगरेनी श्रमिकों में से किसी का भी उल्लेख नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन के माध्यम से भाजपा पर लाए गए दबाव के कारण, प्रधानमंत्री को एससीसीएल के निजीकरण के बारे में बोलने के लिए मजबूर होना पड़ा, जबकि उन्होंने आंध्र प्रदेश की अपनी यात्रा के दौरान विजाग स्टील प्लांट के निजीकरण के बारे में बात नहीं की। पेद्दापल्ली के सांसद बी. वेंकटेश नेथा ने कहा कि केंद्र सरकार ने उन्हें, स्थानीय सांसद को, प्रधानमंत्री के रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड कारखाने के दौरे के लिए आमंत्रित नहीं करके प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के लिए करीमनगर के सांसद बंदी संजय को आमंत्रित कर रामागुंडम की बैठक को भाजपा की राजनीतिक बैठक में बदल दिया गया। उन्होंने कहा कि इस संबंध में लोकसभा विशेषाधिकार समिति के समक्ष शिकायत दर्ज कराई जाएगी। इस अवसर पर सरकारी सचेतक एमएस प्रभाकर, एमएलसी एल. रमना व अन्य उपस्थित थे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.